हिन्दी - 1

पाठ -1
बिना मात्रा वाले शब्द

(मौखिक)

(अ) 1. बस 2. घर
3. मटर 4. नल

(लिखित)

(ब) 1. घ + र = घर
2. फ + ल = फल
3. व + त + न = पवन
4. प + व + न = पवन
5. ब + च + प + न = बचपन
6. ज + न + प + द = जनपद

(स) 1. रथ = र + थ
2. छत = छ + त
3. पलक = प + ल + क
4. नरम = न + र + म
5. अचकन = अ + च + क + न
6. तरकश = त + र + क + श

(द) द, ब, क, श, ह, ख, य, त।

पाठ -2
मात्रा वाले शब्द

(अ) 1. आ (ा) = बाजार
2. इ (ि) = चिड़िया
3. ई (ी) = नीली
4. उ (ु) = चुनमुन
5. ऊ (ू) = कबूतर
6. ए (े) = रेल
7. ऐ (ै) = पैसा
8. ओ (ो) = गौरे
9. औ (ौ) = खिलौने
10. अनुस्वार (ं) = मंगल
11. अनुनासिक (ँ) = गाँव
12. ऋ (ृ) = कृषक
13. र रेफ (र्) = कार्य
14. र पदेन (्र/्र) = प्रथम, ड्रम
15. विसर्ग (:) = प्रात:

(ब) 1. आम 2. चिड़िया
3. हाथी 4. गुलाब
5. झुला 6. शेर
7. सैनिक 8. मोर
9. पौधा 10. पतंग
11. ऊँट 12. कृष्ण
13. प्रात: 14. नर्स
15. ड्रम

(स) 1. गाय माता 2. गुलाब
3. शेर 4. मोर
5. बतख 6. बकरी

पाठ -3
मेरी प्यारी टीचर

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. नई-नई बातें मेरी टीचर समझाती है।
2. सबसे प्यारी मेरी टीचर है।
3. मेरी टीचर हमें सच्चा भारतवासी बनने की प्रेरणा देती है।

(लिखित)

(अ) 1. टीचर बच्चों को रोज पढ़ाती हैं, नई-नई बातें अच्छी तरह से समझाती हैं और हमारे साथ मुस्कराकर खेलती हैं, इसलिए प्यारी लगती हैं।
2. टीचर बच्चों के साथ पढ़ाने के साथ-साथ मुस्कराकर खेलती और गाती भी हैं।
3. टीचर हरदम हमें आपस में न झगड़ना, सच्चे भारतवासी बनना तथा सदा बड़ों का आदर करना सिखाती हैं।

(ब) 1. रोज 2. प्यारी
3. प्रेम

(स) मुझे बहुत अच्छी <u>लगती हैं</u>।

जब वे पाठ पढ़ाती हैं।
नई-नई वे बात बतातीं।
अच्छे से समझाती हैं।

(भाषा की समझ)

1. (i) पढ़ाती-सिखाती/समझाती/मुस्काती
(ii) अच्छे-सबसे/मुझे/सच्चे
(iii) बनना-झगड़ना/करना

2. (i) समझाती ✓ (ii) आदर ✓
(iii) सबसे ✓

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. झगड़ा करना गन्दी आदत है, इसलिए टीचर झगड़ने से मना करती है।

2. हाँ, हमारी टीचर हमें प्यार से पढ़ाती हैं।

3. शिक्षक-दिवस पाँच सितम्बर को मनाया जाता है।

4. हम उनकी हर बात मानकर अपने प्रिय टीचर के प्रति सम्मान प्रकट करेंगे।

(आनंद के लिए)

i. टीचर ii. समझाती
iii. पढ़ाती iv. पाठ
v. हरदम vi. आदर

पाठ -4
भालू ने खोला स्कूल

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. बल्लू भालू

2. "जो पढ़ेगा, वह आगे बढ़ेगा।"

3. बल्लू भालू पर

(लिखित)

(अ) 1. सुंदरवन में शेर एक दिन घूमने निकला था।

2. बल्लू भालू शहर-देहात में आता-जाता था।

3. शहर के लोगों ने पढ़-लिखकर खूब तरक्की की है। उन्होंने तरह-तरह के घर बनवाए हैं। वे साइकिल, मोटरसाइकिल,

और बस में चलते हैं। हवाई जहाज में बैठकर आकाश में उड़ते हैं। वे पानी के लिए दूर-दूर तक नहीं जाते क्योंकि उन्होंने कुएँ खोद लिए हैं, नल लगवा लिए हैं। वे तरह-तरह के कपड़े और जूते पहनते हैं।

(ब) 1. तख्ती **2.** भालू
3. शेर ने

(स) 1. (×) **2.** (✓)
3. (×)

(भाषा की समझ)

1. (i) भालू (ii) बल्लू
(iii) सुंदरवन (iv) शहर
(v) जंगल (vi) हवाई-जहाज

2. (i) उदास-प्रसन्न (ii) हानि-लाभ
(iii) झूठ-सच (iv) अंदर-बाहर
(v) रात-दिन (vi) देहात-शहर

3. (i) भाई-भाइयों (ii) बहन-बहनों
(iii) लोग-लोगों (iv) साइकिल-साइकिलों
(v) हाथ-हाथों (vi) तख्ती-तख्तियाँ

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. नहीं, लड़ना-झगड़ना अच्छी बात नहीं है।

2. अपने से बड़ों को हम अपनी आदरपूर्वक बताते हैं।

3. जंगलों से हमें शुद्ध वायु मिलती है। जड़ी-बूटियाँ मिलती हैं। जंगल बारिश कराने में सहायक होते हैं।

4. मांसाहारी पशु - शेर, लोमड़ी

5. शाकाहारी पशु - हाथी, जिराफ

(आनंद के लिए)

छात्र स्वयं करें।

पाठ -5
परी की जादुई छड़ी

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. अक्षरा शाम के समय खेलकर घर जा रही थी।

2. अक्षरा को झाड़ियों के पीछे जादुई छड़ी पड़ी मिली।
3. परी अक्षरा को परीलोक ले गई।

(लिखित)

(अ) 1. जादुई छड़ी पाकर परी ने अक्षरा से कहा, "तुम्हें क्या चाहिए?"
2. अक्षरा को परीलोक बहुत सुंदर लगा।
3. अक्षरा धरती के बारे में सोच रही थी कि हमारी धरती ऐसी सुंदर क्यों नहीं है? वह परीलोक जैसी कैसे बन सकती है?

(ब) 1. चमकदार चीज
2. परी ने
3. परीलोक

(स) 1. (×) 2. (✓)
3. (×)

(ब)

	किसने कहा ?	किससे कहा ?
1.	परी ने	अक्षरा से
2.	अक्षरा ने	परी से
3.	परी ने	अक्षरा से

(भाषा की समझ)

1. (i) जादुई-दरी (ii) जादुई-कुँआ (iii) जादुई-पाली
2. (i) सुबह-शाम (ii) दिन-रात (iii) उदास-प्रसन्न
3. (i) परी-परियाँ (ii) पंख-पंखों (iii) छड़ी-छड़ियाँ

(कल्पना की उड़ान)

(सोकर बताओ)

1. मुझे परियों की और जादुई कहानियाँ पसंद हैं।
2. हमें स्वस्थ रहने के लिए साफ-सुथरा रहना चाहिए।
3. कोई वस्तु पाने पर हम यह पता लगाकर कि वह वस्तु किसकी है, उसे वापस कर देते हैं।
4. हम इस विषय पर यह सोचते हैं कि हमारी धरती सुंदर कैसे बन सकती है। इसके लिए हम कैसे साफ-सफाई रख सकते हैं। धरती को हरा-भरा कैसे रख सकते हैं, भेद-भाव को कैसे समाप्त कर सकते हैं आदि।

- (i) अक्षरा (ii) जादुई छड़ी (iii) परी

पाठ -6
रिया का अनोखा परिवार

(पाठ की समझ)

1. रिया के परिवार में नौ सदस्य हैं।
2. रिया के दादाजी उसे पार्क घुमाने ले जाते हैं।
3. रिया ने अपने भाई वैभव को राखी बाँधी।

(लिखित)

(अ) 1. रिया की दादी अपने सारे परिवार को एकसाथ इकट्ठा हँसते-बोलते और खुश होते देखकर प्रसन्न होती हैं।
2. रिया के परिवार में रिया, उसके दादी-दादाजी, ताऊजी-ताईजी, माँ-पिताजी, चाचाजी और उसके ताऊ जी का बेटा वैभव हैं।
3. परिवार को खुशहाल देखकर रिया की दादी माँ कहती हैं—"हे भगवान! मेरे इस अनोखे परिवार को तुम ऐसे ही सुखी और प्रसन्न रखना।"

(ब) 1. रिया को दादाजी पार्क में घुमाने ले जाते हैं।
2. रिया ने अपने भाई वैभव को राखी बाँधी।
3. रिया के ताऊजी बैंक में मैंनेजर हैं।

(स) 1. प्रसाद 2. कम्पनी में
3. शिक्षक

(भाषा की समझ)

(अ) 1. पापाजी 2. मम्मी जी
3. दीदी-भैया

(ब)

पुरुष	स्त्री
दादा	दादी
भाई	बहिन
पिताजी	माताजी
वैभव	रिया
चाचाजी	चाचीजी

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. ताऊजी
2. माँजी/माताजी/सासू माँ
3. भाई
4. राखी
5. राखी बाँधना/बँधवाना

(आनंद के लिए)

छात्र स्वयं करें।

पाठ -7

ठीक समय पर

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. कविता में समय पर जागने, नहाने, खाने, पढ़ने, मौज उड़ाने और गाने के लिए कहा गया है।
2. हम खेलते हैं, नाचते हैं और घूमने जाते हैं।
3. ठीक समय पर सारे काम करके हम बहुत बड़े बन सकते हैं।

(लिखित)

(अ) 1. ठीक समय पर सारे काम करने से हम हम बहुत बड़े कहलायेंगे।
2. ठीक समय पर उठने से हम दिनभर के सारे काम समय पर पूरे कर पाएँगें।
3. कविता में सारे काम ठीक समय पर करने के लिए इसलिए कहा गया है क्योंकि समय पर सारे काम करने पर ही हम बहुत बड़े कहलायेंगे।

(ब) 1. नहाओ 2. पढ़ने
3. खाना

(स) 1. हाँ 2. हाँ
3. हाँ

(भाषा की समझ)

(अ) 1. स + म + य = समय
2. क + ह + ला + ओ = कहलाओ
3. न + हा + ओ = नहाओ
4. उ + ड़ा + ओ = उड़ाओ

(ब) 1. बड़ा - छोटा 2. ठीक - गलत
3. मौज - उदासी 4. उठ - सो/बैठ
5. बहुत - कम 6. दिन - रात

(स) 1. मुझे बाजार जाना है।
2. मैंने एक जलेबी खाई है।
3. ठीक समय पर चलो नहाओ।

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. हम गर्मियों में सुबह 7 बजे से 12 बजे तक तथा सर्दियों में सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक स्कूल में पढ़ते हैं और घर पर दोपहर बाद और रात को सोने से पहले पढ़ते हैं।
2. मैं अपने सारे काम स्वयं करता हूँ, अपने आप नहाता हूँ, अपने आप कपड़े पहनता हूँ, अपने आप अपना बस्ता लगाता हूँ तथा अपने आप ही अपना गृहकार्य करता हूँ।
3. हाँ, मैं ठीक समय पर स्कूल जाती/जाता हूँ।
4. मैं गर्मियों को छुट्टियों में मौज मनाती/मनाता हूँ।
5. मैं अपने काम सही समय पर करने के लिए घड़ी और माता-पिता की सहायता लेती/लेता हूँ।

(आनंद के लिए)

छात्र स्वयं करें।

पाठ -8

बुद्धिमान कोको

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. कबूतर दाना चुग रहा था।
2. बिल्ली का नाम किटी था।
3. बिल्ली कबूतर को यह खुशखबरी देने आई थी कि सुबह सभी जानवरों की सभा में एक निर्णय लिया गया है कि कोई भी प्राणी किसी दूसरे प्राणी को मारकर नहीं खाएगा।

(लिखित)

(अ) 1. कोको कबूतर का नाम था।
2. काको किटी बिल्ली की चाल समझ गया था।

3. कबूतर ने जंगली कुत्ते आने की बात कही।

(ब) 1. लालच 2. भैया
3. धूर्त

(स) 1. एक पेड़ 2. उड़कर
3. धूर्त किटी

(भाषा की समझ)

1. बुद्धिमान – मूर्ख 2. नीचे – ऊपर
3. दूर – पास 4. आती – जाती
5. अच्छा – बुरा 6. दीदी – भैया
2. बुदिमान कूत्ता
धुर्त निचे
3. किटी– क्या तुम मुझसे डर गए?
कोको – हाँ, मैं तुमसे डकर ही उड़कर पेड़ पर बैठ गया हूँ।
किटी – कबूतर भैया, मुझसे डरने की क्या बात है?
कोको – अरे ! अरे ! कैसी बातें करते हो भैया, भला मैं तुम्हें क्यों खाऊँगी?
कोको – तो फिर तुम यहाँ क्यों आई हो?
किटी – मैं तो तुम्हें एक खुशी की बात बताने आई हूँ।
कोको – वह खुशी की बात क्या है?
किटी – यही कि मैं जंगल छोड़कर जा रही हूँ और तुमसे आखिरी बार मिलने आयी हूँ।

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. कोको यदि किटी बिल्ली की बात मान लेता तो वह उसे मारकर खा जाती।
2. कबूतर – गुटर गूँ–गुटर–गूँ तथा बिल्ली– म्याऊँ–म्याऊँ की आवाजें निकालते हैं। भारत का राष्ट्रीय पक्षी मोर तथा राष्ट्रीय पशु बाघ है।

(आनंद के लिए)

1. छात्र स्वयं करें।
2. छात्र स्वयं करें।

पाठ -9

भालू और किसान की खेती

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. भालू मदारी के चुंगल से छूटकर आया।
2. जोजो साइकिल चलाकर दिखा रहा था।
3. जोजो ने कहा– "अरे किसान, मैं तुझे खा जाऊँगा!"

(लिखित)

(अ) 1. जोजो और किसान ने फसल को आधा–आधा लेना तय किया।
2. किसान ने पहली बार आलू की फसल इसलिए बोई क्योंकि जोजो भालू ने उसे डराकर आधी फसल के रूप में जमीन के ऊपर वाली फसल माँगी थी।
3. गन्ने की फसल का सबसे नीचे का हिस्सा जड़ और सबसे ऊपर का हिस्सा पत्ते जोजो को मिले।

(ब) 1. आलू 2. गेहूँ
3. गन्ना

(स) 1. भालू ने – किसान से
2. किसान ने – भालू से
3. किसान ने – भालू से

(भाषा की समझ)

1. (i) मूर्ख (ii) ऊपर
(iii) उसका
2. (i) किसान (ii) चालाक
(iii) जमीन (iv) मदारी
3. (i) रहता (ii) हिस्सा
(iii) पौधे

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. जोजो मदारी से छूटकर इसलिए भागा क्योंकि प्रत्येक जीव स्वतंत्र रहना चाहता है।
2. हर बार भालू को नुकसान इसलिए उठाना पड़ा क्योंकि किसान ने धैर्य और चतुराई से काम लिया था।

3. हम यदि जोजो भालू की जगह होते तो किसान को डरा-धमका कर लाभ लेने की कोशिश नहीं करते, बल्कि उसके साथ बराबर से परिश्रम करते और अपनी मजदूरी लेते।
4. भालू अगर स्वयं खेती करता तो फसल का पूरा-पूरा लाभ लेता।
5. अगर हमको मौका मिले तो वह चीज उगाना पसंद करेंगे जो समाज के लिए उपयोगी हो और हमारे लिए लाभदायक हो।

(आनंद के लिए)

स्वयं गुनगुनाएँ।

पाठ -10
अच्छी बातें सीखो

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. फूलों से हम हँसना सीख सकते हैं।
2. हवा का झोंका हमें कोमल-कोमल बहना सिखाता है।
3. हम पृथ्वी से सेवा करना सीख सकते हैं।

(लिखित)

(अ) 1. सूरज की किरणें हमें समय पर जगना और जगाना सिखाती हैं।
2. लता और पेड़ों से हम सबको गले लगाना सीख सकते हैं।
3. अंधकार को हटाने का गुण दीपक में है।

(ब) 1. हँसना 2. मिल-जुलकर रहना 3. पृथ्वी से

(स) 1. किरणों 2. हवा 3. गाना

(भाषा की समझ)

1.

लड़का	लड़की
भौंरा	तितली
सूरज	किरण
दीपक	लता

2. लता-लताएँ, डाली-डालियाँ, भौंरा-भौंरे किरण-किरणें, बच्चा-बच्चे, झोंका-झोंकें
3. दिपक-दीपक, दुध-दूध, अंधकर-अंधकार कीरण-किरण, भौरा-भौंरा, शीस-शीश

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. मैं सुबह जल्दी जगता/जगती हूँ।
2. मुझे सेब, केला और पपीता अच्छे लगते हैं।
3. हाँ, मुझे दूध पीना पसंद है।
4. गर्मी की ऋतु में हवा के झोंके अच्छे लगते हैं।

(थोड़ा और जानिए)

1. फलों का राजा आम है।
2. हम गाय, भैंस व बकरी का दूध पीते हैं।
3. सूरज पूरब दिशा से निकलता है।

(आनंद के लिए)

(अ) 1. फल 2. डाली 3. फूल 4. लता 5. हवा 6. दूध 7. सूरज 8. दीपक 9. धरती 10. पानी 11. भौंरा

2. छात्र स्वयं करें।

पाठ -11
चतुर मेमना

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. मेमना भेड़ों के झुंड से अलग हो गया।
2. जंगल में मेमने को दुष्ट भेड़िया मिला।
3. भेड़िया शिकारी कुत्तों से डरकर भाग गया।

(लिखित)

(अ) 1. भेड़ों का झुंड जंगल में चर रहा था।
2. मेमने ने अपनी जान बचाने के लिए भेड़िये को गाना गाने के लिए कहा।
3. मेमने की ढूँढ़ता हुआ उसका स्वामी आया।

(ब)

किसने	किससे
1. मेमने ने	भेड़िए से
2. भेड़िए ने	मेमने से
3. मेमने से	भेड़िए से

(स) **1.** (×) **2.** (×)
3. (✓)

(भाषा की समझ)

1.

वन – जंगल	गीत – गाना
बड़ाई – प्रशंसा	भय – डर
खाना – भोजन	खुश – प्रसन्न
भयानक – भयंकर	स्वामी – मालिक
जीवन – जान	

2.

भेड़ – भेड़ों	कुत्ता – कुत्तों
मेमना – मेमनों	अनेक – अनेक
आवाज – आवाजें	इच्छा – इच्छाएँ

3. (i) शिकारी (ii) जंगली

4. (i) भेड़िया गाना गाने लगा।
(ii) मेमना का मालिक उसे ले गया।
(iii) मेमने ने समझदारी से अपनी जान बचायी।

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. हम रोटी, सब्जी, फल आदि खाते हैं।

2. कोई परेशानी होने पर हम अपने माता-पिता, शिक्षक-शिक्षिका तथा मित्रों की सहायता लेते हैं।

3. हम ध्यान रखेंगें कि हम अपने परिवार से बिछुड़े नहीं।

4. मुझे कोयल की आवाज अच्छी लगती है।

(थोड़ा और जानिए)

1. गाय के बच्चे को बछड़ा या बछिया कहते हैं।

2. भेड़-बकरियाँ पालने वालों के साथ बाड़ों या कमरों में रहती हैं।

3. भेड़ों से हमें ऊन, दूध और मांस मिलता है।

(आनंद के लिए)

किसी जंगल में एक चीकू नाम का खरगोश था। वह बहुत बुद्धिमान और साहसी था। उसी जंगल का राजा शेर बहुत दुष्ट प्रवृत्ति का था। वह अपने आनंद के लिए पशुओं का शिकार करता था। कुछ को वह मारकर खा जाता था और बाकी जानवरों को मारकर ऐसे ही छोड़ देता था। उसके ऐसे व्यवहार से दु:खी होकर सारे जानवरों ने शेर से बात करने की सोची। एक दिन वे सब इकट्ठे होकर शेर के पास पहुँचे। उन्होंने शेर से कहा कि उसे शिकार करने के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं है। एक जानवर रोज उसके पास आ जाया करेगा। यह सुनकर शेर प्रसन्न हो गया। अब रोज उसके पास एक जानवर जाता। ऐसे ही एक दिन चीकू खरगोश की बारी आई शेर के पास जाने की। चीकू शेर के पास जाते समय अपनी जान बचाने की योजना बनाने लगा। वह देर से शेर के पास पहुँचा। देर से पहुँचने के कारण शेर उस पर बहुत गुस्सा हुआ। तब चीकू ने उसे अपने देर से आने का कारण बताते हुआ कहा-महाराज! जब मैं आपके पास आ रहा था, तब मुझे रास्ते में दूसरा शेर मिला। शेर बोला- क्या कहा दूसरा शेर! खरगोश ने शेर से कहा, "जी महाराज, वह कह रहा था कि आज से इस जंगल का राजा मैं हूँ।" यह सुनकर शेर, को बहुत गुस्सा आया। वह खरगोश से बोला- कहाँ है वह दूसरा शेर, दिखाओ मुझे। खरगोश शेर को एक कुएँ के पास ले गया। वह शेर से बोला कि दूसरा शेर इसी कुएँ में रहता है। शेर ने कुएँ में देखा तो उसे पानी में अपनी परछाईं नजर आई। उसे देखकर शेर ने सोचा कि यह वही दूसरा शेर है और उसने कुएँ में छलाँग लगा दी। शेर कुएँ के पानी में डूबकर मर गया। इस प्रकार खरगोश ने अपनी बुद्धिमानी से न केवल अपनी जान बचाई बल्कि जंगल के दूसरों जानवरों की भी जान बचा ली।

पाठ -12
हाथी की दावत

(मौखिक)

1. हाथी गरमी से परेशान था।

2. हाथी के लिए केले का गुच्छा बंदर लाया।
3. हाथी की दावत के लिए कौआ अपनी चोंच में रोटियाँ लेकर आया।

(लिखित)

(अ) 1. तेज धूप और गर्मी से परेशान हाथी ने तालाब में घुसकर उसका पानी अपनी सूँड़ में भरकर अपने ऊपर डाला।
2. खरगोश ने हाथी से कहा- हाथी दादा! गरमी बहुत है, थोड़ा पान मेरे ऊपर भी डाल दो।
3. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें किसी को छोटा या तुच्छ नहीं समझना चाहिए, बल्कि एक-दूसरे का सहयोग करना चाहिए।

(ब)

	किसने कहा	**किससे कहा**
1.	कौए ने	हाथी से
2.	हाथी ने	सभी से
3.	बंदर ने	हाथी से

(स) 1. नहाना 2. काँव-काँव
3. झाड़ी

(द) खरगोश गाजरें, बंदर केले, कौआ रोटियाँ।

(भाषा की समझ)

1. बाहर - भीतर
ऊपर - नीचे
पास - दूर
अच्छी - बुरी
2. गाजर-गाजरें, रोटी-रोटियाँ, केला-केले
3. हाथी-गज, खरगोश-शशक, बन्दर-कपि
4. (i) हाथी तालाब में नहा रहा है।
(ii) बंदर केला खाता है।
(iii) गाय घास चर रही है।

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. हमको जब गर्मी सताती है, तब हम नहाते हैं, पंखें, कूलर या ए.सी. की हवा खाते हैं।
2. हाथी सबको भगा देता तो उसे खाने की अच्छी दावत नहीं मिल पाती।
3. उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि हाथी ने उन सबकी गर्मी दूर करने में मदद की थी।
4. हाथी का प्रिय खाद्य पदार्थ गन्ना है।
5. जंगल के तालाब में पानी बरसात के समय इकट्ठा हो जाता होगा।

(आनंद के लिए)

1. छात्र स्वयं करें।
2. छात्र स्वयं करें।

पाठ -13

जगत सुहाना लगता है।

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. बादल और बारिश के साथ हवा सुहानी लगती है।
2. घर-आँगन के साथ संसार सुहाना लगता है।
3. पुस्तकों के साथ कपड़े और खिलौंने भी सुहाने लगते हैं।

(लिखित)

(अ) 1. धरती अच्छी लगती है, धरती के साथ पौधे और हरियाली भी अच्छी लगती है।
2. मोर और मछली जीवों के साथ सुहाने लगते हैं।
3. फल और सब्जियों के साथ फूल सुहाने लगते हैं।

(ब) 1. चाँद 2. घर
3. बादल

(ब) 1. सब्जियाँ भी 2. खिलौने भी
3. हरियाली भी

(भाषा की समझ)

1. 1. धरा-धरती 2. पुस्तक-किताब
3. सफर-यात्रा 4. चाँद-चन्द्रमा
5. जगत-संसार 6. फूल-पुष्प
2. र - रथ, रात,
फ - फल, फसल
म - मछली, मोर
3. पौधे, मछलियाँ, सब्जियाँ, कपड़े, खिलौने, तारे।

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. मुझे बारिश बहुत अच्छी लगती है।
2. फूल - गुलाब, चमेली, कमल
   फल - आम, पपीता, केला
   सब्जियाँ - गाजर, टमाटर, आलू
3. हम अपनी पुस्तकों को अपने बैग और कपड़ों को अलमारी में व्यवस्थित रखकर सुरक्षा करते हैं।
4. मुझे बारिश अच्छी लगती है।

(आनंद के लिए)

छात्र स्वयं करें।

पाठ -14
अवनि का दिन

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. प्रियांशी कीचड़ में फिसल गई।
2. अवनी ने अपनी सहेली को उठाया, अपनी बॉटल के पानी से उसके कपड़े साफ किए और उसके बस्ते को व्यवस्थित करके उसकी सहायता की।
3. अध्यापिका ने अवनि को शाबाशी अपनी सहेली की सहायता करने पर की।

(लिखित)

(अ) 1. अवनी की सहेली का नाम प्रियांशी है।
2. स्कूल में अवनि मन लगाकर पढ़ाई करती है।
3. दादी ने अवनि से कहा- तुमने बहुत अच्छा काम किया। हमें अपने मित्रों की संकट के समय सहायता करनी चाहिए।

(ब) 1. शुभरात्रि 2. दादी को
3. सुप्रभात

(स) 1. हाथ-मुँह 2. अवनि
3. जल्दी

(भाषा की समझ)

1. (i) रिश्ते-नाते — माँ, पिता, दादी, दादा
   (ii) स्थान — रसोई, कमरा, बरामदा, आँगन, छत
   (iii) अन्य शब्द — कहानी, खीर, दूध
2. कक्षा-कक्षाएँ, कपड़ा-कपड़े, अध्यापिका-अध्यापिकाएँ, शरारत-शरारतें, बात-बातें, सहेली-सहेलियाँ
3. सुबह-शाम, बड़े-छोटे, थोड़ी-ज्यादा।

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. हमारे घर में अभिवादन सुबह सोकर उठते समय सुप्रभात कहकर, किसी के आने और जाने के समय नमस्ते कहकर तथा रात को सोते समय शुभरात्रि कहकर अभिवादन करते हैं।
2. घर पर जब कोई अतिथि आते हैं, तब हम नमस्ते बोलकर उनका स्वागत करते हैं।
3. नमस्ते बोलकर उनका अभिवादन करते हैं।
4. छात्र स्वयं करें।
   (हम ये सभी काम करते हैं।)

पाठ -15
शुभम के खिलौने

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. शुभम अपने खिलौनों से खेल रहा था।
2. अपने मनपसंद कार्टून की आवाज सुनकर शुभम ने खिलौनों से खेलना छोड़ दिया।
3. शुभम के घर उसका मित्र अंकित आया।

(लिखित)

(अ) 1. शुभम की माँ ने उससे खेलने के बाद सभी खिलौनों को टोकरी में रखने को कहा।
2. शुभम को दूसरे कमरे में टीवी पर अपने मनपसंद कार्टून की आवाज सुनाई दी।
3. खिलौने पर पैर पड़कर फिसलने के कारण अंकित नीचे गिर गया।

(ब) 1. अंकित 2. खिलौने से
3. टोकरी में

(स) **1.** (×) **2.** (✓)
3. (✓)

(भाषा की समझ)

1. (i) खिलौना–खिलौने (ii) टोकरी–टोकरियाँ (iii) कमरा–कमरे

2. (i) खुश — आज मोहित बहुत खुश था।
(ii) पैर — अंकित का पैर खिलौने पर पड़ गया।

3. (ख) खेलता है।
(ग) पकड़ता है।
(घ) उड़ता है।

4. (i) लिखना (ii) पढ़ना
(iii) खेलना (iv) कूदना

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. मुझे खिलौने से खेलना अच्छा लगता हे।

2. मुझे अपना टैडी बियर बहुत अच्छा लगता है।

3. मैं अपने सभी खिलौने समेटकर एक थैले में भरकर रख देती/देता हूँ।

4. मैं उससे अपनी गलती के लिए माफी माँगूँगी/माँगूँगी।

5. छात्र स्वयं करें।

(आनंद के लिए)

छात्र स्वयं करें।

पाठ -16

नन्हीं मछली और मिंकू कछुआ

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. नन्हीं मछली गोमुख के ठंडे पानी में रहती थी।

2. मिंकू एक कछुआ था।

3. मिंकू नन्हीं मछली के साथ गोमुख गया।

(लिखित)

(अ) **1.** लंबा–चौड़ा और गहरा समुद्र देखकर नन्हीं मछली की आँखें चौधियाने लगीं।

2. गोमुख गंगा नदी का उद्गम स्थल है।

(ब) **1.** मैदानी **2.** गंगासागर में
3. बर्फ का पहाड़

(स) **1.** (×) **2.** (×)
3. (✓)

(अ) **1.** इलाहाबाद **2.** बनारस
3. कोलकाता **4.** पटना
5. अयोध्या

(ब) **1.** बूढ़ी/युवती
2. साथ–साथ = अलग–अलग
3. भारी–हल्का **4.** दूर = पास
5. विशाल = लघु **6.** मैदानी = पहाड़ी

(स) **1.** पानी–जल **2.** मछली–मीन
3. बादल–मेघ **4.** हवा–वायु
5. धरती–धरा **6.** समुद्र–सागर

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. छात्र स्वयं करें।

2. तो नन्हीं शायद वापस अपने घर गोमुख नहीं आ पाती।

3. नहीं, क्योंकि बच्चों को अपने माता–पिता के संरक्षण और मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। अत: इस प्रकार अकेले इतनी लम्बी यात्रा पर जाना उचित नहीं है।

(आनंद के लिए)

1. पानी में रहने वाले जन्तु— मछली, कछुआ

2. धरती पर रहने वाले जन्तु— बंदर, हाथी

3. धरती और पानी दोनों में रहने वाले जन्तु— मेंढक, मगरमच्छ।

❑❑❑

हिन्दी - 2

पाठ -1
हम अच्छे इन्सान बनें

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. सारे दु:ख सहने की सीख हमें दीपक और धरती के कण-कण से मिलती है।
2. चंदा हमें सुलाने का काम करता है।
3. सूरज अधंकार को दूर करता है।

(लिखित)

(अ) 1. झरना हमें कभी न घबराने का संदेश देता है।
2. दीपक से हमें दु:खों को सहकर सुख देने की सीख मिलती है।
3. ईश्वर ने सूर्य, चन्द्रमा, जल, दीपक और धरती का कण-कण बनाया है।

(ब) 1. झरना, घबराओ 2. दीपक, सहकर

(स) 1. दीपक, 2. बढ़ते जाओ,
3. धरती का कण-कण

(भाषा की समझ)

1. झरना, विनती, ईश्वर, धरती, संतान
2. जलकर-सहकर, हम-तुम, देना-लेना
3. पढ़ना-पढ़वाना, करना-करवाना, लड़ना-लड़वाना

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. इस संसार को बनाने वाले ईश्वर हैं।
2. इसका दूसरा उदाहरण पेड़-पौधे हैं।
3. हम रात को जल्दी सोते हैं और सुबह जल्दी उठते हैं।
4. चन्द्रमा सूर्य के प्रकाश से चमकता है।

(आनंद के लिए)

1. छात्र स्वयं करें।

पाठ -2
पढ़ाई की ताकत

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. घूमते समय शेर को भैंसों, गायों और गधों के बच्चों का झुंड मिला।
2. गाय, भैंस और गधे के बच्चे स्कूल से आ रहे थे।
3. खतरा सामने देखकर जानवरों के बच्चों ने अपनी-अपनी बोली में अपने सगे-संबंधियों को खतरे की सूचना दे दी।

(लिखित)

(अ) 1. शेर सुंदर वन में रहता था और उसका नाम दुर्मुख था।
2. स्कूल में कोयल दीदी, लोमड़ी मौसी, मूषक महाराज और तोताराम पढ़ाते थे।
3. शेर जानवरों के बच्चों पर हमला इसलिए नहीं कर सका क्योंकि सभी बच्चों ने अपनी-अपनी बोली में खतरे की सूना दे दी थी। जिसे सुनकर उनके सभी सगे-सम्बन्धियों ने आकर शेर को तीनों ओर से घेर लिया।

(ब) 1. मिल-जुलकर, 2. कुत्ते की तरह
3. बगुले की तरह

(स)

	किसने कहा	किससे कहा
1.	दुर्मुख ने	जानवरों के बच्चों से
2.	बछड़े ने	दुर्मुख से
3.	दुर्मुख ने	जानवरों के बच्चों से

(भाषा की समझ)

1. (i) राजमिस्त्री (ii) बढ़ई
(iii) किसान (iv) अध्यापक

2.

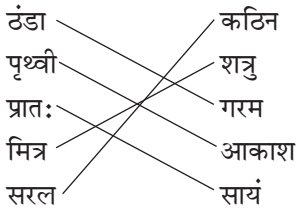

3. (i) काली बिल्ली दूध पी रही है।
(ii) लाल गुलाब महक रहा है।
(iii) चालाक आदमी बातें बना रहा है।

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. हाँ, मैं प्रतिदिन स्कूल जाता/जाती हूँ।
2. हाँ, मैं चिड़ियाघर गया/गई हूँ।
   (छात्र स्वयं भी करें।
3. हमने इस कहानी से सीखा कि पढ़ने-लिखने व एकता में बहुत शक्ति है।
4. हमें संकट का सामना बुद्धि से और मिल-जुलकर करना चाहिए।

(आनंद के लिए)

1. (i) बरगद (ii) आम
   (iii) केला (iv) नीम
2. (i) मेमना (ii) पिल्ला
   (iii) शावक (iv) चूजा

पाठ -3

भोलू भालू और रानी मधुमक्खी

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. भालू का नाम भोलू और मधुमक्खी का नाम रानी था।
2. मधुमक्खी ने शहद देने के बदले भालू से चाहा कि वह फूलों का बगीचा उसे दिखाए।
3. भालू पर मधुमक्खी गुस्सा हुई क्योंकि भालू अपने साथ बहुत सारे फूल तोड़कर ले आया था।

(लिखित)

1. मधुमक्खी ने भालू को इनाम में बहुत सारा शहद दिया।
2. मधुमक्खी फूलों के रस से शहद बनाती है।
3. भालू ने मधुमक्खी को खुश करने के लिए बाग में फूलों के ढ़ेर सारे पौधे लगा दिए।

(ब) 1. गलत 2. सही
3. गलत

(स)

	किसने कहा	**किससे कहा**
1.	भोलू भालू ने	रानी मधुमक्खी से
2.	रानी मधुमक्खी ने	भोलू भालू से
3.	भोलू भालू ने	रानी मधुमक्खी से

(भाषा की समझ)

1.	मधुमक्खी-मधुमक्खियाँ	पत्ती-पत्तियाँ
	रानी-रानियाँ	तितली-तितलियाँ
2.	भालू-रीछ	उपवन-बगीचा
	फूल-पुष्प	पेड़-वृक्ष
	पानी-जल	परिश्रम-मेहनत
3.	अच्छा-बुरा	क्रोध-शांति
	प्रसन्न-अप्रसन्न	इनाम-दंड

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. बस की सीट पर मिली पुस्तक जब मैंने कक्षा में जाकर दी तब सबने मेरी प्रशंसा की थी।
2. मधुमक्खियाँ फूलों के रस से शहद बनाती हैं।
3. किसी की सहायता करने के बाद बहुत अच्छा लगता है।
4. फूल तोड़ने से वे जल्दी ही मुरझा जाते हैं और मधुमक्खियाँ उन फूलों के रस से शहद नहीं बना पाती है।

(आनंद के लिए)

1. अध्यापक के निर्देशक में छात्र स्वयं करें।
2. छात्र स्वयं करें।

पाठ -4

जेम्स वाट ने बनाया इंजन

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. जेम्सवाट ग्रीनॉक रेनफ्रूशायर (स्कॉटलैंड) में रहता था।
2. भाप की शक्ति जेम्स वाट ने अपने घर में अँगीठी पर रखी केतली में देखी।
3. बड़े होकर जेम्स वाट ने भाप के इंजन का आविष्कार किया।

(लिखित)

(अ) 1. जेम्स वाट ने अपने आविष्कार में भाप की शक्ति का प्रयोग किया।
2. बचपन में जेम्स वाट बहुत विचारशील स्वभाव के थे।

3. भाप से चलने वाला सबसे पहला इंजन जेम्स वाट ने बनाया।

(ब) 1. शिक्षित, 2. आँखें,
3. भाप

(स) 1. केतली का 2. बुद-बुद-बुद
3. छोटे-छोटे

(भाषा की समझ)

1. (i) हिलाती है (ii) रखा
(iii) देखा
2. पानी – जल, नीर
माँ – माता, जननी
आँख – नेत्र, नयन
3. तेज बुद्धि, गरम भाप, मंद बुद्धि
4. अंदर-बाहर, बड़ा-छोटा, ठंडा-गरम

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. पंखा, बल्ब, मोटर, बड़ी-बड़ी मशीनें, फ्रीज, टी.वी., ए.सी., स्कूटी, बस, ट्रेन आदि बहुत-सी चीजें बिजली की शक्ति से चलती हैं।
2. छात्र स्वयं करें।

(आनंद के लिए)

1. बारिश होने में भाप का महत्वपूर्ण योगदान होता है। सूरज की गर्मी से धरती का पानी गर्म होकर भाप में बदल जाता है। यह हल्की होने के कारण हवा में उठ जाती है और फिर हवा में ठंडी होकर वापस पानी में बदल जाती है और बूँद के रूप में गिरकर बारिश होती है।
2. छात्र स्वयं करें।

पाठ -5
मेरे दादाजी

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. लड़की अपने दादाजी को बब्बा कहकर बुलाती है।
2. हॉर्न बजने पर रास्ते में से बकरियाँ और गायें हट जाती हैं।
3. जब बारिश होती है, तब दादाजी बाहर जाने का इशारा करते हैं।

(लिखित)

(अ) 1. छोटी लड़की को जब अपने दादाजी पर प्यार आता है, वह उन्हें 'बब्बा' कहती है।
2. जब छोटी लड़की के दादाजी हँसते हैं, तब गुलाबी दीवार और गुलाब-सी गुफा दिखाई देती हैं।
3. मछलियाँ छोटी लड़की और उसके बब्बा को ढूँढ़ती हुई आती हैं।

(ब) 1. समुद्र-तट पर
2. चन्द्रमा पर जाने की बात पर
3. सिर

(स) 1. × 2. ✓
3. ✓

(भाषा की समझ)

1. (i) मैं उन्हें बब्बा बुलाती हूँ।
(ii) हवाएँ सीटी बजाती हैं।
(iii) हम समुद्र तट पर जाते हैं।
2. (i) ऊँची-नीची लहरें मेरे चारों तरफ उठती-गिरती हैं।
(ii) बब्बा क्यों न हम चाँद पर चलें।
(iii) उनके साथ कूदती-फाँदती घर आ जाती हूँ।
3. (i) चाँद-चन्द्रमा, प्यार-लाड़, बाबा-बब्बा
रास्ता-मार्ग, गाय-धेनु, समुद्र-सागर
4. (i) कान, किताब, कीचड़, कुत्ता
कूड़ा, कोना, कौरव,
कृषक, केला, कैमरा

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. हम अपने माता-पिता व बड़ों को प्रणाम करके नित्य कर्म करते हैं।
2. हाँ, लड़की का अपने दादाजी के साथ सुबह टहलने जाना उचित है।

3. हम अपनी माताजी के पिताजी को नानाजी तथा पिताजी के पिताजी को दादा जी कहते हैं।

(आनंद के लिए)

1. दादी, दादाजी, पिताजी, माताजी, भाई

पाठ -6
चिड़िया बन जाऊँ

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. चिड़िया फुदक-फुदक कर चलती है।
2. चिड़िया कुतर-कुतर कर फल खाती है।
3. चिड़िया जंगल, पर्वत और घाटी की सैर करती है।

(लिखित)

(अ) 1. कवि इसलिए चिड़िया बनना चाहता है क्योंकि वह भी स्वतंत्रतापूर्वक आकाश में उड़कर सारे संसार को देखना चाहता है।
2. चिड़ियों का जीवन स्वतंत्र होता है।
3. कवि पूरा संसार देखकर इठलाना चाहता है।

(ब) 1. सुख 2. डोलना
3. चिड़िया के

(स) 1. मैं नभ में उड़कर सुख पाऊँ।
2. कितना स्वतंत्र इनका जीवन।
3. सब जग को देखूँ इठलाऊँ।

(भाषा की समझ)

1. पेड़-तरु, पहाड़-पर्वत, टहनी-डाली
2. (i) कबूतर (ii) गौरेया
(iii) चील (iv) कोयल
(v) बगुला (vi) बया
3. स्त्रीलिंग—चिड़िया, नदी, नाव, कोयल
पुल्लिंग—जंगल, पेड़, फल, पहाड़

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. हम चिड़िया बनकर आकाश में उड़ना चाहते हैं। (छात्र स्वयं भी करें।)
2. छात्र स्वयं करें।
3. मुझे पिंजड़े से बाहर आकाश में उड़ता हुआ पक्षी अच्छा लगता है।

(आनंद के लिए)

1. छात्र अभिभावकों की सहायता से स्वयं करें।
2. छात्र स्वयं करें।

पाठ -7
सारस और किसान

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. सारस ने खेत में अण्डे दिए थे।
2. पहले दिन सारस के बच्चों ने किसान के बारे में बताया कि किसान कह रहा था कि वह गाँव के लोगों से अपनी फसल काटने को कहेगा।
3. अंतिम बार किसान ने खेत पर आकर कहा, "मेरे भाई फसल काटने नहीं आए, ऐसे तो मेरी फसल बर्बाद हो जाएगी। मैं कल सुबह जल्दी आकर फसल को काटूँगा।"

(लिखित)

(अ) 1. सारसों ने भोजन की खोज में जाने से पहले बच्चों से कहा, "अगर हमारी अनुपस्थिति में कोई खेत में आए तो वह क्या कहता है, उसे ध्यान से सुनना और याद रखना।"
2. किसान ने फसल काटने के लिए गाँव वालों और अपने भाइयों से कहा।
3. सारस ने अपने बच्चों को अगले दिन फसल कट जाने का कारण किसान के स्वयं फसल काटने आने के लिए कहना बताया क्योंकि जो अपना काम स्वयं करता है, उसका कोई काम नहीं रुकता।

(ब) 1. भाइयों से 2. गाँव वालों से
3. बच्चों के साथ

(स) 1. कल फसल अवश्य कट जाएगी।...(4)

2. किसान हमें झूठ-मूठ डराता रहता है। ...(3)
3. सारस ने खेत में अण्डे दिए। ...(1)
4. कल मैं अपने भाइयों से फसल काटने के लिए कहूँगा। ...(2)

(भाषा की समझ)

1. दिन-दिवस, माँ-माता, जल्दी-शीघ्र
   अँधेरा-अँधियारा, ठिकाना-बसेरा,
   स्वार्थी-मतलबी
2. फसल-फसलें, बच्चा-बच्चे, अण्ड-अण्डे
   सारस-सारसों, तितली-तितलियाँ
   गिलहरी-गिलहरियाँ
3. (i) किसान (ii) डॉक्टर/चिकित्सक
4. दिन-रात,
   छोटे-बड़े,
   स्वार्थी-नि:स्वार्थी,
   पास-दूर,
   उपस्थिति-अनुपस्थिति,
   सुबह-शाम

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. मैं अपना होमवर्क पूरा करने में अपनी माताजी-पिताजी और बड़े-भाई, बहन की सहायता लेती/लेता हूँ।
2. हम सुबह उठना, नित्यकर्म करना, स्वयं तैयार होना, अपना बस्ता लगाना आदि कार्य स्वयं करते हैं।

(आनंद के लिए)

1. सारस एक पक्षी है। यह मछली, धान, बीज, फसल के दाने आदि खाता है। यह दुनिया का सबसे बड़ा उड़ने वाला पक्षी है। इसके पंख मुख्य रूप से भूरे रंग के होते हैं। इसका सिर और गर्दन का ऊपरी हिस्सा लाल होता है। इसके पैर हल्के लाल होते हैं।
2. खेती के काम में आने वाले कुछ मुख्य औजारों में हल, कुदाल, फावड़ा, हँसिया/दरांती, कल्टीवेटर, ट्रैक्टर, पावर टिलर, सीड ड्रिल, स्प्रेयर और हार्वेस्टर आदि हैं।
3. जौ, गन्ना, सरसों, मक्का

पाठ -8
मेढ़क फिर टर्राए

(मौखिक)

1. पाठ में कुल चार जीवित पात्र हैं।
2. कहानी से हमने सीखा कि बारिश के बिना प्राणियों का जीवन सम्भव नहीं हैं। साथ ही हमें जीव-जन्तुओं का भी ध्यान रखना चाहिए।
3. मेढ़क नीलू और नीलम की बात इसलिए मान गए क्योंकि उन्होंने जो हुआ उसके लिए उससे माफी माँगी और अबसे किसी के द्वारा उसे पत्थर न मारने का आश्वासन दिया।

(लिखित)

(अ) 1. गाय ने दूध न देने का यह कारण बताया कि उसे खाने के लिए घास नहीं मिली।
2. बारिश न होने के कारण घास पीली पड़ गई थी।
3. बाहर निकलने पर बच्चे उन्हें पत्थर मारते हैं, इसलिए मेढ़कों ने टर्राना बंद कर दिया था।

(ब) 1. ✓ 2. × 3. ×

(स) 1. बादल 2. पानी 3. घास

(भाषा की समझ)

1. बादल, मेढ़क, सहने, नीलम
2. स्त्रीलिंग—नीलम, गाय, घास, नदी
   पुल्लिंग—नीलू, पत्थर, बादल, मेढ़क
3.

'ढ' वाले शब्द	'ड' वाले शब्द	'ड़' वाले शब्द	'द' वाले शब्द
ढोलक	डुग्गी	सड़क	दाल
ढक्कन	डुबकी	कीचड़	दवाई
ढलान	डाका	पकड़	दूध
ढाबा	डलिया	लड़ाई	दाँत

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. यदि नीलम और नीलू मुझे पूरा विश्वास दिलाते कि कभी भी कोई मुझे चोट नहीं पहुँचाएगा तो मैं भी उनकी बात मानती/मानता।
2. यदि मेढ़क नीलम और नीलू की बात नहीं मानते तो बादल नहीं बरसते और प्राणियों का जीवन खतरे में पड़ जाता। नदी में पानी नहीं बहता जिससे घास सूखी और पीली हो जाती और गाय के खाने लायक नहीं रहती जिससे गाय दूध नहीं देती और नीलम और नीलू को पीने के लिए दूध नहीं मिलता।
3. बच्चों के द्वारा मेढ़कों को पत्थर मारना गलत था क्योंकि मेढ़कों को इससे चोट पहुँचती है और कभी-कभी तो बेचारे मेढ़क मर भी जाते हैं।

(आनंद के लिए)

छात्र स्वयं करें।

पाठ -9

अकड़ू नीम और मधुमक्खियाँ

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. रानी मधुमक्खी छत्ता बनाने के लिए सबसे पहले नीम के पेड़ के पास गई।
2. बरगद के पेड़ ने मधुमक्खी की छत्ता बनाने वाली बात मान ली थी।
3. नीम का पेड़ काटने तीन आदमी आए थे।

(लिखित)

(अ) 1. नीम का पेड़ घना और ऊँचा था, इसी अकड़ में वह बरगद के पेड़ से बात नहीं करता था।

2. नीम ने अपनी डाल पर छत्ता इसलिए नहीं बनाने दिया क्योंकि वह अकड़ू है और उसे मधुमक्खी की भिन-भिन जरा भी नहीं सुहाती।
3. नीम के पेड़ की रक्षा करने के बाद मधुमक्खियों की ओर से रानी मधुमक्खी ने कहा कि "घमण्डी नीम, धन्यवाद बरगद दादा को दो। उनके कहने पर ही हमने तुम्हारी जान बचाई है।"

(ब) 1. नीम का 2. मधुमक्खियों ने 3. बरगद के

(स) 1. सीख 2. सुरक्षित 3. छत्ता

(द) 1. ✓ 2. × 3. ✓

(भाषा की समझ)

1. नीम रो रहा है।
   नीम रोएगा।
   आदमी पेड़ काट रहे हैं।
   आदमी पेड़ काटेंगे।
2. खुशहाली, फसल, कपास, कलश, संदेश, सब
3. घटा – बदली, कम होना
   डाली – शाखा, डालना
   मन – हृदय, चालिस किलो
4. बादल – घन
   फूल – पुष्प
   घर – गृह
   जंगल – वन

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. एक-दूसरे की मदद इसलिए करनी चाहिए क्योंकि इससे कार्य जल्दी और आसान हो जाता है।
2. नीम को अपने ऊँचे होने का बहुत घमण्ड था, इसलिए उसने बरगद की सीख नहीं मानी।
3. मधुमक्खियाँ हमें फूलों के रसों से शहद तैयार करके देती हैं और नीम के पेड़ से हमें दातुन, छाल, पत्तियाँ, छाया और शुद्ध वायु मिलती है।

(आनंद के लिए)

1. घमण्डी का सिर नीचा (कहानी)

चीकू खरगोश को अपनी तेज चाल पर बहुत घमण्ड था। अपनी इस विशेषता के कारण वह सभी को नीचा दिखाता था। एक दिन चीकू ने मिंकू कछुए को धीमी चाल चलते हुए नदी की ओर जाते देखा। वह मिंकू की धीमी चाल को देखकर उसका मजाक उड़ाने लगा। यह देखकर मिंकू को बहुत बुरा लगा। उसने चीकू से ऐसा करने से मना किया। तब चीकू ने कहा यदि तुम मेरे साथ दौड़ की प्रतियोगिता लगाओ तब मैं मानूँगा। मिंकू ने प्रतियोगिता के लिए हाँ कर दी। जंगल के सभी जानवर इस दौड़ प्रतियोगिता को देखने आए। दौड़ शुरू हुई। चीकू बहुत तेज दौड़ा और जल्दी ही सबकी आँखों से ओझल हो गया। वहीं मिंकू अपनी धीमी चाल से चला जा रहा था। बहुत दूर पहुँचने पर चीकू ने पीछे पलटकर देखा तो उसे मिंकू कछुआ दूर-दूर तक दिखाई नहीं दिया। तब चीकू ने एक पेड़ के नीचे रूककर सुस्ताने की सोची और वह एक पेड़ के नीचे लेट गया। थोड़ी ही देर में उसे गहरी नींद आ गई। इधर मिंकू अपनी धीमी चाल से निश्चित स्थान तक पहुँच गया। जब चीकू की आँख खुली तब तक शाम हो चुकी थी। उसे मिंकू कछुआ दूर-दूर तक दिखाई नहीं दिया। यह देखकर वह बहुत खुश हुआ और तेज दौड़ता हुआ निश्चित स्थान की ओर चल पड़ा। जब वहाँ पहुँचा तो उसने मिंकू को वहाँ पहले ही खड़ा पाया। चीकू अपनी हार पर पछता रहा था। उसका सिर शर्म से झुक गया था।

इससे शिक्षा मिलती है कि हमें कभी घमण्ड नहीं करना चाहिए।

2. बरगद, पीपल, केला, आम, नीम

पाठ -10

बस्ता मुसकराया

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. रेयांश को अपने बस्ते के कराहने की आवाज आई।

2. रेयांश की कॉपियों के कागज फटे हुए थे।

3. पुस्तक ने दु:खी होते हुए परेशानी बतायी कि हमारी तो जिल्द ही फट गई है। हम पर जगह-जगह लिखकर हमें गंदा कर दिया है। हमारे पृष्ठ भी फट गए है। हम इधर-उधर पड़ी रहती हैं।

(लिखित)

(अ) 1. रेयांश ने स्कूल से आकर लापरवाही से अपना बस्ता मेज पर पटक दिया।

2. पेंसिल ने अपनी परेशानी बताया कि रेयांश मुझे हिब्बे में नहीं रखता मैं इधर-उधर पड़ी रहती हूँ। मेरी नोक भी कई बार टूट जाती है। बार-बार छिलने से मुझे बहुत दर्द भी होता है।

3. खाने के डिब्बे से अजीब-सी गंध आ रही थी।

(ब) 1. दरवाजे के पीछे से

2. बस्ते को

3. पेंसिल को

(स) 1. × **2.** ×

3. ✓

(द)

किसने कहा	किससे कहा
रूलर ने	सब से
पेंसिल ने	बस्ते से
पुस्तक ने	कॉपी से

(भाषा की समझ)

(अ) 1. गेंद - गेदें
मेज - मेजें
पेंसिल - पेंसिलें
किताब - किताबें

(ब)

स्त्रीलिंग	पुल्लिंग
पुस्तक	बस्ता

रबड़ बॉक्स
पेंसिल रेयांश

(स) 1. से, 2. के, 3. का।

(कल्पना की सोच)

(सोचकर बताओ)

1. अपनी चीजें सँभालकर रखने से चीजें लम्बे समय तक सुरक्षित रहती है और देखने में भी सुंदर लगती हैं।
2. पाठ के प्रारम्भ में मुझे रेयांश का व्यवहार बहुत खराब लगा।
3. इस पाठ से हमें अपनी चीजें सँभालकर रखने की सीख मिलती है।

(आनंद के लिए)

छात्र स्वयं करें।

पाठ -11

पानी की सुनो कहानी

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. कविता में पान की कहानी को कवि ने अजब कहानी बताया है।
2. पानी में गंदगी मिलने से बीमारियाँ फैलती हैं।
3. पानी को गुस्सा आने पर पानी सुनामी लाता है।

(लिखित)

(अ) 1. पानी को बरतन में रखने में वह उस बरतन जैसा ही बन जाता है।
2. पानी भाप बनकर आकाश में उड़ जाता है।
3. ऊँचाई से गिराने पर पानी बिजली बनाता है।

(ब) 1. भूजल 2. प्यास
3. सागर

(स) 1. नदियों में 2. स्वच्छ पानी
3. आसमान में

(भाषा की समझ)

(अ) 1. आप 2. क्या
3. कहाँ से

(ब) 1. भरना भरूँगा भरेंगे
2. चलना चलूँगा चलेंगे
3. डालना डालूँगा डालेंगे

(स) 1. रोटी–रोटियाँ
2. मछली–मछलियाँ
3. कहानी–कहानियाँ
4. बीमारी–बीमारियाँ

(द) 1. अंदर – बाहर
2. जीना – मरना
3. ऊँचा – नीचा

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. नहीं, पानी के बिना प्राणियों का जीवित रहना सम्भव नहीं है।
2. धरती के सबसे बड़े जल भंडार का नाम महासागर है।

(आनंद के लिए)

1. (i) ☹ (ii) ☺
(iii) ☺ (iv) ☺
(v) ☹ (vi) ☹
(vii) ☺ (viii) ☺

(आओ गुनगनाएँ)

छात्र स्वयं करें।

पाठ -12

आओ, इनसे भी कुछ सीखें

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. फूलों से हम प्रतिदिन हँसना सीख सकते हैं।
2. भौंरा हमें प्रतिदिन गाना सिखाता है।
3. सेवा करना हम पृथ्वी से सीख सकते हैं।

(लिखित)

(अ) 1. सूरज की किरण हमें जगना और जगाना सिखाती है।
2. लता और पेड़ों से हम सबको गले लगाना सीख सकते हैं।
3. अंधकार को हटाने का गुण दीपक में है।

(ब) 1. हँसना 2. मिल–जुलकर रहना
3. पृथ्वी से

(स) **1.** किरणों **2.** हवा
3. गाना

(भाषा की समझ)

1.

लड़का	लड़की
भौंरा	तितली
सूरज	किरण
दीपक	लता

2.

लता–लताएँ	डाली–डालियाँ
भौंरा–भौंरे	किरण–किरणें
बच्चा–बच्चे	झोंका–झोंके

3.

दिपक–दीपक	दुध–दूध
अंधकर–अंधकार	कीरण–किरण
भौरा–भौंरा	शीस–शीश

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. सूरज पूरब दिशा में निकलता है।
2. हमें केला, सेब, आम, संतरा आदि फल अच्छे लगते हैं।
3. हाँ, दूध पीना पसंद है क्योंकि दूध से हमें ताकत मिलती है। इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन और खनिज जैसे पोषक तत्व होते हैं।
4. हवा के झोंके ग्रीष्म ऋतु में अच्छे लगते हैं।

(आनंद के लिए)

1. छात्र स्वयं करें।
2. (i) भौंरा (ii) फूल
(iii) धरती (iv) फल
(v) पानी (vi) दीपक
(vii) डाली (viii) दूध
(ix) सूरज
3. छात्र स्वयं करें।

पाठ -13
मनभावना ऋतुएँ

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. सर्दी की ऋतु में दिन छोटे और रातें लम्बी होती है।
2. भाई-बहन के प्रेम से सम्बन्धित प्रमुख त्योहार रक्षा बंधन सावन के महीने में आता है।
3. सर्दी की समाप्ति के बाद हिन्दुओं का प्रमुख त्यौहार होली मनाया जाता है।

(लिखित)

(अ) **1.** गर्मी की ऋतु में आम, केला, सेब आदि फल मिलते हैं।
2. गर्मी की ऋतु में पेड़ के नीचे बैठना अच्छा लगता है।
3. बरसात की ऋतु अच्छी लगने का कारण आकाश में बादल छा जाना और बादलों को देखकर अपने सुंदर पंख फैलाकर मोर का नाच दिखाना है।

(ब) **1.** **बसंत—**रंग-बिरंगे फूल खिलना।
2. **गर्मी—**लम्बी छुट्टियाँ होना।
3. **बरसात—**मोर का नाचना।
4. **सर्दी—**धूप अच्छी लगना।

(स) **1.** × **2.** ✓ **3.** ✓

(द) **1.** वर्षा ऋतु का **2.** मोर

(भाषा की समझ)

(अ) **1.** छात्र-छात्रा
2. बकरी-बकरा
3. अध्यापिका-अध्यापक
4. लड़का-लड़की
5. चौधराइन-चौधरी
6. मोरनी-मोर

(ब) **1.** नदी-नदियाँ **2.** ऋतु-ऋतुएँ
3. रात-रातें **4.** बिजली-बिजलियाँ
5. फसल-फसलें **6.** रजाइ-रजाइयाँ

(द) **1.** तुम कहाँ जा रहे हो?
2. मैं साइकिल चलाने जा रहा हूँ।
3. कितनी सुंदर साइकिल है!

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. मुझे बरसात की ऋतु बहुत पसंद है क्योंकि मुझे बारिश के पानी में भीगना अच्छा लगता है।

2. मुझे होली का त्योहार अच्छा लगता है। (छात्र स्वयं भी उत्तर देने का प्रयास करें।)
3. वर्षा ऋतु में अधिक भीगने से बचना चाहिए। वर्षा के कारण अनेक तरह की जहरीले कीड़ों से भी बचना चाहिए।

(आनंद के लिए)

1. फूल-फूल पर,
झूल-झूल कर,
भौंरे गाते हैं गाना।
डाल-डाल पर,
पात-पात पर,
कोयल का स्वर मस्ताना।
महक-महक कर,
चहक-चहक कर,
हवा यहाँ इठलाली है।
तन खुश होता,
मन खुश होता,
जब बसंत ऋतु आती है।
2. (i) सर्दी (ii) गर्मी
(iii) बरसात (iv) बसंत
3. बसंत ऋतु – मार्च से अप्रैल
ग्रीष्म ऋतु – मई से जून
वर्षा ऋतु – जुलाई और अगस्त
शरद ऋतु – सितम्बर से नवम्बर
हेमन्त ऋतु – नवम्बर और दिसम्बर
शिशिर ऋतु – जनवरी से फरवरी

पाठ -14

चिन्नी, मिन्नी और नई चिड़िया

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. चिन्नी-मिन्नी चुनमुन गौरेया की दो जुड़वा बेटियाँ थीं।
2. मिन्नी ने चिन्नी को अपने पंख खोलकर उड़ती हुई बड़े काले पंखों वाली चिड़िया दिखाई।
3. चिन्नी-मिन्नी पतंग को चिड़िया समझने के कारण खिलाकर हँस पड़ी।

(लिखित)

(अ) 1. चुनमुन ने चिन्नी और मिन्नी को सिखाया था—यदि कोई मुसीबत में हो तो उसकी मदद जरूर करनी चाहिए।
2. चिन्नी-मिन्नी ने पेड़ में फँसी चिड़िया की पूँछ काटकर उसकी मदद की।
3. चुनमुन के वापस आने पर चिन्नी और मिन्नी ने बताया कि उनकी वजह से आज एक चिड़िया आंटी की जान चली गई।

(ब) 1. पतंग 2. पूँछ 3. दाना लेकर

(स) 1. × 2. ✓ 3. ×

(भाषा की समझ)

(अ) 1. चिन्नी, मिन्नी, गौरेया, बबूल, चिड़िया

(ब) 1. ऊँची-नीची 2. काली
3. छोटी

(स) 1. पेड़-पौधे 2. ऊँची-नीची
3. पशु-पक्षी 4. अंदर-बाहर
5. फल-फूल 6. आगे-पीछे

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. हाँ, यह ठीक था क्योंकि उन्होंने उस चिड़िया की मदद करने की कोशिश की।
2. हमारी उदासी का कारण जानकर उसे दूर करने की कोशिश करती है।
3. तो वह उड़ जाती और शायद बच जाती।

(आनंद के लिए)

1. कौआ, मोर, गौरेया, कोयल, तोता
2. छात्र स्वयं करें।

(आओ गुनगुनाएँ)

1. छात्र स्वयं करें।

पाठ -15

जंगल में होली

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. रंग ज्यादा लगने से खरहा (खरगोश) परेशान हो गया।

2. भालू रंग छिपाए फिरता है।
3. ढोल भालू ने बजाया।

(लिखित)

(अ) 1. कालू ऊँटों के साथ हँस रहा था।
2. बंदर ने होली के रंगों को न्यारा बताया है।
3. इस पाठ से हमें मिल-जुल कर प्यार और आनंद से होली का त्योहार मनाने की सीख मिलती है।

(ब) 1. काला 2. होली का
3. मोर

(स) 1. ऊँटों 2. फिर गीतों
3. गदहे

(द) 1. बिना रंग के कैसी होली।
2. सुंदर सूँड़ बनी पिचकारी।
3. भालू ढोल बजाता ढम-ढम।

(भाषा की समझ)

1. ऊपर-नीचे, ज्यादा-कम, छिपाता-दिखता
2. बंदर-बंदरिया, मोर-मोरनी, हाथी-हथिनी
3. पिचकारी-पिचकारियाँ
कोयल-कोयलें
तितली-तितलियाँ

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. हम होली का त्योहार बहुत आनंद और उत्साह के साथ मनाते हैं।
2. मुझे होली पर रंगों से खेलना, पानी भरे गुब्बारे फोड़ना और गुजिया खाना अच्छा लगता है।
3. हम प्राकृतिक रंगों का प्रयोग करके रंगों के हानिकारक प्रभाव से बच सकते हैं।

(आनंद के लिए)

1. पिचकारी, ढोल, तितली, होली, बंदर, मोर, गदहा, हाथी
2. छात्र स्वयं करें।
3. रास्ते में केवल चार काम वाले शब्द आ रहे हैं—चढ़ना → नाचना → हँसना → कूदना। पाँख काम वाले शब्द 'बोलना, बजाना, रँगना, लगाना, बैठना रास्ते से अलग हैं।

पाठ -16

आओ खेलें खेल

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. कियान और प्रियांशी खिड़की से बाहर बारिश देख रहे थे कि बारिश रुकी या नहीं।
2. लगातार बारिश होने के कारण बच्चों ने कम्प्यूटर पर कुछ खेलने की सोची।
3. "मेरे साथ भी खेलकर देखो।"—यह कैरम बोर्ड ने कहा।

(लिखित)

(अ) 1. अलमारी के पीछे से कैरमबोर्ड की आवाज सुनाई दी।
2. कैरमबोर्ड पर लाल गोटी को सभी गोटियों के बीच में रखा जाता है।
3. यदि स्ट्राइकर ही थोली में चला जाए तो जीती हुई गोटियों में से एक गोटी वापस बोर्ड पर उस खिलाड़ी को रखनी होती है जिसने स्ट्राइकर को थैली में पहुँचाया था।

(ब) 1. चौकी पर 2. गोटियों का डिब्बा
3. पाँच

(स) 1. ✓ 2. ×
3. ✓

(भाषा की समझ)

(अ) 1. गोटियाँ—कियान ने गोटियाँ कैरमबोर्ड पर रखीं।
2. स्ट्राइकर—स्ट्राइकर गोटियों से बड़ा होता है।
3. प्रारम्भ—प्रारम्भ में बच्चों ने कम्प्यूटर पर गेम खेलने के बारे में सोचा।

(ब) 1. छुट्टी 2. कंप्यूटर
3. गोटियाँ 4. स्ट्राइकर

(स) 1. खिलाड़ी 2. किसान
3. विद्यार्थी

(द) 1. गोटी-गोटियाँ 2. रानी-रानियाँ
3. थैली-थैलियाँ

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. हाँ, मैंने कैरम का खेल खेला है। मुझे यह खेल बहुत अच्छा लगता है।
2. कैरम, शतरंज, क्रिकेट, खो-खो आदि खेल खेले हैं। हमें क्रिकेट/खो-खो सबसे अच्छे लगते हैं।
3. खेलने से हम स्वस्थ और फुर्तिले बनते हैं, इसलिए खेलना जरूरी है। खेलने से हमारा शारीरिक और मानसिक विकास होता है। सहयोग की भावना बढ़ती है।

(आनंद के लिए)

1. (i) क्रिकेट (ii) फुटबॉल
   (iii) हॉकी (iv) बैडमिण्टन
   (v) कैरमबोर्ड

पाठ -17
राजकुमारी रत्ना

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. रत्ना के पिताजी जैसलमेर के राजा थे।
2. मलिक काफूर ने यह चाल चली कि उसने अपने एक सैनिक को सोने की कुछ मोहरें देकर किले का फाटक खुलवाने के लिए किले की ओर भेजा।
3. रत्ना को शत्रु के सैनिक ने मोहरों से भरी एक थैली दी।

(लिखित)

(अ) 1. जैसलमेर पर अलाउद्दीन के सेनापति मलिक काफूर ने आक्रमण किया था।
2. शत्रु के सैनिकों के आने की जानकारी रत्ना को किले का फाटक खुलवाने के लिए शत्रु सैनिक का उससे संपर्क करने और मोहरों से भरी थैली देने से हुई।
3. शत्रु के सैनिकों को रत्ना ने किले का फाटक खोलकर सुरंग के रास्ते कैदखाने में ले जाकर कैद किया।

(ब) 1. रात के बाहर बजे
2. कैदखाने में
3. शाबाशी दी

(स) 1. ✓ 2. ×
3. ×

(भाषा की समझ)

(अ) 1. सेना-सेनाएँ
2. घोड़ा-घोड़े
3. योजना-योजनाएँ
4. आवाज-आवाजें
5. चाल-चालें
6. रात-रातें

(ब) 1. गट्ठर टट्टर
2. प्यास प्यादा
3. गत्ता भत्ता

(स) 1. बेटा-बेटी 2. ऊँची-नीची
3. राजा-रानी 4. अंदर-बाहर
5. शेर-शेरनी 6. थैला-थैली

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. गधा रेंकता है।
2. जैसलमेर भारत के राजस्थान में है।
3. यदि हम रत्ना की जगह होते तो यह आवश्यक नहीं है कि हम भी किले का फाटक खुलवाते क्योंकि हम किले के अंदर की स्थिति के अनुसार निर्णय लेते।
4. अब भारत में सर्वोच्च शासक जनता है और जनता द्वारा चुना गया प्रधानमंत्री देश का प्रमुख और राष्ट्रपति संवैधानिक प्रमुख होता है।

(आनंद के लिए)

छात्र स्वयं करें।

❑❑❑

हिन्दी - 3

पाठ -1
जिसने सूरज-चाँद बनाए

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. कविता में सरदी, गरमी, वर्षा, पतझड़ और बसंत ऋतुओं के नाम आए हैं।
2. कवि ने ईश्वर को माता-पिता कहा है क्योंकि उन्होंने सभी को जीवन दिया है।
3. कवि ने कविता में ईश्वर के गुणों को बताया है।

(लिखित)

(अ) **1.** हम अपना सिर ईश्वर के सामने झुकाएँ क्योंकि ईश्वर ही इस संसार के माता-पिता हैं। ये हमें जीवन देते हैं तथा हमारी रक्षा करते हैं।

2. सारे संसार और प्रकृति की रचना ईश्वर ने की है।

3. ईश्वर ने ही संपूर्ण प्रकृति तथा संसार की रचना की है। इसलिए सारा जग ईश्वर के गुण गाता है।

(ब) **1.** (iii) ईश्वर ने,

2. (ii) पतझड़

3. (ii) ये सभी

(स) **1.** जिसने सूरज चाँद बनाए,
जिसने ये तारे चमकाए।

2. झील नदी का जो जल दाता,
सारा जग उसके गुण गाता।

3. हम सब भी उसके गुण गाएँ
आओं, मिलकर शीश नवाएँ

(द) **भावार्थ—**

प्रस्तुत पद्यांश में कवि ईश्वर की प्रशंसा करते हुए कहता है कि ईश्वर ने सभी ऋतुओं को बनाया है। ईश्वर ही क्रम से सरदी-गरमी और वर्षा को भेजकर जल बरसाता है। वही पतझड़ के बाद बसंत में चारों ओर हरियाली फैला देता है। इसलिए सारा संसार उसके गुण गाता है।

(य) **1.** कीट **(iii)** पतंग

2. सूरज **(iv)** चाँद

3. झील **(v)** नदी

4. पशु **(ii)** पक्षी

5. दिन **(i)** रात

(भाषा की समझ)

(अ) **1.** सूरज— सूर्य, रवि

2. चाँद— शशि, चन्द्रमा

3. जग— जगत, संसार

4. पहाड़— पर्वत, गिरि

5. नदी— सरिता, तटिनी

6. दिन— दिवस, वार

(ब) **1.** दिन - रात **2.** गुण - अवगुण

3. ऊँचे - नीचे **4.** सरदी - गरमी

5. जीवन - मरण **6.** पिता -माता

(स) **1.** जिसने सूरज चाँद बनाए।

2. जो दिन करता, रात बनाता।

3. सारा जग उसके गुण गाता।

4. वर्षा आती, जल बरसाती।

5. आओं, हम सब शीश नवाएँ।

6. हरे - भरे ये खेत उगाएँ।

(द) **पहाड़—** रमेश का घर पहाड़ पर बनी एक बस्ती में है।

नदी— गंगा देव नदी है।

खेत— किसान खेत में फसल उगाता है।

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. खेतों को हरा-भरा करने में हमारा परिश्रम और ईश्वर का योगदान है।
2. भोजन बनाने में प्राय: गेहूँ, चावल और दालों का प्रयोग होता है।
3. दिन में सूरज की तेज रोशनी के कारण तारे नहीं दिखाई देते हैं।

4. भारत में छह ऋतुएँ होती हैं।
5. हवा, जल, भोजन ये तीनों वस्तुएँ जीवित रहने के लिए आवश्यक है।

आनंद के लिए

प्रस्तुत चित्र में पहाड़ों से एक झरना बह रहा है। जो मैदानी भाग में आकर नदी का रूप ले लेता है। चारों ओर बहुत सारी हरियाली है। आकाश में पक्षी उड़ रहे है। नदी के पास एक हाथी पानी पीने के लिए खड़ा है। पास ही पेड़ के नीचे एक गाय घास चर रही है।

पाठ -2
अकीरा का घोड़ा

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. यह कहानी जापान देश से संबंधित है।
2. घोड़ा बूढ़ा हो गया इसलिए अकीरा ने घोड़े को निकाल दिया।
3. अन्त में सम्राट ने अकीरा से कहा, "अकीरा, कल तुम बूढे हो जाओगे तो तुम्हारे बाल-बच्चे ही तुम्हारी देखभाल करेंगे। वे तुम्हें भोजन ढूँढने के लिए सड़कों पर नहीं निकाल देंगें इस घोड़े ने तुम्हारी लंबे समय तक इतनी सेवा की और तुमने इसे घर से निकाल दिया"

(लिखित)

(अ) 1. बाजार बन्द होने के कारण पहरेदार को रस्सी नहीं मिली, इसलिए उसने हरी घास की रस्सी बाँधी थी।
2. घोड़े ने घंटी बजाई नहीं बल्कि उसमें बँधी हरी घास की रस्सी को उसके द्वारा चबाए जाने से रस्सी को झटका लगा और घंटी बज गई।
3. सम्राट की बात सुनकर अकीरा का सिर शर्म से झुक गया।

(ब) 1. (iii) फरियादी
2. (ii) अकीरा को,
3. (iv) पहरेदार से

(स) 1. (×)
2. (✓)
3. (✓)
4. (✓)
5. (×)

(द) 1. सम्राट की बात सुनकर अकीरा लज्जित हो गया।
2. सम्राट को अकीरा की बात सुनकर क्रोध आ गया।
3. अकीरा की सेवा घोड़े ने की थी।
4. अकीरा घोड़े को घर ले गया था।

(भाषा की समझ)

(अ) 1. मारा-मारा फिरना— अर्थ -इधर-उधर की ठोकरें खाते फिरना।
वाक्य प्रयोग— बेचारा घोड़ा भोजन की तलाश में मारा-मारा फिर रहा है।
1. सिर शर्म से झुक जाना— अर्थ - शर्मिंदा या लज्जित होना
वाक्य प्रयोग— सम्राट की बात सुनकर अकीरा का सिर शर्म से झुक गया।

(ब) 1. धनी व्यक्ति 2. सुंदर बगीचा,
3. न्यायशील राजा 4. नई रस्सी,
5. लंबी घास, 6. बूढ़ा घोड़ा

(स) 1. अकीरा बोला, "यह बूढ़ा घोड़ा मेरे किसी काम का नहीं है।"
2. एक दिन उसने बूढ़े घोड़े को बगीचे के बाहर खदेड़ दिया।
3. जिस किस व्यक्ति को राजा की सहायता की आवश्यक होती थी, वह रस्सी खींचकर घंटी बजा सकता था।

(कल्पना की उड़ान)

सोचकर बताओ—

1. सम्राट यमातो एक दयालु और न्यायशील शासक था।
2. अकीरा हमारी दृष्टि में एक स्वार्थी रईस व्यक्ति था।
3. घोड़ा सवारी करने, गाड़ी खींचने और बोझा ढोने के कार्यों में उपयोग किया जाता है।

4. हमें पशुओं से अच्छा व्यवहारा करना चाहिए।

आनंद के लिए—

छात्र स्वयं करें।

पाठ -3
समझ आई बात

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. चिंटू को बुलाने के लिए पापा ने कार का हॉर्न बजाया था।
2. चिंटू अपने मोबाइल पर गेम खेलने में व्यस्त होने के कारण दादाजी से नहीं बोला।
3. दादा जी ने विडियो-गेम खेलना छुड़ाने के लिए सबसे पहले स्वयं गेम खेलना सीखा फिर चिंटू से उसके फायदे और नुकसान इंटरनेट से ढूँढ़कर लाने के लिए कहा। नुकसान ढूँढ़ते समय चिंटू सोच में पड़ गया तब दादाजी ने तेज आवाज में विडियो गेम से होने वाली हानियों को पढ़कर सुनाया और चिंटू को चिंतित देखकर उसे हिम्मत बँधाई और उसे बैट-बॉल या बैडमिंटन खेलने के लिए खेल के मैदान में ले गये।

(लिखित)

(अ) 1. चिंटू मोबाइल पर गेम खेल रहा था, इसलिए वह दादाजी के पास नहीं आया।
2. चिंटू ने अपने दादाजी को अपना गेम पार्टनर बनाया।
3. विडियो-गेम खेलने के फायदे कम और नुकसान ज्यादा हैं, इसलिए चिंटू दादाजी के विद्यार्थियों को विडियो-गेम खेलना नहीं सिखाना चाहता था।

(ब) 1. (iv) चिंटू
2. (i) चिंटू
3. प्रिंसिपल

(भाषा की समझ)

(अ) 1. तुरंत — (ii) तत्काल
2. सुबह — (iv) सवेरे
3. तेज — (i) तीव्र
4. इशारा — (iii) संकेत
1. रफ्तार — (iii) गति
2. शाम — (iv) सायं
3. पहले — (i) पूर्व
4. खेल — (ii) गेम

(ब) 1. वह प्रतिदिन स्कूल जाती है।
2. उसने अनेक वीडियो-गेम देखे।
3. शाम को लौटकर उसे बाजार जाना था।
4. तुम्हारी क्या आवश्यकता है?

(स)

नाम वाले शब्द	काम वाले शब्द
1. दादाजी	कह रहे हैं।
2. प्रिंसिपल	रिटायर हुए थे।
3. पापा, चिंटू	आवाज लगाई।
4. माँ	मुस्कराने लगी।

(य) 1. चींटू वीडियो गेम खेलता था।
2. पापा ने चिंटू को क्यों बुलाया था?
3. अरे वाह! आप तो बहुत अच्छा खेलते हो।

(कल्पना की उड़ान)

सोचकर बताओ—

1. दादाजी चींटू को विडियो गेम के हानिकारक प्रभावों को अच्छी तरह से समझाना चाहते थे, इसलिए उन्होंने चिंटू को विडियो-गेम खेलने के लिए सीधे-सीधे मना नहीं किया।
2. यदि मै चिंटू की जगह होता/होती तो विडियो-गेम के नुकसार जानकर उसे खेलना तुरंत बन्द कर देता/देती है।
3. घर पर आए मेहमानों का स्वागत हम उनका अभिवादन करके व उनके साथ समय व्यतीत करके करते है।
4. मोबाइल का उपयोग हम किसी से बात करने, खाली समय में मनोरंजन के लिए या कभी-कभी पढ़ाई के लिए भी करते हैं।

आनंद के लिए—

छात्र स्वयं करें।

पाठ -4

प्राणियों की अनोखी दुनिया

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. कुत्ता, बैल, बिल्ली, घोड़ा
2. मक्खी, चीटी, भौंरा
3. मकड़ी, बिच्छू, ऑक्टोपस

(लिखित)

1. कंगारू— कंगारू दो पैंरो वाला जानवर है। इसके पेट पर एक थैली होती हैं जिसमें यह अपने बच्चे को रखता है।
   यह दो पैरो पर कूद-कूदकर चलता है। लेकिन जब यह धीरे-धीरे चलता है तो झुककर चारा पैरो पर भी चलने लगता है। इसलिए इसे चौपाया भी कहते है।
2. पैर इधर-उधर आने-जाने में सहायक होते हैं।
3. पक्षियों के दो पैर होते हैं।

(ब) **1.** (✓) **2.** (✓)
3. (×) **4.** (×)

(स) **1.** (iv) शून्य से लेकर कई सौ तक
2. (i) समुद्र में
3. (iv) केंचुआ

(द)

आठ पैर वाले जीव	छह पैर वाले जीव	चार पैर वाले जीव	दो पैर वाले जीव
मकड़ी	चींटी	कुत्ता	कबूतर
बिच्छू	मक्खी	बिल्ली	गौरैया
ऑक्टोपस	भौंरा	शेर	कोयल
	तितली	हिरन	कंगारू

भाषा की समझ

(अ) **1.** दो — द्वितीय, द्विगुणित
2. तीन — त्रिनेत्र, त्रिशूल
3. चार — चौतरफा, चौकोर
4. पाँच — पंचानन, पंचामृत

(ब) **1.** शेर — सिंह, केसरी
2. गाय — गौ, धेनु
3. घोड़ा — अश्व, घोटक
4. हाथी — गज, हस्ती

(स) **1.** जंगली, **2.** जलीय (जलचर),
3. मांसाहारी, **4.** निरामिष (शाकाहारी)
5. चतुष्पद (चौपाया)

(द) **1.** अचानक शेर ने हिरन पर छलाँग लगा दी।
2. मछली नदी में तैर रही है।
3. कोयल पेड़ की डाल पर बैठकर कुहू-कुहू गा रही है।

(कल्पना की उड़ान)

सोचकर बताओ—

1. समुद्री तारा (Star fish) के 5 पैर होते हैं।
   घरेलू सेंटीपीड— लगभग 30-32 पैर होते हैं।
   घोड़े की नाल केकड़े— इनके 12-16 पैर होते हैं।
   समुद्री मकड़ी— इसके 10-12 से ज्यादा पैर होते हैं।
   नमकीन झींगा— इनके लगभग 20-22 पैर होते हैं।
2. साँप पेट के बल सरकता है।
3. आँख, हाथ, कान।
4. **लाभदायक—** केंचुआ, भेड़, बकरी, गाय।
   हानिकारक— मकड़ी, साँप, छिपकली, तिलचट्टा।
5. कछुआ, मेंढ़क, मगरमच्छ।

आनंद के लिए—

छात्र स्वयं करें।

पाठ -5

सीखो

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. ऊँचे बनने की बात पर्वत कहता है।

2. नदियों की तरंग हमे अपने मन में नया उत्साह भरना सिखाती है।
3. धरती से हम धैर्य न छोडने की शिक्षा लेते हैं।

(लिखित)

(अ) 1. पर्वत से हमें जीवन में बड़ा और महान बनने की सीख मिलती है।
2. मन में नई उमंग भर लेने की शिक्षा हमें नदी से मिलती है।
3. प्रस्तुत कविता हमें प्रकृति से सीख लेकर महान बनने की प्रेरणा प्रदान करती है।

(ब) भावार्थ—

इन पंक्तियों का भावार्थ है कि जीवन में कैसी भी परेशानी आए, हमें अपना धैर्य नहीं खोना चाहिए, धरती की तरह सभी कठिनाइयों का सामना करना चाहिए। हमें हमेशा सूरज की तरह चमकते हुए अपने तेज से सबके जीवन को प्रकाशित करना चाहिए।

(स) 1. पर्वत कहता शीश उठाकर,
तुम भी ऊँचे बन जाओ।
2. धरती कहती धैर्य ने छोड़ो,
कितना ही हो सिर पर भार।

(द) 1. (×)
2. (✓)
3. (×)
4. (✓)

(य) 1. पर्वत कहता (iii) शीश उठाकर
2. धरती कहती (v) धैर्य न छोड़ो
3. मन में भर लो (ii) नई उमंग
4. नभ कहता है। (iv) आश्रय दो
5. सागर कहता है (i) मन में गहराई लाओ

भाषा की समझ

(अ) स्त्रीलिंग— नदी, धरती, तरंग, प्रकृति
पुल्लिंग— आकाश, सागर, प्रकाश, जल

(ब)

	(क)	(ख)
1.	दु:ख	(iii) सुख
2.	निर्बल	(i) बलशाली
3.	जीवन	(ii) मृत्यु
4.	नई	(v) पुरानी
5.	धरती	(iv) आकाश

(स) 1. पर-पंख, दूसरा
2. जग-संसार, पानी रखने का बर्तन
3. पत्र-पत्ता, चिट्ठी
4. उत्तर-एक दिशा, जवाब

(कल्पना की उड़ान)

सोचकर बताओ—

1. सूरज से हमें प्रकाश और ऊर्जा मिलती है। धरती से हमें कई प्रकार के रत्न खनिज लवण, अन्न, औषधी और भी अनेक चीजें मिलती हैं।
2. यदि लगातार कई दिनों तक सूरज ने निकले तो धरती पर चारों ओर अँधेरा हो जाएगा। सर्दी बढ़ जाएगी। पेड़-पौधे मुरझा जायेंगे और जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो जाएगा।
3. यदि कई वर्षो तक बारिश न हो तो चारों ओर सूखा पड जाएगा। अकाल की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। गर्मी बहुत ज्यादा पड़ेगी। पानी की कमी के कारण न केवल पेड़े-पौधे अपितु जानवर और मनुष्य भी मरने लगेंगे।
4. जीवन में नई उमंग भरने के लिए हम शांत, प्रसन्न और गंभीर रहते हुए धैर्य धारण करेंगे।

आनंद के लिए—

छात्र स्वयं करें।

पाठ - 6
अपराजेय चंदू चैंपियन

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. मुरलीकांत का बचपन का नाम चंदू था।
2. भारत पाक युद्ध में पेटकर को नौ गोलियाँ लगी थी।
3. 50 मीटर की स्टाइल तैराकी प्रतिस्पर्धा में मुरलीकांत को स्वर्ण पदक मिला।

(लिखित)

(अ) 1. मुरलीकांत ने कुश्ती प्रतियोगिता में गाँव

के मुखिया के लड़के को हराकर इनाम जीता था। इस बात पर उसे मुखिया और उसके समर्थक गाँव वालों के गुस्से का सामना करना पड़ा। इस घटना ने मुरलीकांत को गाँव छोड़ने पर विवश किया।

2. मुरलीकांत की बचपन से ही यह जिद थी कि उन्हें खेल में देश के लिए गोल्ड मेडल जीतना है।

3. मुरलीकांत पेटकर ने तैराकी भाला फेंक, शॉटपुट और टेबल टेनिस खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

(ब) **1.** (iv) चंदू चैपिंयन

2. (iii) सन् 1944

3. (ii) सन् 2018 में

(स) **1.** (✓) **2.** (×)

3. (✓) **4.** (×)

(द) **1.** मुरलीकांत ने अपने जीवन का पहला गोल्ड मेडल गाँव में कुश्ती के मुकाबले में जीते एक पैसे के सिक्के को माना था।

2. जंग में लगी नौ गोलियों में से एक गोली रीढ़ की हड्डी में से न निकल पाने के कारण मुरलीकांत घुटनों के नीचे लकवाग्रस्त हो गए थे।

3. बचपन से ही मुरलीकांत को किसी एक खेल में अपने देश का प्रतिनिधत्व करके गोल्ड मेडल जीतने की धुन सवार थी।

भाषा की समझ

(अ) **1.** मुरलीकांत ने सेना में बेहतरीन सेवाएँ दीं।

2. अखाड़े में बलिष्ठ पहलवान खड़ा था।

3. चंदू जीवन में अजेय खिलाड़ी था।

(ब) **1.** जीवन– हमें जीवन की मुश्किलों का सामना धैर्य से करना चाहिए।

2. क्षमता– साहसी व्यक्ति कठिन कार्य करने की क्षमता रखता है।

3. प्रतीक– राष्ट्रीय ध्वज प्रत्येक भारतवासी के लिए गौरव का प्रतीक है।

(स) **1.** उसने, **2.** उन्हें, **3.** आपने।

(कल्पना की उड़ान)

सोचकर बताओ–

1. छात्र स्वयं करें।

2. लक्ष्य पाने के लिए एकाग्रता, निष्ठा, परिश्रम, आलस का त्याग, सजगता, मार्ग में आने वाली बाधाओं से बिना घबराए टकराने का साहस जैसे गुणों की आवश्यकता होती है।

3. भारत को क्रिकेट में पहला विश्वकप जितने वाले कप्तान का नाम कपिल देव है।

4. भारतीय सेना तीन प्रकार की होती है।

1. थल सेना, 2. जल सेना, 3. वायु सेना।

आनंद के लिए–

1. छात्र स्वयं करें।

2.
- नीरज चोपड़– नीरज चोपड़ा का जन्म 24 दिसंबर 1997 में खान्दर में हुआ था।
- नीरज चोपडा ट्रेक और फील्ड एथलीट प्रतिस्पर्धी में भाला फेंकने वाले खिलाड़ी है।
- नीरज ने 87.59 मीटर भाला फेंकने टोक्यो ओलंपिक 2020 में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचा है।
- नीरज विश्व चैम्पियनशिप स्तर पर एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं।
- नीरज चोपड़ा को मार्च 2022, में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति रामनाथ गोविंद द्वारा पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

2. विराट कोहली–

1. विराट कोहली भारतीय क्रिकेटर हैं।
2. विराट कोहली का जन्म 1988 में दिल्ली में हुआ था।
3. विराट कोहली ने अपना पहला टेस्ट मेंच 20 जून, 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था।

4. विराट कोहली 2014 में पहली बार भारत के टेस्ट कप्तान बने थे।
5. विराट कोहली ने 12 मई, 2025 को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया।

पाठ -7
बिंगो ने ली सेल्फी

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. बिंगो सुंदरवन में अपने माता-पिता के साथ रहता था।
2. बिंगों को सेल्फी लेने की बुरी लत पड़ गई थी।
3. डॉक्टर हाथी ने बिंगो की चोट के बारे में बताया कि उसे गहरी चोट लगी है और उसके पैर में फैक्चर हो गया है।

(लिखित)

(अ) 1. जिद करके बिंगे ने माँ से मोबाइल लिया था।
2. सेल्फी लेने की लत बढ़ाने में बिगों के दोस्तों ने सहयोग दिया था।
3. अपनी गलती का एहसास होते ही बिंगों ने सेल्फी की लत को छोडने का संकल्प लिया।

(ब) 1. (iii) जामुन
2. (ii) लोमड़ी ने,
3. (i) डॉक्टर हाथी ने

(स) 1. (×)
2. (×)
3. (✓)
4. (✓)

(द)

	किसने कहा?	किससे कहा?
1.	बिंगो ने	अपनी माँ से
2.	बिंगो की माँ ने	डॉक्टर हाथी से
3.	बिंगो ने	अपनी माँ से

(य) 1. बिंगो को डॉक्टर हाथी की दवा से आराम मिल गया था।
2. बिंगो ने अपनी माँ की बात नहीं मानी।
3. अपनी माँ को रोते-बिलखते देखकर बिंगो को बहुत दु:ख हुआ।
4. अपनी माँ की बात ने मानने का बिंगो की बहुत पछतावा हो रहा था।

(भाषा की समझ)

(अ) 1. लेने के देने पड़ना— अर्थ-लाभ के स्थान पर हानि होना। जान जोखिम में पड़ना।
वाक्य प्रयोग— गाड़ी चलाते समय स्टंट करने के चक्कर में सोहन को लेने के देने पड गए।
2. एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकालना— अनसुनी कर देना।
वाक्य प्रयोग— मोहन अपने माता-पिता की बातें एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल देता है।
3. भूत सवार होना— किसी चीज के प्रति अत्यधिक जुनून या पागलपन होना।
वाक्य प्रयोग— आजकल छोटे-छोटे बच्चों को भी मोबाइल का भूत सवार है।

(ब) 1. बिंगो ऊँचे पेड पर चढ़ गया।
2. उसने खतरनाक जगह पर सेल्फी ली।
3. बिंगो को बुरी आदत पड़ गई थी।
4. वन में सुंदर फूल खिले थे।

(स) 1. माँ, मुझे माफ कर दीजिए।
2. बेटा, इसमे मोबाइल का कोई दोष नहीं है।
3. साथ ही, सेल्फी लेने की लत को छोड़ दिया।

(द) 1. डालें-डाल, चीख-चीखे, नदी-नदियाँ पहाड़ी-पहाड़ियाँ, आँख-आँखे, आदत-आदतें

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. मोबाइल पर गेम खेलना और सेल्फी लेना मुझे अच्छा लगता है।

2. हाँ, मैं मोबाइल फोन के हानिकारक प्रभावों को जानता हूँ।
3. नहीं, खतरनाक जगहों पर सेल्फी लेना उचित नहीं है।
4. सेल्फी लेने के अतिरिक्त मोबाइल पर पढ़ाई की जा सकती है, विडियो देखी जा सकती है, गेम खेले जा सकते हैं, सभी से बातें की जा सकती है और पैसों का लेन-देन आदि बहुत से काम किए जा सकते हैं।

(आनंद के लिए)

गर्मियों के एक दिन जगल में शेर को बहुत जोरों से भूख लगी थी। वह खाने की तलाश में इधर-उधर भटक रहा था। कुछ देर भटकने के बाद उसे एक छोटा-सा खरगोश दिखा। अपने सामने शेर को देखकर खरगोश के तो प्राण ही सूख गए लेकिन शेर ने खरगोश को छोटा समझकर छोड़ दिया। शेर थोड़ा आगे चला ही था कि उसे पेड़ों के झुरमुट में एक बड़ा और शक्तिशाली हाथी दिखाई दिया। शेर ने सोचा यदि मैं इस हाथी पर हमला करने जाऊँगा तो यह मुझे उठाकर पटक देगा जिससे मेरी तो हड्डी-पसली ही टूट जाएगी। यह सोचकर शेर दबे पाँव वापस खरगोश वाले रास्ते पर चल दिया। उसने सोचा-खरगोश छोटा हुआ तो क्या पर उसे खाकर मेरी थोड़ी भूख तो शांत हो जाएगी। परंतु शेर जब तक वहाँ पहुँचा तब-तक खरगोश वहाँ से भाग चुका था। अपनी मूर्खता के कारण शेर बेचारा भूखा ही रह गया।

पाठ - 8
हमारे त्योहार

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. भगवान राम के चौदह वर्ष का वनवास काटकर सीता जी और लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटने की खुशी में दीपावली का त्यौहार मनाया जाता है।
2. ईद मुस्लिम धर्म का त्योहार है।
3. क्रिसमस के बारे में मान्यता है कि इस दिन प्रभु इसा मसीह का जन्म हुआ था।

(लिखित)

(अ) 1. बैशाखी का त्योहार अप्रैल के महीने में मनाया जाता है।
2. त्योहार त्योहारों से हमारी संस्कृति की पहचान होती है। ये हमारे जीवन में नवीन उत्साह भरते हैं।
3. मुस्लिम लोग रमजान के महीने में रोजे रखते हैं।

(ब) 1. (×)
2. (✓)
3. (×)
4. (✓)

(स) 1. (iv) लक्ष्मी जी के
2. (iv) बैशाखी पर
3. (iii) चर्च में
4. (iv) चाँद के उदय पर

(द)

(क)	(ख)
1. हिन्दू	(iv) दीपावली
2. सिख	(i) बैशाखी
3. मुस्लिक	(ii) ईद
4. ईसाई	(iii) क्रिसमस

(भाषा की समझ)

(अ) 1. चाँद— चन्द्रमा, शशि, नीरज
2. लक्ष्मी— कमला, रमा, श्री
3. भगवान— ईश्वर, परमात्मा, प्रभु
4. रात्रि— रात, रजनी, निशा

(ब) 1. हमारे जीवन में त्योहारों का बहुत महत्व है।
2. क्रिमसम ईसाईयों का प्रमुख त्योहार है।

(स) 1. त्योहार— त्योहार हमारे जीवन में नया उल्लास भर देते हैं।
2. दीपावली— दीपावली हिन्दुओं का प्रमुख त्योहार है।
3. ईद— ईद मुस्लिम भाइयों का प्रमुख त्योहार है।

4. बैशाखी– बैशाखी पंजाबियों का प्रमुख त्योहार है।

(स) 1. जगमग होना– बहुत सुंदर या चमकीला दिखना
वाक्य प्रयोग – रंग-बिरंगी झालरों से पूरा शहर जगमग हो गया।

3. चार चाँद लगना– किसी चीज की सुंदरता बढ़ना।
वाक्य प्रयोग– बच्चों के डांस ने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिया।

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

(ब) 1. मुझे होली का त्योहार बहुत अच्छा लगता है क्योंकि मुझे रंगों से खेलना बहुत अच्छा लगाता है।

2. हम लोगों के घर जाकर तथा उन्हें मिठाई देकर दीपावली की बधाई देते हैं।

3. अतिशबाजी से प्रदूषण फैलता है, जिससे लोगों को साँस लेने में परेशानी हो सकती है। इसके अलावा आग लगने का खतरा हो सकता है।

4. बैशाखी पर्व के साथ पारंपरिक महत्व की यह बात जुड़ी है कि इस दिन गुरु गोविंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की थी।

(आनंद के लिए)

1. छात्र स्वयं करें।
2. छात्र स्वयं करें।

पाठ - 9

सुमन एक उपवन के

(पाठ की समझ)

(मौखिक)

1. प्रस्तुत कविता में सुमन फूल को कहा गया है।
2. हमें चाँदनी चंद्रमा से मिलती है।
3. प्रस्तुत कविता में माली परमात्मा को कहा गया है।

(लिखित)

(अ) 1. प्रस्तुत कविता के कवि द्वारिक प्रसाद माहेश्वरी है।

2. इस कविता में हमें मिल-जुलकर रहने का संदेश दिया गया है।

3. एक सूत्र में बँधकर गले का हार और माला बनती है।

(ब) 1. (ii) सूरज की किरणों से

2. (iii) मीठा

3. (iv) चाँदनी के

(स) कवि कहता है कि जिस प्रकार फूल काटों के बीच खिलता है उसी प्रकार हम सबने कठिनाइयों व परेशानियों में भी हँसते हुए जीवन जीना सीखा है। फूलों की माला की तरह हमने मिल-जुलकर सबको गले लगाना सीखा है। हम भी फूलों की सुगंध एवं शृंगार की तरह अमीर-गरीब में भेद-भाव नहीं करते क्योंकि हम सब एक ही बगीचे फूलों के समान एक ही धरती के निवासी हैं।

(द)

(क)	(ख)
1. मिट्टी	(iv) जन्म
2. सूर्य	(i) धूप
3. पवन	(ii) झूला
4. चाँद	(iii) चाँदनी
5. गुंजन	(vi) भ्रमर
6. उपवन	(v) शोभा

(भाषा की समझ)

(अ) 1. झूल-झूलकर, रंग-रंग, अलग-अलग, क्यारी-क्यारी, हँस-हँसकर।

2. पवन के-उपवन के, क्यारी-क्यारी-शोभा सारी, गगन के-गुंजन के खिलाती-नहलाती, सबने-हमने, निर्धन के-उपवन के।

(ब)

1.	उपवन	2.	किरण
3.	खींचना	4.	गुंजन
5.	डर	6.	धरती
7.	धूप	8.	पवन
9.	शोभा	10.	सुमन

(स) 1. धरती– धरा, वसुन्धरा
2. सूरज– सूर्य, रवि
3. चाँद– चन्द्रमा, शशि
4. उपवन– बाग, बगीचा

(द) 1. धूप-छाँव
2. सुगंध-दुर्गध
3. एक-अनेक

(कल्पना की उड़ान)

(सोचकर बताओ)

1. कई रंगो के फूल उपवन की शोभा बढ़ाते हैं। उसी प्रकार भिन्न-भिन्न प्रकार के लोग देश की शोभा बढ़ाते है। यहाँ सभी धर्म और जातियों के लोग रहते हैं। सभी की बोली-भाषा, पहनावा और संस्कृति सभी अलग-अलग है। फिर भी सभी देश हित के लिए अपना योगदान देकर देश की शोभा बढ़ाते हैं।
2. इस कथन में देश की तुलना उपवन से और देशवासियों की तुलना फूल से की गई है। जिस प्रकार उपवन में तरह-तरह के फूल पाए जाते हैं। उसी प्रकार देश में विभिन्न धर्म - जाति और संस्कृति के लोग रहते हैं।
3. यह कविता हमें फूलों की सुगंध तथा हार के माध्यम से एकता के भाव का संदेश देती है।

(आनंद के लिए)

1. छात्र स्वयं करें।
2. गुलाब-लाल, गुलाबी, सफेद, पीला
   गुड़हल-लाल,
   गेंदा-पीले, नारंगी और लाल
   सदाबहार-गुलाबी और सफेद
   कनेर-पीला
3.

चंपा	गुलमोहर
गुलाब	मोगरा
कमल	गुड़हल
बेला	कनेर
गेंदा	लिली

❑❑❑

हिन्दी - 4

पाठ -1
नया सवेरा लाएँ
(स्वयं की परख)

(पाठ की समझ)

बोलकर बताओ

1. बालक भारत के बाल-सूर्य हैं।
2. लोगों के मनों को प्रेम रूपी लालिमा (प्रेमभाव) से रँगने के लिए कहा गया है।
3. कविता में अज्ञान के अँधेरे को दूर करने के लिए कहा गया है।
4. बच्चों को हर आँगन में फूल बनकर खिलना है।
5. कविता में नया सवेरा बालक को कहा गया है।

(लिखकर बताओ)

(अ) 1. संसार में नया सवेरा बालक लेकर आएगा।

2. आशय—मन की सभी दिशाओं को हम प्रेम रूपी लालिमा (प्रेमभाव) से भर दें।
3. शीतल और सुगंधित पवन से बच्चे सभी की साँसों को महका सकते हैं।
4. बालकों को दीन-दु:खियों का सहारा बनना चाहिए।
5. बालकों को हर द्वार पर समानता का संदेश ले जाना है।

(ख) भावार्थ—हमें समानता का संदेश लेकर हर घर के दरवाजों तक जाना चाहिए।
हम भारत के नए सूर्य के समान हैं, जो इस संसार में नई शुरूआत करेंगे।

(ग) 1. हमको जगत में नया सवेरा लाना है।

2. हमें सभी के हृदय में प्रेम-लालिमा भरनी है।
3. प्रतिभा की किरणों से अज्ञान का अँधेरा दूर करना है।
4. हमें पक्षी बनकर नए गीत सुनाने हैं।
5. हम शीतल पवन बनकर सभी को सुगन्ध देंगे।

(घ)

(अ)	(ब)
1. बाल सूर्य हैं	सबको दुलराएँ
2. दूर करें	लिए हम
3. शीतल सुरभित	हम भारत के
4. समता का संदेश	अज्ञान अँधेरा
5. ममता से	पवन बने हम

(ङ) 1. छोटे बच्चे ही भारत के बाल-सूर्य हैं। (✓)

2. कवि बनकर बच्चे नया गीत सुनाएँगे। (×)
3. असमानता का संदेश हर द्वार पर पहुँचाना है। (×)
4. हर आँगन में फूल जैसे खिलना है। (✓)
5. दीन-दु:खियों का सहारा बनना चाहिए। (✓)

(भाषा की समझ)

1.

शब्द	विलोम
बाल	वृद्ध
शीतल	उष्ण
सवेश	शाम
अँधेरा	उजाला
प्रेम	घृणा
खिलना	मुरझाना
सुरभित	दुर्गंधित
दु:खी	सुखी
समता	असमता
नया	पुराना

2.

शब्द	पर्यायवाची
सूर्य	रवि
पवन	वायु

जग	संसार
घर	भवन
प्रेम	अनुराग
सुमन	फूल
अँधेरा	तम
पंछी	विहग
नव	नया
जन	व्यक्ति

3. **भारत**—बालक भारत के बाल—सूर्य हैं।
सवेरा—बालक भारत में नया सवेरा लाना चाहते हैं।
लालिमा—बालक सभी के हृदय को प्रेम-लालिमा से भरना चाहते हैं।
प्रतिभा—प्रतिभा की किरणों से अज्ञान का अँधेरा दूर करना हैं।
आँगन—बच्चों को हर आँगन में फूल बनकर खिलना है।

(कल्पना की उड़ान)

1. दिशाएँ चार होती हैं—पूरब, पश्चिम, उत्तर दक्षिण।
2. गर्मियों में गरम पवन चलती है।
3. समाज में समता लाने के लिए सभी के साथ समान व्यवहार, शिक्षा के लिए जागरूकता, भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाना न्याय के लिए काम करना आवश्यक है, जिससे सभी को समान अवसर और सम्मान मिल सके।
4. अज्ञान का अँधेरा दूर करने के लिए हम लोगों को शिक्षित कर सकते हैं।
इसके लिए शिक्षा का प्रचार-प्रसार करेंगे और सबके लिए अनिवार्य व नि:शुल्क शिक्षा की व्यवस्था करेंगे।
5. छात्र अपनी समझ से स्वयं उत्तर दें।
6. छात्र स्वयं करें।

पाठ -2
फलों का मूल्य
(स्वयं की परख)

(पाठ की समझ)

(बोलकर बताओ)

1. इलाइजा से टकराने के कारण फलवाली लड़की के फल गिर गए।

2. फलवाली लड़की अपने बीमार पिता की दवाई खरीदने के लिए फल बेचती थी।
3. इलाइजा के टकराने से फलवाली लड़की के सारे फल गिरकर खराब हो गये थे, जिन्हें देखकर वह रोने लगी। उसे रोता देखकर इलाइजा का भाई दु:खी हो गया।
4. इलाइजा का भाई अपनी माँ से उन सभी खराब फलों को मूल्य दिलवाकर फलवाली लड़की की सहायता करना चाहता था।
5. इलाइजा की माँ ने फलवाली लड़की के फलों के पैसे दिए और उसके पिता के लिए दवा तथा दूध का प्रबंध करके उसकी मद्द की।

(लिखकर बताओ)

(क) 1. इलाइजा स्वभाव से बड़ी चंचल थी तथा उसका भाई गंभीर और दयालु था।
2. फल बिखरने पर लड़की इसलिए रोने लगी, क्योंकि उसके सारे फल गिरकर खराब हो गए थे। उसे डर था कि माँ की डाँट पड़ेगी।
3. भाई की दयालुता और त्याग को देखकर इलाइजा ने अपना दोष स्वीकार कर लिया।
4. इलाइजा की माँ अपने पुत्र और पुत्री को लेकर फलवाली लड़की के घर गई।
5. इलाइजा का भाई बड़ा होकर फ्रांस का महान योद्धा नेपोलियन बोनापार्ट के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

(ख)

किसने कहा	किससे कहा
(1) फलवाली लड़की ने	इलाइजा की माँ से
(2) इलाइजा की माँ ने	इलाइजा और उसके भाई से
(3) इलाइजा के भाई ने	फलवाली लड़की से

(ग) 1. इलाइजा बहुत ही गंभीर ओर दयालु थी। (×)
2. माँ ने दोनों बच्चों के जेब-खर्च के पैसों से क्षतिपूर्ति की। (×)
3. फलवाली लड़की के पिता बीमार थे। (✓)
4. माँ के सामने इलाइजा ने अपनी गलती मान ली। (✓)
5. इलाइजा का भाई बड़ा होकर फ्रांस का सम्राट और वीर योद्धा बना। (✓)

(घ) 1. पहले उसके फल टोकरी में रख देते हैं।
2. यह देखकर इलाइजा के होश उड़ गए।
3. हमारी लापरवाही से इसका नुकसान हो गया।
4. माँ दूसरों के घरों में काम करती है।
5. मेरे पिता बहुत बीमार हैं।

(ङ) 1. (स) फलवाली से
2. (द) बगीचे में
3. (ब) गंभीर व दयालु
4. (अ) कोर्सिका की

(भाषा की समझ)

1. (क) दु:खी होना।
वाक्य प्रयोग—अपने मित्र की जुदाई में उसकी आँखें भर आई।
(ख) अचानक जोर से रोना।
वाक्य प्रयोग—परीक्षा परिणाम देखते ही वह फफक पड़ा।
(ग) घबरा जाना।
वाक्य प्रयोग—परीक्षा के कठिन प्रश्न पत्र को देखकर मेरे होश उड़ गए।

2. 1. जो गाँव में रहता है—ग्रामीण।
2. बगीचे की देखभाल करने वाला—माली
3. जिसके पास धन न हो—निर्धन।

3. व्यक्तिवाचक — इलाइजा
भाववाचक — भाईघर
जातिवाचक — भाई, घर

4.

शब्द	लिंग परिवर्तन
भाई	बहन
लड़की	लड़की
माता	पिता
पुत्र	पुत्री
टोकरी	टोकरा
माली	मालिन

(कल्पना की उड़ान)

1. इलाइजा के भाई ने जो किया उससे हम पूरी तरह से सहमत हैं क्योंकि हमारे द्वारा हुए नुकसान की भरपाई हमें ही करनी चाहिए।
2. यदि हम इलाइजा के भाई की जगह होते, तो हम भी इलाइजा के भाई की तरह ही फलों का मूल्य अपने जेब खर्च से ही चुकाते क्योंकि हमारी गलती की वजह से ही सभी फल खराब हो गए थे।
3. छात्र अपनी समझ के अनुसार उत्तर दें।
4. हम इलाइजा से सहमत हैं, क्योंकि इलाइजा ने अपने भाई की दयालुता और त्याग को देखकर अपनी गलती का एहसास किया। यही कारण है कि उसने अपनी गलती को सुधार लिया।
5. **फलों के नाम**

अमरूद	सेब
अनार	केला
अंगूर	आड़ू
अंजीर	बेर
नारंगी	लीची

पाठ -3
आँखें हैं अनमोल
(स्वयं की परख)

(पाठ की समझ)

(बोलकर बताओ)

1. रिया जब सुबह उठी तो उसे अपनी आँखों में कुछ दर्द महसूस हुआ।

2. कक्षाध्यापिका ने रिया से पूछा कि "तुम्हारी आँखें इतनी लाल क्यों हो रही हैं, कहीं चोट तो नहीं लगी है?"
3. रिया की आँखें लाल हो रही थीं।
4. आँखों के डॉक्टर ने रिया को समझाया कि आज तुम्हारी आँखों का जो हाल है, वह खाने–पीने की गलत आदतों के कारण है।
5. पाठ के अनुसार शरीर का सबसे अनमोल अंग आँख है।

(लिखकर बताओ)

(क) 1. रिया को मैगी, चाऊमीन, पिज्जा, बर्गर, चॉकलेट, समोसे तथा मोमोज आदि चीजें पसंद थीं।
2. रिया को दाल, चावल, रोटी, दूध, दही, हरी सब्जियाँ और फल खाने में पसंद नही थे।
3. डॉक्टर ने रिया को हरी सब्जियाँ, फल, दूध, दही आदि चीजें खाने की सलाह दी।
4. डॉक्टर के समझाने पर रिया ने तय किया कि वह अब हरी सब्जियाँ, फल, दूध, दही आदि चीजें खएगी। कुर्सी पर सीधे बैठकर पढ़ेगी। टी.बी. और मोबाइल से दूर रहेगी।
5. रिया की समझदारी भरी बातें सुनकर उसके माता-पिता खुश हो गए थे।

(ख) 1. मैं बाहर की नुकसानदायक चीजें नहीं खाऊँगी।
2. रिया बिस्तर पर लेटकर पुस्तकें पढ़ती थी।
3. रिया को आँखों में दर्द महसूस हो रहा था।
4. डॉक्टर को धन्यवाद देते हुए वापस घर आ गए।
5. रिया अपनी आँखों पर चश्मा नहीं लगाना चाहती थी।

(ग) 1. रिया को आँखों में पानी के छीटे मार यह पर राहत् महसूस हुई। (✓)
2. रिया दूध, दही सब्जियाँ फल आदि खाती थी। (×)
3. टी.बी. को नजदीक से देखना चाहिए। (×)
4. कॉपी किताब को लगभग 12 इंच की दूरी पर रखना चाहिए। (✓)
5. रिया ने डॉक्टर अंकल की कोई भी बात नहीं मानी। (×)

(घ)

किसने कहा	किससे कहा
(1) रिया ने	डॉक्टर से
(2) डॉक्टर ने	रिया से
(3) रिया की माँ ने	डॉक्टर से

(ङ) 1. (अ) बाजार की चीजें खाने की
2. (ब) विटामिन A
3. (स) विटामिन ए
4. (द) गलत आदतें

(भाषा की समझ)

1. (क) विद्यालय (ख) अध्यापिका
(ग) अनमोल (घ) पौष्टिक
2. (क) मैं चश्मा नहीं लगाना चाहती हूँ।
(ख) रिया, तुम कहाँ बैठकर पढ़ती हो?
(ग) डॉक्टर अंकल! मैं बाहर की नुकसानदायक चीजें नहीं खाऊँगी।
(घ) तुम हरी सब्जियाँ, फल, दाल, दूध दही आदि लिया करो।
3. (क) गलत – गलती
(ख) हिम्मत – हिम्मती
(ग) अधिकार – अधिकारी
(घ) दोष – दोषी

(कल्पना की उड़ान)

1. शरीर के सभी अंगों की देखभाल करना जरूरी है, क्योंकि इससे हमारा शरीर स्वस्थ रहता है। स्वस्थ रहने के लिए शरीर के अंगों की सफाई रखना और स्वस्थ आदतें अपनाना जरूरी है। इससे हम सभी बीमरियों से बच सकते हैं।

2. आँखों को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन–ए लेना चाहिए और इस विटामिन की आपूर्ति के लिए गाजर, शकरकंद, पालक, कद्दू और लाल शिमला मिर्च जैसी हरी और नारंगी सब्जियाँ खानी चाहिए।
3. आँखें अनमोल हैं, क्योंकि वो हमें दुनिया को देखने, समझने और अनुभव करने की क्षमता प्रदान करती हैं, जिससे हम अपने जीवन को रंगीन और सार्थक बना पाते हैं। दृष्टिहीन होने पर शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की परेशानियाँ आती हैं। दिखाई न देने के कारण लोग अकेलेपन, चिंता और डर की भावनाओं का शिकार हो सकते हैं।
4. यदि मनुष्य की आँखे नहीं होती, तो दुनिया को देखने और समझने में परेशानी होती। बिना आँखों के जीवन खुद पर बोझ-सा लगता। हमारी जिंदगी में कोई भी रंग न होकर केवल अँधेरा ही होता।
5. वार्तालाप (संवाद)

रमेश—मित्र! हमें स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाना चाहिए।

विकास—सही कहा मित्र! बिल्कुल, साफ सुथरा वातावरण न केवल सुन्दर दिखता है, बल्कि बेहतर स्वास्थ्य और तंदरूस्ती में भी योगदान देता है।

रमेश—स्वच्छता अभियान में हम कैसे सहयोग कर सकते हैं?

विकास—स्वच्छता के लिए हम अपने आस-पास के क्षेत्र को साफ-सुथरा और स्वच्छ करके स्वच्छता अभियान में सहयोग कर सकते हैं।

रमेश—स्वच्छता के लिए हम क्या-क्या कर सकते हैं?

विकास—स्वच्छता के लिए हम लोगों को उसके महत्व के बारे में बता सकते हैं।

रमेश—स्वच्छता के लिए विद्यार्थियों को क्या-क्या प्रयास करने चाहिए।

विकास—स्वच्छता के लिए विद्यार्थियों को स्वयं के शरीर की सफाई और अपने आस-पास सफाई रखनी चाहिए।

6. (1) स्विच बोर्ड, (2) डॉ॰ की कलाई का रंग, (3) फ्रॉक का रंग, (4) कमीज का रंग, (5) साड़ी का रंग, (6) कुण्डल का रंग, (7) लड़की की चोटी, (8) दवाई, (9) पेपर वेट, (10) पेज।

पाठ -4
मिल गई खुशी
(स्वयं की परख)

(पाठ की समझ)

(बोलकर बताओ)

1. विहान कक्षा चार में पढ़ता था।
2. जब रामू अपनी माँ के साथ आया था, तब विहान अपने पटाखों को टोकरी में सजा रहा था।
3. वर्मा अंकल ने दीपावली पर एक नई कार खरीदी थी।
4. वैभव पड़ोस में रहने वाले वर्मा अंकल का बेटा था।
5. विहान में रामू को अपने पास बुलाकर आधे पटाखे और मिठाई दी। इसलिए रामू का चेहरा प्रसन्नता में खिल गया।

(लिखकर बताओ)

(क) 1. विहान की मम्मी ने कुछ पटाखे निकालकर रामू को देना चाहा, परन्तु विहान अपने पटाखे की टोकरी लेकर वहाँ से दूसरे कमरे में भाग गया।
2. वैभव ने विहान के साथ बुरा व्यवहार किया था।
3. रामू को देखकर विहान को उसके साथ किए गये अपने व्यवहार पर पछतावा हो रहा था।
4. रामू विहान के घर में काम करने वाली नौकरानी का बेटा था, वह पटाखों के लिए रो रहा था।

5. विहान ने रामू को अपने पास बुलाकर मिठाई का डिब्बा और अपने आधे पटाखे दिए।

(ख) 1. विहान कक्षा चार में पढ़ता था।
2. विहान मिठाई लेकर वर्मा अंकल के घर गया।
3. विहान के विद्यालय में दीपावली की छुटिट्याँ हो गई थीं।
4. वैभव गाड़ी में बिठाने के लिए तैयार नहीं हुआ।
5. विहान को वैभव के व्यवहार से बहुत दु:ख पहुँचा था।

(ग) 1. रामू अपने पठाखे टोकरी में सजा रहा था। (✓)
2. विहान ने अपने आधे पटाखे रामू को दे दिए। (✓)
3. वैभव अपने पिता के साथ कार में घूमने जा रहा था। (✓)
4. वैभव ने विहान को अपने साथ कार में बिठा लिया। (×)
5. विहान की माँ अपने बेटे को दु:खी नहीं देखना चाहती थी। (✓)

(घ)

किसने कहा	किससे कहा
(1) माँ ने	विहान से
(2) वैभव ने	विहान से
(3) विहान के पापा ने	विहान से
(4) विहान ने	रामू से

(ङ) 1. (अ) विहान को
2. (स) बरामदे की सीढ़ियों पर
3. (ब) विहान के
4. (ब) रामू

(भाषा की समझ)

1. 1. हलवाई
2. सदाचारी
3. दुराचारी
4. निडर

2. (क) महसूस — अनुभव
(ख) खुशी — आनन्द
(ग) लक्ष्मी — श्री
(घ) पुकारना — बुलाना
(ङ) इकलौता — एकमात्र
(च) वस्त्र — कपड़ा

3. (क) पड़ोस के वर्मा अंकल के घर जाना है।
(ख) विहान कक्षा चार में पढ़ता है।
(ग) विहान टोकरी में पटाखे सजा रहा है।
(घ) दोनों ने मिलकर पटाखे छुड़ाए।

4. (क) **दीपावली**—दीपावली दीपों का त्योहार है।
(ख) **खुशी**—पटाखे और मिठाई पाकर रामू की खुशी का ठिकाना न रहा।
(ग) **चुपचाप**—विहान चुपचाप अपने बरामदे की सीढ़ियों पर बैठ गया।
(घ) **कॉलोनी**—विहान की कॉलोनी के बच्चे इकट्ठे होकर खेल रहे थे।
(ङ) **पटाखे**—विहान ने आधे पटाखे रामू को दे दिए।

(कल्पना की उड़ान)

1. यदि मैं वैभव के स्थान पर होता तो विहान को अपनी गाड़ी में बिठा लेता।

2. विहान मैरी नजर में जिद्दी लड़का था।

3. दीपावली के त्योहार पर मुझे दीप जलाना और सबसे साथ पटाखे चलाना अच्छा लगता है।

4. हमने किसी गरीब परिवार को मिठाइयाँ व कपड़े दिए तो, मुझे और उस परिवार को बहुत अच्छा लगेगा।

5. छात्र स्वयं बनाएँ।

6. होली हिन्दू धर्म का एक प्रमुख त्योहार है, जो फागुन मास की पूर्मिमा को मनाया जाता है। होली रंगों का त्योहार है। हर घर में पकवान बनाए जाते हैं। इस दिन होलिका दहन होता है। होलिका दहन के दूसरे दिन रंगों से होली खेली जाती है। होली का महत्व हमारे जीवन में खुशियों और मिठास

को जोड़कर एक खास स्थान रखता है। यह एकता, मित्रता और भाईचारे का प्रतीक है। होली का त्योहार हमें "बुराई पर अच्छाई की जीत" का संदेश देता है।

पाठ -5
सुहानी धूप
(स्वयं की परख)

(पाठ की समझ)

(बोलकर बताओ)

1. प्रस्तुत कविता में धूप के विभिन्न रूपों का मनोहर वर्णन किया गया है।
2. बारिश होने पर धूप शरमाई सी होती है।
3. घर में घुसती घूप लजाई सी होती है।
4. शीत ऋतु की धूप अच्छी लगती है।
5. सूर्य उदय होने पर धूप निकलती है।

लिखकर बताओ

(क) 1. धूप के निकलने पर दिन निकल आता है और सभी जीव अपने-अपने कामों में लग जाते हैं।

2. गर्मी की धूप गरम होती है जिससे सभी लोग झुलस जाते हैं। चारों ओर का वातावरण बहुत गर्म हो जाता है। इसके विपरीत सर्दी की धूप सभी को आनन्द देने वाली होती है। सबको ठंड से बचाती है।

3. शाम होते-होते धूप का रूप आलस से भरा हुआ हो जाता है।

4. रात आने से पहले धूप गायब हो जाती है।

5. प्रस्तुत कविता के कवि का नाम विष्णुकांत पाण्डेय है।

(ख)

(अ)	(ब)
शिखर-शिखर	गरमाई धूप
धरती पर	तन झुलसाती
जाड़े में मन	छितराई धूप
तपती रहती	भाई धूप
गरमी में	मुसकाई धूप

(ग) 1. **सुबह**—सुबह जो आई धूप, शिखर-**शिखर** पर मुसकाई धूप।

2. **सूरज** निकला, आई धूप **दिनभर** राम दुहाई धूप।

3. हवा **दवा** है कण-कण चुपके, अपने आप **समाई** धूप।

(घ) 1. सूर्योदय होते ही धूप गायब हो जाती है। (✗)

2. बरसात में धूप शरमा जाती है। (✓)

3. जाड़े की धूप अच्छी लगती है। (✓)

4. गर्मी में धूप का ताप कम हो जाता है। (✗)

5. खुली हवा में घुमने से स्वास्थ्य अच्छा होता है। (✓)

5. **भावार्थ**—धूप घर में प्रवेश करती हुई कहती है—

रास्ते छोड़ दीजिए खिड़कियों को खोल दीजिए, कुछ मत बोलिए, केवल घूमते रहिए।

उस समय हवा एक दवा के समान है, क्योंकि सब तरफ धूप चुपचाप से समाई हुई है।

(भाषा की समझ)

1. **(क)** धूप में बाल सफेद होना
अर्थ—बहुत अनुभवी होनी।
वाक्य प्रयोग—दादा जी ने धूप में बाल सफेद नहीं किए हैं, उन्हें सब कुछ पता है।

(ख) कहीं धूप कहीं छाया
अर्थ—कहीं दु:ख, कहीं सुख।
वाक्य प्रयोग—जीवन में कहीं धूप कहीं छाया चलती रहती है।

(ग) दौड़-धूप करना
अर्थ—कड़ी मेहनत करना।
वाक्य प्रयोग—आज के युग में दौड़-धूप करने से ही कुछ काम बन पाता है।

2. कण-कण शिखर-शिखर डाली-डाली सुबह-सुबह बिखर-बिखर थकी-थकी

3. (क) सूरज – रवि, सूर्य
   (ख) शाम – सांझ, संध्या
   (ग) बारिश – वर्षा, बरसात्
   (घ) वृक्ष – पेड़, तरू
   (ड़) पहाड़ – पर्वत, नग
   (च) फूल – पुष्प, सुमन
4. कर, पर, गरमाई, बोलो, छितराई, सुस्ताई, शरमाई, लजाई, डोलो।

(कल्पना की उड़ान)

1. धूप का हवा और दवा से गहरा संबंध है क्योंकि धूप में हवा हमें शीतलता प्रदान करती है और धूप से हमें विटामिन डी की प्राप्ति होती है जिससे हमारी हड्डियाँ मजबूत होती है।
2. पेड़ों के झुरमुटों, डालों में जाकर धूप इसलिए सुस्ताने लगती है क्योंकि इनके घने पन के कारण धूप का प्रभाव कम हो जाता है और हमें शीतलता मिलती है।
3. यदि दो सप्ताह तक सूर्य न निकले तो चारों तरफ अंधकार छा जायेगा। पेड़-पौधे मुरझा जायेंगे। पृथ्वी पर हर तरह का जीवन खत्म हो जायेगा। पृथ्वी इतनी ठंडी हो जाएगी कि पानी बर्फ बन जाएगा।
4. छात्र कक्षा में आपस में चर्चा करें।
5. बरसात के महीनों में जब धूप नहीं निकलती तो चारों ओर फैला कीचड़ व बरसात का पानी सूख नहीं पाता जिससे मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है और बिमारियाँ फैल जाती हैं।
6. छात्र कविता याद करके कक्षा में सुनाए।
7. (1) सूर्यास्त (2) सूर्योदय (3) रात्रि

पाठ -6
हमारी भी सुनो
(स्वयं की परख)

(पाठ की समझ)

(बोलकर बताओ)

1. यह पाठ साहित्य की एकांकी विधा के अन्तर्गत आता है।
2. हाँ, पेड़ों में भी जान होती है। वे भी साँस लेते और पानी पीते हैं। उन्हें भी भोजन चाहिए। कटने से उन्हें भी कष्ट होता है।
3. वृक्ष तेजी से काटे जा रहे हैं। उनका जीवन संकट में है। इस कारण से वृक्ष चिंतित थे।
4. पेड़ों के कटने से कोयल का साँस लेना मुश्किल होता जा रहा है। अब वह कैसे गा पाएगी। इस कारण से कोयल दु:खी थी।
5. बंदर ने चिंतित होकर कहा– कि यदि वृक्ष नहीं रहें तो हम क्या खाएँगे? कहाँ रहेंगे?

(लिखकर बताओ)

(क) 1. पेड़ पौधे हमारे पर्यावरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ये हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, मिट्टी को बाँधते हैं और जलवायु को नियंत्रित करते हैं। यह वातावरण को शुद्ध रखते हैं। पेड़ वर्षा में सहायक होते हैं।
2. पेड़ काटना मनुष्य के लिए हानिकारक है क्योंकि इससे पर्यावरण जैव विविधता, और मानव जीवन को नुकसान पहुँचता है। मिट्टी का कटाव बढ़ जाता है। पेड़ों के कटने से वर्षा में कमी आ सकती है।
3. बरगद के पास आम, पीपल और नारियल के वृक्ष आते हैं।
4. रूही ने अपने बगीचे में अमरूद, नीबू, गुलाब और चमेली के पेड़-पौधे लगा रखे हैं।
5. हमारे देश में पेड़ों को देवता मानकर पूजा जाता है क्योंकि ये हमें देवताओं की तरह ऑक्सीजन द्वारा जीवन देते हैं। अपने फलों से हमारा पोषण करते हैं। हमें शीतल छाया देते हैं।

(ख) 1. वनों में मनुष्य द्वारा पेड़ **काटे** जा रहे हैं।
2. अब तो हमारा **अस्तित्व** ही खतरे में हैं।
3. अपने आस-पास के वातावरण को **हरा-भरा** रखेंगे।
4. वृक्ष मनुष्य जाति के लिए अपने अंगों का **सहर्ष** दान करते हैं।

5. इन विशाल **जटाओं** ने मानव की न जाने कितनी पीढ़ियाँ देखी हैं।

(ग) 1. वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। (✓)
2. वृक्षों से हमें कुछ भी नहीं मिलता है। (×)
3. हमें वृक्षारोपण के लिए प्रेरित नहीं होना चाहिए। (×)
4. वृक्ष बहुत तेजी से काटे जा रहे हैं। (✓)
5. धूल धुएँ से लोगों का दम घुटा जा रहा है। (✓)

(घ)

(अ)	(ब)
1. बरगद	रहने का स्थान
2. नीम	धुआँ और शोर
3. वाहन	हरा-भरा
4. बंदर	जटाएँ
5. वातावरण	दातुन

(ङ) 1. (स) मोहक का
2. (द) "अ" और "ब" दोनों
3. (अ) बरगद के नीचे
4. (ब) वृक्षारोपण करना

(भाषा की समझ)

(क) स्वार्थ – नि:स्वार्थ
शक्ति – अशान्ति
आशा – निराशा
उपयोगी – अनुपयोगी
शुद्ध – अशुद्ध
हित – अहित

(ख) 1. हम सब मिलकर आपके पास आए हैं।
2. हमें स्वयं वृक्षों के महत्व को जानना चाहिए।
3. हमें स्वच्छ पानी ही पीना चाहिए।
4. हमें ठीक समय पर उठना चाहिए।

(ग) 1. अंकित साइकिल चला रहा है।
2. वनों में मनुष्य पेड़ काट रहे हैं।
3. बच्चे इस मैदान पर तरह-तरह के पेड़ लगा रहे हैं।

(घ) 1. **चिरायु—** तुम सब चिरायु हो।
2. **सहर्ष—** हम वृक्ष मनुष्य जाति के लिए अपने अंगों का सहर्ष दान करते हैं।
3. **समक्ष—** शीघ्र ही मनुष्य के समक्ष गम्भीर संकट की स्थिति खड़ी हो जाएगी।
4. **गहन—** वृक्षों के कटाव से पेड़ों के सामने गहन समस्या आ खड़ी हुई थी।

(कल्पना की उड़ान)

1. **समानताएँ**
- दोनों ही जीवन यापन के लिए पानी पर निर्भर होते हैं।
- दोनों ही पोषण के लिए बढ़ते हैं।
- दोनों को भोजन की आवश्यकता होती है।
- दोनों ही सांस लेते हैं।

विभिन्नताएँ
- पेड़ स्थिर होते हैं, जबकि मनुष्य गति कर सकता है।
- ऊर्जा दोनों को चाहिए।
- मनुष्य अपनी भावनाओं को व्यक्त कर सकता है परन्तु पेड़ में न तो भावनाएँ होती हैं और न ही उन्हें व्यक्त करने की क्षमता होती है।

2. पेड़ों को काटने से वातावरण असंतुलित होता है क्योंकि इससे ऑक्सीजन की कमी आती है, कार्बनडाई ऑक्साइड की मात्रा बढ़ती है, और जल चक्र प्रभावित होता है। मिट्टी का कटाव बढ़ता है। बारिश का अभाव बना रहता है।

3. **नियमित देखभाल के विभिन्न चरण—**
- पौधों को पानी की जरूरत के मुताबिक पानी दें।
- पौधों को सहारा देने के लिए बांस या लकड़ी का इस्तेमाल करें।
- उचित मात्रा में खाद दें।
- पौधों की जरूरतों के मुताबिक थोड़ी धूप या छाया वाली जगह पर रखें।

4. छात्र अपनी समझ के अनुसार उत्तर दें।

6. 17 फल

पाठ -7

अमेय का कमरा

(स्वयं की परख)

(पाठ की समझ)

(बोलकर बताओ)

1. अमेय के दादाजी सेना के अधिकारी पद से रिटायर्ड हुए थे।
2. दादी जी के चार बच्चे थे। तीन लड़के और एक लड़की। एक लड़का इन्दौर रहता थां दो लड़के विदेश में रहते थे और लड़की मुम्बई में रहती थी।
3. अमेय के पिताजी ने दादाजी को अपने पास इसलिए बुलाया था ताकि वे उनकी देखभाल कर सकें।
4. अमेय को अपना कमरा छोड़ना पड़ा था। उसने अपनी चीजें कभी भी किसी के साथ साझा नहीं की थी, इसलिए दादाजी, दादीजी के आने पर अमेय असहज हो गया था।
5. कहानी के अंत में फोन अमेय उठाता है।

(लिखकर बताओ)

(क) 1. अमेय अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। वह बचपन से ही अपने कमरे और चीजों पर पूरी तरह अधिकार रखता था। उसे किसी के साथ अपनी चीजें बाँटने की जरूरत नहीं पड़ी, इकलिए उसमें साझा करने की आदत विकसित नहीं हुई।

2. अमेय के दादाजी ने उसे समाचार पत्र पढ़ना सिखाया।

3. अमेय के दादाजी अमेय के स्कूल प्रोजेक्ट, अंग्रेजी और गणित की पढ़ाई में मदद करते थे। वे उसे कसरत और आत्मरक्षा के तरीके भी सिखाते थे।

4. पहले अमेय कार्नप्लेक्स और सेंडविच खाता था, लेकिन दादीजी के आने के बाद स्वादिष्ट पराठे, सब्जियाँ, मिठाइयाँ, पकौड़े, सलाद और अचार खाने को मिलने लगे।

5. दादाजी के जाने की बात सुनकर अमेय मन ही मन इसलिए खुश हो रहा था, क्योंकि उसे लगा कि उसे अपना कमरा फिर से मिल जायेगा और उसमें अपना सामान फिर से जमा देगा। इनके जाने के बाद वह मनपसंद काम भी कर सकेगा।

(ख) 1. दादीजी बहुत ही **स्वादिष्ट** खाना बनाती थी।

2. दादाजी की उम्र लगभग **साठ** वर्ष की थी।

3. दादाजी-दादीजी का आना अमेय को **बुरा** लगा।

4. अमेय के **दो चाचा** विदेश में रहते थे।

5. दादाजी अब विमला बुआ के पास **मुम्बई** शहर जाना चाहते थे।

(ग) 1. अमेय अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। (✓)

2. दादाजी के आने की बात सुनकर अमेय प्रसन्न हो गया। (×)

3. ऑफिस से लौटते-लौटते माँ बहुत थक जाती थी। (✓)

4. अमेय को दादाजी ने कॉमिक्स पढ़ने की आदत डाल दी। (×)

5. दादाजी अमेय को बहादुरी की कहानियाँ सुनाते थे। (✓)

(घ)

	किसने कहा	किससे कहा
1.	अमेय ने	माँ से
2.	माँ ने	अमेय से
3.	अमेय ने	दादाजी से

(ङ) 1. (अ) दादाजी के साथ

2. (स) आत्मरक्षा के

3. (ब) प्रोजेक्टों में

4. (द) समाचार पत्र

(भाषा की समझ)

1. ड़ - पेड़, झड़ना
   ढ़ - पढ़ना, चढ़ना
2. कर प्रत्यय - पढ़कर, खेलकर, देखकर, सीखकर

3. आँसू – अश्रु पत्थर – प्रस्तर
आठ – अष्ट हाथ – हस्त
छेद – छिद्र पहले – अग्र

4. **समानार्थी शब्द**
कमरा – कक्ष बेटा – पुत्र
माता – जननी इकलौता – एकमात्र
पिता – जनक खाना – भोजन

5. **वाक्य प्रयोग**

1. **बड़बड़ना —** परीक्षा में कम अंक आने पर वह अकेले में बड़बड़ाने लगा।
2. **स्वादिष्ट —** दादीजी के हाथ के बने पराठे बहुत स्वादिष्ट थे।
3. **सूनापन —** दादाजी के जाने के बाद घर में एक अजीब-सा सूनापन महसूस होने लगा।
4. **उदास —** अपने दोस्त के शहर छोड़कर जाने से अमेय बहुत उदास हो गया।

(कल्पना की उड़ान)

1. अमेय जिद्दी और स्वार्थी स्वभाव का लड़का था, क्योंकि वह अपनी चीजें किसी के साथ भी साझा नहीं करता था। दादाजी-दादीजी के आने के बाद वह उनके साथ घुल-मिल गया और उनका स्नेह पाने लगा; जिससे उसमें सकारात्मक बदलाव आया।
2. **उसे अपना घर छोटा लगने लगा**
आशय—पहले जब अमेय के दादाजी-दादीजी आए तो उसे लगा कि उसके घर में जगह कम हो गई है और असहज महसूस करने लगा।
उसे अपना घर बड़ा लगने लगा
आशय— जब अमेय के दादाजी-दादीजी कुछ दिनों लिए अपनी बेटी के यहाँ चले गए थे, तो उसे अपना घर खाली और बड़ा लगने लगा जिससे अमेय को उनके महत्व का एहसास हुआ।
इन वाक्यों के माध्यम से लेखक यह दिखाना चाहते हैं कि घर की सुन्दरता और खुशहाली के पल जगह पर नहीं बल्कि उसमें रहने वाले लोगों पर निर्भर करती है।
3. मुझे अपने दादाजी की अनुशासन प्रिय बातें, कहानियाँ और उनका विनम्र स्वभाव अच्छा लगता है। वे हमेशा नई चीजे सिखाने के लिए तैयार रहते हैं। वे अपने अनुभवों से हमें बहुत कुछ सिखाते हैं।
4. मेरे दादाजी को किताबें पढ़ने का बहुत शौक है और मुझे भी पढ़ने का बहुत शौक है। दादाजी रोज सुबह उठकर योगा करते हैं। दादाजी के ये आदत मैंने भी सीखी है।
5. छात्र अपने अनुभव के अनुसार स्वयं करें।
6. सोफा, मेज, अलमीरा, टी.वी. पलंग ये सभी घरेलू उपयोग की वस्तुएँ हैं।
कुर्सी, मेज, बोर्ड, कॉपी, कलम, डस्टर ये सभी पढ़ाई से सम्बन्धित वस्तुएँ हैं।
गेंद, बल्ला, हॉकी, बैडमिंटन, फुटबॉल ये सभी खेल से सम्बन्धित वस्तुएँ हैं।

पाठ -8
परी और गरीब कुम्हारा
(स्वयं की परख)

(पाठ की समझ)

(बोलकर बताओ)

1. कुम्हार मिट्टी के बरतन बनाकर बाजार में बेचता था और अपने परिवार का गुजारा करता था।
2. कुम्हार के परिवार में उसकी नेत्रहीन माँ और पत्नी थी।
3. घायल चिड़िया वास्तव में एक परी थी।
4. कुम्हार को घायल चिड़िया एक पेड़ के पास मिली थी।
5. कुम्हार की इच्छा थी कि उसकी माँ सोने-चाँदी के बरतनों में अपने पोते-पोते-पोतियों को भोजन करते हुए देखे। उसकी यह इच्छा परी ने पूरी कर दी।

लिखकर बताओं

(क) 1. कुम्हार एक गाँव में रहता था।
2. एक बाज ने चिड़िया पर हमला कर दिया था जिससे वह घायल हो गई थी।

3. कुम्हार ने चिड़िया को अपने घर में रखा क्योंकि यदि वह उसे वहीं छोड़ देता तो वह मर जाती या किसी जानवर का शिकार बन जाती।
4. चिड़िया से बनी परी ने कुम्हार की मदद् के लिए आभार प्रकट किया और उसे एक वरदान माँगने के लिए कहा।
5. कुम्हार ने परी से वरदान माँगा कि उसकी माँ सोने-चाँदी के बरतनों में अपने पोते-पोतियों को भोजन करते देखे।

(ङ) 1. कुम्हार जंगल में नदी किनारे एक पक्के मकान में रहता था। (×)
2. कुम्हार के घर में दो बेटे, एक बेटी, उसकी पत्नी और उसकी माँ रहती थी। (×)
3. एक झाड़ी के अंदर कुम्हार को घायल चिड़िया मिली। (×)
4. कुम्हार परी के वरदान स्वरूप एक सफल व्यापार बन गया। (×)
5. नेत्रहीन माँ की आँखों में रोशनी आ गई थी। (✓)

(ग) 1. आप परी से हमारे लिए **बच्चों** का वरदान माँग लो।
2. परी से कहो कि मेरा **अंधापन** दूर कर दे।
3. कुम्हार अपनी **गरीबी** से परेशान था।
4. परी कुम्हार की **बुद्धिमत्ता** और सूझ-बूझ से बहुत प्रसन्न हुई।
5. तुमने आकर मेरे **प्राणों** की रक्षा की।

	किसने कहा	**किससे कहा**
(घ) 1.	परी ने	कुम्हार से
2.	कुम्हार ने	परी से
3.	परी ने	कुम्हार से
4.	कुम्हार ने	परी से

(ङ) 1. (द) बाज ने 2. (अ) कुम्हार ने
3. (अ) परी को 4. (ब) परी

(भाषा की समझ)

1.	कुम्हार-कुम्हारिन	चिड़िया-चिड़ा
	घोड़ा-घोड़ी	माता-पिता
	पत्नी-पति	हाथी-हथिनी
2.	घड़ा-घड़े	बच्चा-बच्चे
	आँख-आँखें	रुपया-रुपये
	परी-परियाँ	पत्ती-पत्तियाँ
3.	बुद्धिमान-मूर्ख	गरीब-अमीर
	प्रसन्न-दु:खी	अच्छा-बुरा
	वरदान-अभिशाप	मधुर-कड़वा

4. **संज्ञा शब्द—**
कुम्हार, परी, चिड़िया, माँ
5. **सर्वनाम शब्द—**
मैं, तुम, वह, उसकी

(कल्पना की उड़ान)

1. कुम्हार यदि घायल चिड़िया की मदद् नहीं करता था तो कहानी का अंत दु:खद होता क्योंकि परी मर जाती और कुम्हार को कोई वरदान नहीं मिलता। उसकी गरीबी और परेशानियाँ भी रहती।
2. हमें पीड़ितों और असहायों की मदद करनी चाहिए। क्योंकि वह मानवता का सबसे बड़ा धर्म है। किसी जरूरतमंद की मदद् करने से हमें भी सुख और संतोष मिलता है।
3. यदि हमें परी मिल जाए तो उससे यह वरदान माँगना चाहेंगे की धरती पर कोई दु:खी न हो।
4. छात्र उत्तर 3 की तरह अपनी समझ के अनुसार उत्तर दें।
(जैसे— माँ-बाप की लम्बी उम्र, देश की समृद्धि आदि।)
5. हाँ, अगर हम बुद्धिमानी और समझदारी से काम लें, तो मुश्किल से मुश्किल काम भी सम्भव हो सकते हैं।
6. हाँ, मुझे परियों की कहानियाँ पसंद हैं। छात्र स्वयं कोई एक कहानी को कक्षा में सुनायेंगे।

पाठ -9

दोहा पंचक

(स्वयं की परख)

(पाठ की समझ)

(बोलकर बताओ)

1. प्रेम का सम्बन्ध टूटने पर जुड़ता नहीं है और अगर जुड़ भी जाए तो उसमें गाँठ पड़ जाती है।
2. दूसरों को और स्वयं को शांत करने वाली वाणी अच्छी होती है।
3. बुद्धिमान बनने के लिए लगातार अभ्यास करना आवश्यक है।
4. बारिश अधिक होने से जल-भराव हो जाता है, बाढ़ आ जाती है, फसलें सड़-गल जाती हैं और बीमारियाँ फैल जाती हैं।
5. सत्य को ईश्वर का रूप बताया गया है।

(लिखकर बताओ)

(क) 1. हर चीज की अति बुरी होती है। कोई भी चीज जो बहुत ज्यादा है, चाहे वह पैसा, रिश्ते, भावनाएँ और अहंकार हो, वह सिर्फ समस्याओं का कारण बनता है।

2. "सच" सबसे बड़ा तप है और झूठ सबसे बड़ा पाप है।
3. मधुर वाणी बोलने से अनेक लाभ हैं। इससे लोगों के साथ सम्बन्ध मजबूत होते हैं। समाज में सम्मान मिलता है, और लोग हमसे प्रभावित होते हैं।
4. निरन्तर अभ्यास करने से मूर्ख व्यक्ति भी बुद्धिमान बन जाते हैं।
5. "प्रेम सम्बन्ध टूट जाने पर पहले जैसे नहीं रहते"। इस कथन की पुष्टि में प्रेम सम्बन्ध की धागे का उदाहरण दिया गया है। जैसे—धागा टूटने पर जोड़ा जाए, तो उसमें गाँठ पड़ जाती है, वैसे ही प्रेम सम्बन्ध टूटने पर उसमें पहले जैसा विश्वास नहीं रहता।

(ख) 1. रस्सी की रगड़ **पत्थर** पर निशान बन जाते हैं।

2. जिसके मन में सत्य होता है, उसके हृदय में **ईश्वर** रहते हैं।
3. मधुर वाणी सुनने वाले के मन को **शीतलता** देती है।
4. हर काम की **अति** बुरी होती है।
5. टूटे धागे को द्वारा जोड़ने पर **गाँठ** पड़ जाती है।

(ग) 1. सच और झूठ दोनों ही बोलने चाहिए। (×)

2. निरन्तर अभ्यास से बुद्धिमान भी मूर्ख बन जाता है। (×)
3. हमें हमेशा मीठी वाणी बोलनी चाहिए। (✓)
4. प्रत्येक कार्य करने में संतुलन रखना चाहिए। (✓)
5. सम्बन्ध एक बार टूटने पर द्वारा आसानी से जुड़ जाते हैं। (×)

(घ)

	(अ)	(ब)
1.	रसरी	सिल
2.	साँच	तप
3.	झूठ	पाप
4.	मीठी	बानी
5.	धागा	प्रेम

(ङ) 1. करत-करत अभ्यास के,
जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत जात ते,
सिल पर परत निसान॥

भावार्थ— लगातार अभ्यास से मूर्ख व्यक्ति भी ज्ञानी बन सकता है क्योंकि कुएँ में रस्सी के बार-बार आने-जाने से पत्थर पर भी निशान बन जाते हैं।

2. अति का भला न बोलना,
अति की भली न चुप।
अति का भला न बरसना,
अति की भली न धूप॥

भावार्थ— किसी भी चीज की अधिकता हानिकारक होती है। अधिक बोलना झगड़े का कारण बन सकता है, अधिक चुप रहने से समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं, अधिक बारिश से बाढ़ आ सकती है और अधिक धूप से सूखा पड़ सकता है।

(भाषा की समझ)

(क)

अशुद्ध शब्द	शुद्ध रूप
साँच	सच
हिरदय	हृदय
रसरी	रस्सी
बानी	वाणी
सीतल	शीतल
निसान	निशान
औरन	औरों
आपहुँ	आप भी
जुरे	जुड़े
छिटकाय	झटके से
परि	पड़
चूप	चुप्पी

(ख)

विलोम	शब्द
साँच	झूठ
शीतल	गरम
मीठी	खट्टी/कड़वी
सुजान	जड़
भला	बुरा
प्रेम	घृणा
धूप	छाँव
खोना	पाना
टूटना	जुड़ना

(ग) 1. **निसान—** योद्धा ने अपने साहस का निसान छोड़ दिया।

निशान— पत्थर पर भी रस्सी से निशान बन गए।

2. **सिल—** पत्थर की सिल पर पानी गिर रहा था।

शील— विनम्रता और शील व्यक्ति के चरित्र को दर्शाते हैं।

3. **तप—** ऋषि ने कई वर्षों तक तप किया।
4. **ताप—** गर्मी का ताप सहना मुश्किल होता है।

(घ) 1. हमेशा सत्य **बोलना** चाहिए।
2. सुबह से बारिश **हो रही** है।
3. हम प्रतिदिन विद्यालय **जाते** हैं।
4. मेरा दोस्त अभी मेरे पास **आया** है।

(कल्पना की उड़ान)

1. मुझे सबसे अच्छा दोहा "करत-करत अभ्यास के" लगा, क्योंकि यह हमें अभ्यास का महत्व को बताता है।
2. हमको किसी के द्वारा कही गई कड़वी बात बुरी लगती है; क्योंकि यह दिल को ठेस पहुँचाती है।
3. निरन्तर अभ्यास करने से आत्मविश्वास बढ़ता है। कठिन कार्य सरल लगने हैं, और सफलता प्राप्त होती है।
4. हाँ, हर कार्य में अति करना नुकसानदायक होता है। अधिक सोना, अधिक बोलना, अधिक खाना ये सभी हानिकारक होते हैं। संतुलन बनाए रखना जरूरी है।
6. छात्र स्वयं करें।
7. "मधुर वाणी बोलने से लाभ" विषय पर छात्र कक्षा में आपस में चर्चा करें।

पाठ -10

मोबाइल से छुट्टी

(स्वयं की परख)

(पाठ की समझ)

(बोलकर बताओ)

1. गौरव कक्षा चार में पढ़ता था।

2. विद्यालय से वापस आकर गौरव ने अपनी माँ से यह कहा कि माँ! जरा अपना मोबाइल तो देना मुझे, एक मिनट कोई गेम खेल लूँ, फिर वापस देता हूँ।
3. शाम को गौरव के पिता ने उसे इस बात पर डाँटा कि शाम तक वह विद्यालय की गणवेश तक नहीं खोल पाया और मोबाइल गेम देखने में लगा है।
4. विद्यालय के वार्षिकोत्सव में "मोबाइल फोन और आज का बचपन" इस विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई।
5. गौरव ने प्रतियोगिता के विषय पर विपक्ष में भाग लिया और मोबाइल के अधिक प्रयोग के दुष्प्रभावों पर अपने विचार रखे।

(लिखकर बताओ)

(क) 1. माँ ने यह सोचकर गौरव को मोबाइल दिया कि गौरव पढ़ाई में अच्छा है और थका हुआ भी होगा।

2. गौरव मोबाइल पर इतना मग्न हो गया कि उसे शाम हो गई, लेकिन उसे समय का पता ही नहीं चला।

3. पिता ने गौरव को मोबाइल से होने वाली अनेक हानियाँ बताई—

- आँखें खराब हो जाती हैं।
- शारीरिक और मानसिक विकास पर बुरा प्रभाव पड़ता है।
- दोस्ती और सामजिक मेलजोल कम हो जाता है।
- गणितीय कौशल और मौखिक गणना करने की क्षमता कम हो जाती है।

4. गौरव को मोबाइल के प्रयोग से आस-पास अनेक बदलाव महसूस हुए—

- पहले उसके दोस्त मिलजुलकर खेलते थे, लेकिन अब वे मोबाइल में व्यस्त रहने लगे हैं।
- गणित के प्रश्न वह पहले आसानी से हल कर लेता था, लेकिन अब उसे केलकुलेटर की जरूरत पड़ने लगी।

5. गौरव को वार्षिकोत्सव के पुरस्कार "मोबाइल फोन और आज का बचपन" विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता में विपक्ष में प्रभावी तर्क प्रस्तुत करने के लिए मिले।

(ख) 1. गौरव अपने माता-पिता की इकलौती संतान था। (✓)

2. गौरव बहुत ही होशियार और होनहार बालक था। (✓)

3. वार्षिकोत्सव में गौरव ने वाद-विवाद प्रतियोगिता के पक्ष में भाग लिया। (✗)

4. वार्षिकोत्सव में गौरव के विचारों से सब बहुत निराश हो गए थे। (✗)

5. बच्चों के इस बदले-बदले व्यवहार पर सभी खुश थे। (✓)

(ग) 1. माँ मोबाइल देकर **रसोई** के कामों में व्यस्त हो गई।

2. उसके सभी दोस्त **वार्षिक परीक्षा** की तैयारी में जुट गए।

3. वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय था— मोबाइल फोन और आज का **बचपन**।

4. धीरे-धीरे प्रतियोगिता की **तारीख** भी नजदीक आने लगी।

5. शाबाश बेटे! मुझे तुमसे यही **उम्मीद** थी।

(घ)

	किसने कहा	**किससे कहा**
1.	गौरव ने	माँ से कहा
2.	गौरव के पिताजी ने	गौरव से कहा
3.	गौरव के पिताजी ने	गौरव से कहा
4.	गौरव के पिताजी ने	गौरव से कहा

(ङ) 1. (अ) खेल खेलने से

2. (ब) आँखें

3. (स) चार

4. (द) किसी का नहीं

(भाषा की समझ)

1. (क) मैं अपनी माँ के साथ खाना खाऊँगा।
(ख) राहुल कमरे में बैठकर मोबाइल देखेगा।
(ग) सुयश कबड्डी तथा मोहित फुटबॉल खेलेगा।
(घ) मेरी बहिन देवी के मन्दिर में जाएगी।

(ख) विपरीतार्थक शब्द

दोस्त	दुश्मन
अनावश्यक	आवश्यक
आशा	निराशा
खुश	नाखुश
मौखिक	लिखित
पास	दूर
भरा	खाली
पसंद	नापसंद
सही	गलत

(ग) 1. आँखें गढ़ाए रखना— **अर्थ** — ध्यानपूर्वक देखना।
वाक्य प्रयोग— वह पूरी रात किताब में आँखें गढ़ाए बैठा रहा।

2. जी-जान से जुटना — **अर्थ** — पूरी मेहनत से काम करना।
वाक्य प्रयोग— परीक्षा की तैयारी में मोहित जी-जान से जुटा हुआ है।

3. हवाइयाँ उड़ना— **अर्थ** — डर के कारण घबराना।
वाक्य प्रयोग— परीक्षा में कठिन प्रश्न देखकर उसकी हवाइयाँ उड़ गईं।

(कल्पना की उड़ान)

1. मोबाइल का अधिक प्रयोग हमारी दृष्टि में अनुचित है, क्योंकि इससे आँखों की रोशनी यह बुरा प्रभाव डालता है। एकाग्रता कम होती है और शारीरिक गतिविधियाँ भी कम हो जाती हैं।
2. मुझे मोबाइल अधिक देखने पर जब डाँट पड़ी, तो मैंने अपनी गलती स्वीकार की और यह तय किया कि मैं मोबाइल का उपयोग सीमित समय तक ही करूँगा। मैंने पढ़ाई और खेल-कूद पर अधिक ध्यान देना शुरू कर दिया।
3. मुझे क्रिकेट, बैडमिंटन और शतरंज पसंद है। ये खेल मनोरंजक होने के साथ-साथ मानसिक और शारीरिक विकास में भी सहायक होते हैं।
4. मोबाइल का उपयोग हम शिक्षा, मनोरंजन, ऑनलाइन जानकारी प्राप्त करने, दोस्तों और परिवार से बात-चीत करने, ऑनलाइन खरीदारी, वीडियो देखने और खेल खेलने के लिए करते हैं।
5. मैं समझाऊँगा कि मोबाइल गेम्स का अधिक उपयोग उनकी सेहत और पढ़ाई के लिए हानिकारक हो सकता है। मैं उन्हें घर के बाहर खेलने वाले खेल खेलने के लिए प्रेरित करूँगा और उनके साथ मैं भी खेलूँगा। इसके लिए माता-पिता की मदद् से सीमा निर्धारित करूँगा।
6. छात्र वाद-विवाद प्रतियोगिता कक्षा में स्वयं आयोजित करें।
7.

गेंद और बल्ला	क्रिकेट
फुटबॉल	फुटबॉल
हॉकी (स्टीक)	हॉकी
रैकिट और शटलकॉक	बैडमिंटन

पाठ -11

चिड़िया की आँख

(स्वयं की परख)

(पाठ की समझ)

(बोलकर बताओ)

1. हस्तिनापुर में कुरु वंश का शासन था।
2. कौरव-पाण्डवों के गुरु द्रोणाचार्य थे।
3. गुरु द्रोणाचार्य यह जानना चाहते थे कि उनका कौन-सा शिष्य शस्त्र विद्या में सबसे अधिक पारंगत है। इसलिए उन्होंने शिष्यों को परीक्षा लेनी चाही।
4. परीक्षा के लिए गुरुजी ने पेड़ की डाल पर एक नकली चिड़िया लटका दी और शिष्यों को उसकी दाहिनी आँख पर निशाना लगाने को कहा।
5. परीक्षा में अर्जुन उत्तीर्ण हुआ।

(लिखकर बताओ)

(क) **1.** राजकुमारों को परीक्षा देने के लिए आश्रम के उद्यान में बुलाया गया।

2. द्रोणाचार्य ने सबसे पहले निशाना लगाने के लिए युधिष्ठिर को आदेश दिया।

3. युधिष्ठिर को चिड़िया, वृक्ष, खेत, आकाश और अपने भाई दिखाई दे रहे थे।

4. दुर्योधन के उत्तर सुनकर गुरु द्रोणाचार्य के कहा कि उसे भविष्य की अधिक चिंता है, इसलिए वह निशाना न लगाए।

5. अर्जुन की पूर्ण एकाग्रता केवल चिड़िया की आँख पर थी। इसलिए वह चिड़िया की आँख भेदने में सफल हुआ।

(ख) **1.** हस्तिनापुर में पाण्डवों का शासन था। (×)

2. गुरु द्रोणाचार्य ने एक जीवित चिड़िया की आँख भेदने के लिए कहा। (×)

3. अर्जुन को केवल चिड़िया की दायीं आँख दिखाई दे रही थी। (✓)

4. दुर्योधन को चिड़िया के अलावा राजमहल दिखाई दे रहा था। (✓)

5. सबसे अंत में निशाना लगाने भीम आया। (×)

(ग) **1.** गुरुदेव वृक्ष पर लगे **रसीले और मीठे फल** दिखाई दे रहे हैं।

2. मुझे वृक्ष के पीछे **खेत** दिखाई दे रहे हैं।

3. मुझे केवल **चिड़िया की दाहिनी आँख** दिखाई दे रही है।

4. दुर्योधन, इससे पहले मेरे कुछ **प्रश्नों** का उत्तर दो।

5. चिड़िया के अतिरिक्त हस्तिनापुर का **महल** दिखाई दे रहा है।

	किसने कहा	**किससे कहा**
(घ) **1.**	गुरु द्रोणाचार्य ने	युधिष्ठिर से
2.	भीम ने	गुरु द्रोणाचार्य से
3.	गुरु द्रोणाचार्य ने	युधिष्ठिर से
4.	दुर्योधन ने	गुरु द्रोणाचार्य से

(ङ) **1.** (अ) अशस्त्र विद्या

2. (स) परीक्षा लेने का

3. (द) कौरव - पाण्डव

4. (अ) पेड़ की डाल पर

भाषा की समझ

(क) पर्यायवाची शब्द—

शिक्षक — गुरु, आचार्य, अध्यापक

शिष्य — विद्यार्थी, छात्र, अनुयायी

पेड़ — वृक्ष, तरु, पादप

आकाश — नभ, गगन, आसमान

(ख) विलोम शब्द—

दायीं - बायीं समीप - दूर

ऊपर - नीचे बैठना - उठना

उत्साहित - निरुत्साहित

भविष्य - भूत

(ग)

विशेषण	**विशेष्य**
नीला	आकाश
नकली	चिड़िया
दायीं	आँख
रसीले	फल
हरा	वृक्ष

(घ) सर्वनाम शब्द

1. इन्हें, कुछ **2.** आपकी

3. तुम्हें, क्या **4.** मैं

(कल्पना की उड़ान)

1. गुरु द्रोणाचार्य यह देखना चाहते थे कि कौन-सा शिष्य सबसे अधिक एकाग्र और योग्य है, इसलिए उन्होंने परीक्षा लेने की सोची।

2. गुरु द्रोणाचार्य यह जानना चाहते थे कि शिष्य का ध्यान लक्ष्य पर केन्द्रित है या नहीं, इसलिए द्रोणाचार्य ने लक्ष्य भेद से पहले शिष्यों से प्रश्न किए।

3. द्रोणाचार्य अर्जुन के अलावा अन्य शिष्यों को तीर नहीं चलाने देते क्योंकि बाकी शिष्यों का ध्यान भटका हुआ था, केवल अर्जुन की

पूर्ण एकाग्रता चिड़िया की आँख पर थी।

4. छात्र इस प्रश्न का उत्तर अपने अनुभव के अनुसार लिख सकते हैं।
5. किसी काम को करने में मेरा आत्मविश्वास डगमगाता है, तो मैं खुद को प्रोत्साहित करता हूँ, अभ्यास करता हूँ और आत्मविश्वास बढ़ाने का प्रयास करता हूँ।
6. पक्षियों के नाम लिखिए—
(आपके आस-पास दिखने वाले पक्षी)
(i) तोता (ii) कौआ
(iii) मैना (iv) कबूतर
(v) बाज (vi) गौरैया
(vii) हुदहुद (viii) मोर
(ix) उल्लू (x) शुतुर्मुर्ग

पाठ -12
मैं नर्मदा हूँ
(स्वयं की परख)

(पाठ की समझ)

(बोलकर बताओ)

1. यह पाठ साहित्य की आत्मकथा विधा में लिखा गया है।
2. नर्मदा नदी का दूसरा नाम रेवा है।
3. जबलपुर में नर्मदा नदी पर बरगी बाँध बँधा हुआ है।
4. इंदिरा सागर बाँध खंडवा जिले में स्थित है।
5. नर्मदा नदी गुजरात के भड़ौच (भरुच) जिले में विमलेश्वर नामक स्थान पर खंभात की खाड़ी में जाकर गिरती है।

(लिखकर बताओ)

(क) 1. नर्मदा नदी मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले में अमरकंटक पहाड़ पर स्थित नर्मदा कुंड से निकलती है।

2. नर्मदा नदी मध्यप्रदेश के अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, जबलपुर, नरसिंहपुर, रायसेन, होशंगाबाद, खंडवा, धार, बडवान आदि जिलों को हरा-भरा बनाती है।

3. नर्मदा नदी पर बने प्रमुख बाँध हैं—
- बरगी बाँध (जबलपुर मध्य प्रदेश)
- इंदिरा सागर बाँध (पुनामा, खंडवा मध्य प्रदेश)
- सरदार सरोवर बाँध (नवगाँव-गुजरात)

4. **नर्मदा नदी द्वारा बनाए गए प्रसिद्ध प्रपात—**
(i) कपिलधारा (ii) दूधधारा
(iii) धुआँधार (iv) सहस्त्रधारा
(v) धावड़ी

5. धावड़ी कुंड से निकले शिवलिंग प्रसिद्ध हैं।

(ख) 1. अमरकंटक अनूपपुर जिले में स्थित हैं।
2. सरदार सरोवर बाँध गुजरात में स्थित है।
3. धुआँधार प्रपात जबलपुर में तथा सरदार सरोवर बाँध गुजरात के नवगाँव में बनाया गया है।
4. नर्मदा नदी की यात्रा लगभग 2600 किलोमीटर की है।
5. स्कंदपुराण का रेवा खंड पूरा का पूरा नर्मदा को समर्पित है।

(ग) 1. नर्मदा नदी अमरकंटर पहाड़ से निकलती है। (✓)
2. नर्मदा नदी बंगाल की खाड़ से गिरती है। (×)
3. नर्मदा का दूसरा नाम तापी भी है। (×)
4. रिहन्द बाँध नर्मदा नदी पर बनाया गया है। (×)
5. नर्मदा को स्वच्छ रखना सभी का दायित्व है। (✓)

	(अ)	(ब)
(घ) 1.	कपिलधारा	कपिल आश्रम
2.	धुआँधार	जबलपुर
3.	औंकारेश्वर	खंडवा
4.	सरदार सरोवर बाँध	नवगाँव
5.	विमलेश्वर	भड़ौच

(भाषा की समझ)

1. **वचन बदलिए—**

एकवचन	बहुवचन
नदी	नदियाँ

भक्तगण	भक्त
महीना	महीने
पत्थर	पत्थरों
मछली	मछलियाँ
धारा	धाराएँ

2. पर्यायवाची शब्द—

माँ	माता, जननी
जल	पानी, नीर
सागर	समुद्र, जलधि
पिता	तात, जनक
दूध	दुग्ध, क्षीर
सरोवर	तालाब, तड़ाग

3. लिंग बदलिए—

सिंह	सिंहिनी
माँ	पिता
पहाड़	पहाड़ी
नर	नारी
स्त्री	पुरुष
सुत	सुता

4. क्रिया शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए—

बहना— नर्मदा नदी पहाड़ों से बहती हुई समुद्र में मिल जाती है।

रुकना— बरसात के कारण हमारी यात्रा एक दिन के लिए रूक गई।

निकलना— सूरज बादलों के पीछे से निकल आया।

गिरना— तेज हवा से पेड़ की डाल नीचे गिर गई।

(कल्पना की उड़ान)

1. नदियों को जीवन रेखा कहा जाता है, क्योंकि वे जल, सिंचाई, बिजली और यातायात का साधन हैं।
2. नदियों के गंदा होने से जल प्रदूषण बढ़ता है, बीमारियाँ फैलती हैं और जलीय-जीवों को नुकसान होता है।
3. नर्मदा नदी की परिक्रमा श्रद्धालु लोग आध्यात्मिक लाभ और शुद्धि के लिए करते हैं।
4. नदियों को स्वच्छ रखने के लिए हमें उनमें कचरा, गंदगी और प्लास्टिक नहीं डालनी चाहिए।
5. बाँधों से सिंचाई, जल-विद्युत उत्पादन और बाढ़ नियंत्रण में मदद मिलती है।
6. **आत्मकथा**

मेरा नाम **राजेश** है। मेरा जन्म स्थान **भोपाल** है। मेरे पिता का नाम **मोहनलाल** और माता का नाम **सुमित्रा देवी** है। में कक्षा 7 में पढ़ता हूँ। मेरी अध्यापिका का नाम **अंजली मैम** है। मेरा प्रिय खेल क्रिकेट है। मुझे पढ़ाई और संगीत बहुत पसंद है।

पाठ -13
फूल और काँटे
(स्वयं की परख)

(पाठ की समझ)

(बोलकर बताओ)

1. एक ही पौधा फूल और काँटों दोनों को पालता है।
2. प्यार में डूबी तितलियों के पर काँटे कतर देता है।
3. फूल भौरों को अपना रस पिलाते हैं।
4. फूल की सुगन्ध और निराले रंग कली का जी खिला देते हैं।
5. फूल देवताओं के सिर पर शोभित होता है।

(लिखकर बताओ)

(क) 1. प्रस्तुत कविता के रचनाकार "अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध" हैं।

2. समाज में बड़प्पन पाने के लिए अच्छे गुण आवश्यक हैं, न कि श्रेष्ठ कुल। कोई भी व्यक्ति अपने अच्छे व्यवहार, सद्गुणों और कर्मों के द्वारा समाज में सम्मान प्राप्त कर सकता है।

3. एक ही परिस्थिति में पलने-बढ़ने वाले फूल और काँटे के स्वभाव में यह अंतर होता है कि "फूल" कोमल सुगंधित और सबको आकर्षिक करने वाला होता है, जबकि काँटा चुभने वाला और कठोर होता है।
4. काँटे तितलियों और भौरों को नुकसान पहुँचाते हैं, जबकि फूल तितलियों को गोद में लेते हैं और भौरों को मधुर रस पिलाते हैं।
5. कविता में कवि पाठकों को यह संदेश देना चाहते हैं कि परिस्थिति एक जैसी होने के बावजूद व्यक्ति अलग-अलग हो सकते हैं। हमें अपने गुणों को श्रेष्ठ बनाकर समाज में सम्मान प्राप्त करना चाहिए।

(ख) 1. **मेह** उन पर हे बरसता एक-सा, एक-सी उन पर **हवाएँ** हैं वहीं।
2. फूल लेकर तितलियों को **गोद में, भौंर को** अपना अनूठा रस पिला।
3. किस तरह कुल की **बड़ाई काम दे, जो किसी** में हो बड़प्पन की कसर।

(ग) 1. यदि किसी व्यक्ति में अच्छाई नहीं हो तो कुल की अच्छाई उसे सम्मान नहीं दिलाती। (✓)
2. एक जैसी स्थिति में रहकर फूल-काँटों में समानता होती है। (×)
3. काँटे तितलियों के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करते हैं। (×)
4. फूल अपनी खुशबू और रंग से सबको खुश कर देता है। (✓)
5. काँटे देवताओं के सिर पर शोभित होते हैं। (×)

(घ)

(अ)	(ब)
1. हैं जनम लेते जग में एक ही	एक ही पौधा उन्हें पालता है।
2. मेह उन पर बरसता है एक-सा	एक-सी उन पर हवाएँ बही
3. छेदकर काँटा किसी की उँगलियाँ	फाड़ देता है किसी का वर वसन
4. फूल लेकर तितलियों को गोद में	भौर को अपना अनूठा रस पिला।
5. है खटकता एक सबकी आँख में	दूसरा है सोहता सुर-सीस पर

(ङ) इस पंक्ति का भावार्थ यह है कि प्रकृति सभी को एक समान रूप से बारिश, हवा और सूर्य का प्रकाश देती है फिर भी हर व्यक्ति का स्वभाव और आचरण अलग होता है।

(भाषा की समझ)

1. **पर्यायवाची शब्द**
फूल – पुष्प, सुमन, कुसुम
सूर्य – भानु, रवि, दिनकर
चन्द्रमा – शशि, सोम, निशाकर

2. **शब्द शृंखला पूरी करें–**
तितली → लीची → चीता → तारा → रात → तलवार।

3.

एकवचन	बहुवचन
पौधा	पौधे
रात	रातें
हवा	हवाएँ
काँटा	काँटे
उँगली	उँगलियाँ
तितली	तितलियाँ
भौंरा	भौंरे
कली	कलियाँ
आँख	आँखें

4.

विलोम	शब्द
दु:ख	सुख

प्यार	नफरत
रात	दिन
सुन्दर	कुरूप
श्याम	गोरा
देव	दानव

(कल्पना की उड़ान)

1. मैं फूल की भाँति बनना चाहता हूँ, क्योंकि फूल दूसरों को आनन्द, सुगन्ध और शान्ति प्रदान करता है। काँटे सिर्फ चुभते हैं और दर्द देते हैं।
2. बड़प्पन पाने के लिए हमें विनम्र, दयालु, ईमानदार और परोपकारी बनना पड़ता है।
3. पौधे के बढ़ने में प्रकृति के जल, सूर्य का प्रकाश, मिट्टी और हवा आदि तत्वों का योगदान होता है।
4. फूलों के लिए काँटे लाभदायक होते हैं क्योंकि वे उन्हें रक्षा प्रदान करते हैं। काँटे जानवरों और मनुष्यों को दूर रखते हैं, जिससे फूल सुरक्षित रहते हैं।
5. मेरी पसंद के चार फूल हैं– गुलाब, चमेली, सूरजमुखी और कमल।
6. फूलों से इत्र भी बनाया जाता है। इसके लिए खासतौर पर गुलाब, चंपा, चमेली और केवड़ा के फूलों का उपयोग किया जाता है।
7. छात्र स्वयं करें।

पाठ -14

अज्ञ बना विज्ञ

(स्वयं की परख)

(पाठ की समझ)

(बोलकर बताओ)

1. वरदराज महापण्डित भट्टोजि दीक्षित के गुरुकुल में अध्ययन करने गए।
2. वरदराज के गुरु का नाम महापण्डित भट्टोजि दीक्षित था।
3. गुरुकुल से निकलते समय गुरु ने वरदराज से कहा "बेटा वरदराज मैं समझता हूँ कि लिखना-पढ़ना तुम्हारे बस का नहीं है। मैंने बहुत प्रयत्न किया, तुम्हें बहुत समझाया, अलग से भी बहुत पढ़ाया, पर कुछ लाभ नहीं हुआ, इससे यही अच्छा है कि तुम घर जाओ और वहाँ का कामकाज देखो"।
4. रास्ते में कुए की जगत पर पानी खींचने की रस्सी से जगह-जगह पड़े निशान देखकर वरदराज वापस गुरुकुल लौट आया।
5. वरदराज ने "लघु सिद्धांत कौमुदी, सार कौमुदी" ग्रन्थों की रचना की थी।

(लिखकर बताओ)

(क) 1. वरदराज मंदबुद्धि विद्यार्थी था।

2. वरदराज को पढ़ाया हुआ याद नहीं रहता था और वह पढ़ाई में बहुत कमजोर था। गुरुजी ने उसे बहुत प्रयास करके पढ़ाया, लेकिन कोई लाभ नहीं हुआ, जिससे वे निराश हो गए।
3. यह सोचकर वरदराज को अपना भविष्य अंधकारमय दिखाई दे रहा था कि लोग क्या कहेंगे कि पिता तो माना हुआ विद्वान और बेटा निरक्षर। वह घर जाकर पिताजी को क्या मुँह दिखाएगा।
4. गुरुकुल प्रायः नगर के बाहर जंगल में स्थित होते थे।
5. आश्रम में दुबारा लौटते समय वरदराज के साथ आत्मविश्वास और कठिन परिश्रम की दृढ़ता थी।

(ख) 1. वरदराज **मंदबुद्धि** बालक था।

2. कुएँ की जगत में उसने **पत्थर पर रस्सी के निशान** देखे।
3. वरदराज **ब्रह्ममुहूर्त** में उठकर देर रात तक पढ़ता रहता।
4. वरदराज के मन में अचानक **बिजली** सी कौंधी।
5. उसके स्वर में **आत्मविश्वास** की दृढ़ता थी।

(ग) 1. वरदराज के शिष्य का नाम भट्टोजि दीक्षित था। (×)

2. गुरुकुल में प्रवेश के समय वरदराज की आयु अठारह वर्ष थी। (×)

3. गुरु के कहने पर वरदराज भारी मन से आश्रम से विदा हुआ। (×)
4. कुएँ की जगत पर उसने पत्थर पर निशान पड़े देखे। (✓)
5. लगातार परिश्रम करने से असम्भव काम भी सम्भव हो जाता है। (✓)

	(अ)	(ब)
(घ) 1.	गुरुकुल	गुरु
2.	कुआँ	जगत
3.	अज्ञ	विज्ञ
4.	पिता	विद्वान
5.	सारकौमुदी	वरदराज

(ङ) 1. (ब) विद्वानों में 2. (अ) कठिन
3. (ब) संस्कृत व्याकरण की
4. (द) वरदराज ने

(भाषा की समझ)

(क) 1. भूतकाल 2. भविष्यत् काल
3. भूतकाल 4. वर्तमानकाल

(ख) 1. उपकार 2. उपनाम
3. उपवास 4. उपदेश

(ग) 1. बिजली-सी कौंधना - **अर्थ** - अचानक कोई विचार आर जाना।
वाक्य प्रयोग— कुएँ पर रस्सी के निशान देखकर वरदराज के मन में बिजली सी कौंधी।
2. आँखें चुराना - **अर्थ** - किसी से नजरे बचाना।
वाक्य प्रयोग— गलती करने के बाद छात्र ने गुरु जी से आँखें चुरा ली।
3. आँखें खुलना - **अर्थ** - सच्चाई का एहसास होना।
वाक्य प्रयोग— असफलता मिलने के बाद उसकी आँखे खुल गईं।

(घ) 1. **वरदराज—** वरदराज संस्कृत के एक महान विद्वान थे।
2. **गुरुकुल—** प्राचीन समय में, शिक्षा प्राप्त करने के लिए बच्चे गुरुकुल में जाते थे।
3. **विद्वान—** भट्टोजि दीक्षित एक महान विद्वान थे।
4. **मंदबुद्धि—** पहले वरदराज मंदबुद्धि थे, लेकिन मेहनत से वे विद्वान बने।

(कल्पना की उड़ान)

1. वरदराज गुरुकुल से लौटते समय यदि कुएँ पर नहीं जाता, तो वह आत्मविश्वास से नहीं भर पाता और पढ़ाई छोड़कर घर चला जाता निरक्षर रह जाता।
2. यदि गुरुजी वरदराज को दुबारा आश्रम में न रुकने देते, तो वह कभी भी पढ़ नहीं पाता और महान विद्वान नहीं बन पाता।
3. यदि मुझे कोई मंदबुद्धि कहेगा तो मुझे बहुत बुरा लगेगा। मैं उसे अपने परिश्रम से गलत साबित कर दूँगा।
4. मैं प्रतिदिन सुबह और शाम मिलाकर लगभग 4 घण्टे घर पर पढ़ाई करता हूँ।
5. इस कहानी से हमें आत्मविश्वास, कठिन परिश्रम और निरन्तर अभ्यास का महत्व समझ में आता है।
6. छात्र अपने अनुभव कक्षा में साझा कर सकते हैं।
7. कक्षा में शिक्षक की सहायता से इस कहानी का नाट्य मंचन किया जा सकता है।
8. छात्र दिये गए बॉक्स में या अपनी कॉपी में कुटिया का चित्र बना सकते हैं।

पाठ -15

हिमालय दर्शन

(स्वयं की परख)

(पाठ की समझ)

(बोलकर बताओ)

1. प्रस्तुत पाठ की लेखिका बछेन्द्रीपाल हैं।
2. लेखिका ने हिमालय को "पाठशाला" नाम से पुकारा है।
3. जब लेखिका ने स्वयं हिमालय की ऊँचाइयों पर चढ़ाई की, तब उन्होंने उसके बारे में गहराई से जाना।
4. सागरमाथा (माउन्ट एवरेस्ट) पहुँचकर लेखिका ने वहाँ की प्राकृतिक सुन्दरता का आनन्द लिया और अपने साहसिक अभियान की सफलता का अनुभव किया।

5. जब लेखिका ऐवरेस्ट से वापस लौटी, तो उनका भव्य स्वागत हुआ। देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने स्वयं उन्हें बधाई दी और उन्हें सम्मानित किया गया।

(लिखकर बताओ)

(क) 1. लेखिका बछेन्द्री पाल 23 मई 1984 को पहली बार माउंट एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ी थी।

2. पहली बार चोटी पर चढ़ने के बाद लेखिका को अपार खुशी मिली, उन्होंने हिमालय की सुन्दरता को नजदीक से देखा और गर्व महसूस किया।

3. लेखिका ने कुछ लोगों का यति से डरना मनगढंत बताया है क्योंकि उसे पहाड़ों तथा हिमालय पर कभी कोई यति या हिम मानव नहीं मिला।

4. लेखिका ने हिमालय को पाठशाला इसलिए कहा है क्योंकि चाहे जिस मकसद से आप वहाँ जाएँ, जब वहाँ से लौटकर आते हैं, तो नई सोच, नया जीवन और स्वच्छ आत्मा के साथ आते हैं। वहाँ सीखने का कोई अंत नहीं है।

5. हिमालय पर चढ़ते समय बहुत पानी पीना चाहिए क्योंकि वहाँ हवा में नमी कम होती है। जब साँस ले रहे होते हैं तो आप सूखी हवा खींचते हैं और साँस छोड़ते हैं तो भाप निकलती है। नमी निकलने से पानी की कमी हो जाती है। चढ़ाई के दौरान बर्फ देखकर ज्यादा कपड़े पहनने से भी पसीना खूब आता है। पसीने के रूप में पानी निकल जाना भी अच्छा नहीं रहता।

(ख) 1. हिमालय में फूलों की **घाटी** है।

2. वहाँ प्रतिदिन **चार** लीटर से अधिक पानी पीना चाहिए।

3. हिमालय पर जाने का अपना अलग **रोमांच** है।

4. हर किसी को जीवन में एक बार **पहाड़** पर जरूर चढ़ना चाहिए।

5. हनुमान चालीसा **हिमालय** की चोटी पर रखी।

(ग) 1. विश्व की सबसे ऊँची चोटी ऐवरेस्ट है। (✓)

2. लेखिका ने हिमालय पर यति और हिम मानव देखे। (✗)

3. 23 मई 1984 को एवरेस्ट पर बछेन्द्री पाल ने कदम रखा। (✓)

4. बर्फीले पहाड़ों से कई नदियाँ निकलती हैं। (✓)

5. हिमालय की ऊँचाई पर हवा में नमी की मात्रा अधिक होती है। (✗)

(घ) 1. (अ) सागर माथा

2. (द) माँ दुर्गा को

3. (ब) हनुमान चालीस

4. (स) बछेन्द्री पाल को

(भाषा की समझ)

(क) पर्यायवाची शब्द—

1. हिमालय— पर्वतराज, गिरिराज, नगपति

2. फूल— पुष्प, सुमन, कुसुम

3. नदी— सरिता, तटिनी, तरंगिणी

4. बादल— मेघ, जलधर, वारिद

(ख)

विलोम	**शब्द**
आशा	निराशा
प्रसन्न	अप्रसन्न
प्रशंसा	निंदा
निश्चय	अनिश्चय
कमजोर	मजबूत
सफलता	असफलता

(ग)

विशेषण	**विशेष्य**
महान	हिमालय
सुन्दर	चोटी
ऊँची	चोटी
रंग-बिरंगे	फूल
स्वच्छ	आत्मा

(कल्पना की उड़ान)

1. पर्वतारोहण के लिए साहस, दृढ़, इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास, फिटनेस, सही उपकरण और अनुशासन आवश्यक होते हैं।
2. किसी कार्य में सफल होने के बाद गर्व, खुशी और आत्मविश्वास बढ़ता हुआ महसूस होता है।
3. छात्र स्वयं अपने अनुभव के अनुसार उत्तर दें जैसे, मुझे मेरे जन्मदिन पर तथा परीक्षा में पास होने पर बधाइयाँ मिलीं।
4. फूल और पौधे के संरक्षण के लिए पौधारोपण करना, समय पर पानी लगाना, देखरेख करना पेड़ों की कटाई रोकना, जैव विविधता बचाना और लोगों को जागरूक करना।
5. छात्र स्वयं चित्र बनाए।

पाठ -16
माह गीत
(स्वयं की परख)

(पाठ की समझ)

(बोलकर बताओ)

1. होली फागुन के महीने में आती है।
2. आम के पेड़ों पर चैत्र महीने में बौर आते हैं।
3. किसान खलिहान वैशाख के महीने में लगाते हैं।
4. हरियाली सावन के महीने में होती है।
5. जूडी-बुखार क्वार के महीने में फैलता है।

(लिखकर बताओ)

(क) 1. आषाढ़, सावन, भादौ बरसात के महीने होते हैं।
2. ज्येष्ठ के महीने में गर्मी सबसे अधिक होती है।
3. कार्तिक महीने की शोभा अच्छी लगती है।
4. पौष महीने में ठंड अपने चरम पर होती है।
5. माघ के महीने में ठंडी हवा चलती है।

(ख) 1. चैत्र महीना पहले आया, बौर बहुत आमों में आया।
2. है आषाढ़ की अजब कहानी, आया बादल बरसा पानी।
3. क्वार में मच्छर गाते हैं, घर में जूड़ी फैलाते हैं।

(ग) 1. ज्येष्ठ माह में बहुत ठंड पड़ती है। (×)
2. फाल्गुन में होली का हुल्लड मचा रहता है। (✓)
3. सबसे पहले चैत्र का महीना आता है। (✓)
4. कार्तिक महीने में आम पर बौर आते हैं। (×)
5. अगहन फसली माह कहलाता है। (✓)

(घ)

	(अ)	(ब)
1.	फाल्गुन	होली
2.	माह	ठंडी हवा
3.	चैत्र	आम पर बौर
4.	अगहन	ज्वार बाजरा
5.	सावन	हरियाली

(ङ) भावार्थ—

इस काव्यांश में भारतीय महीनों के शुरू के दो महीनों का वर्णन किया गया है। चैत्र से वर्ष की शुरुआत होती है, जिसमें आम के पेड़ों पर बौर आते हैं। बैसाख में बसंत ऋतु रहती है और किसान अपनी फसल काटकर खलिहान में रखते हैं।

(भाषा की समझ)

(क)

विलोम	शब्द
अच्छा	बुरा
सुन्दर	कुरूप
आकश	पाताल
पूरब	पश्चिम
सुखदायक	कष्टदायक
जाड़ा	गर्मी

(ख)

पर्यायवाची	शब्द
आकश	गगन

धरती	भूमि
बसंत	ऋतुराज
आम	रसाल
बौर	मंजरी
किसान	कृषक

(ग) 1. **महीना—** मार्च का महीना बहुत सुहावना होता है।
2. **पानी—** पानी जीवन के लिए बहुत आवश्यक है।
3. **कहानी—** दादी हमें हर रात नई कहानी सुनाती हैं।
4. **होली—** होली रंगों और खुशियों का त्योहार है।

(कल्पना की उड़ान)

1. मुझे दिसम्बर का महीना अच्छा लगता है क्योंकि इस महीने ठंड का मजा आता है। और छुट्टियाँ भी होती हैं।
2. ठंड से बचने के लिए मैं गर्म कपड़े पहनता हूँ, रजाई ओढ़ता हूँ और गर्म चीजें खाता-पीता हूँ।
3. मच्छरों से बचने के लिए मच्छरदानी लगाते हैं, मच्छर भगाने की क्रीम लगाते हैं और साफ-सफाई रखते हैं।
4. महीनों के नाम लिखकर छात्र स्वयं चार्ट बनाए— चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, सावन (श्रावण), भाद्रपद (भादौ), अश्विन (क्वार), कार्तिक, अगहन (मार्गशीर्ष), पौष, माघ, फाल्गुन।
5. **अंग्रेजी महीनों का चार्ट**
अंग्रेजी महनों के नाम लिखकर छात्र स्वयं चार्ट बनाए—
जनवरी, फरवरी, मार्च, अप्रैल, मई, जून, जुलाई, अगस्त, सितंबर, अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर।
6. गर्मी, होली (फागुन), हरियाली (सावन), फसली (अगहन), बसंत।

पाठ -17

सड़क

(स्वयं की परख)

(पाठ की समझ)

(बोलकर बताओ)

1. हम मंजिल तक पहुँचने के लिए सड़क पर चलते हैं।
2. सड़क को पथ, राह, मार्ग, रास्ता, पगडंडी आदि नामों से जाना जाता है।
3. सडक शहरों और गाँव में अलग-अलग प्रकार की होती है। कुछ सड़कें डामर, गिट्टी, सीमेंट, पत्थर, कंकड़ और मिट्टी से बनाई जाती है। कुछ सड़कें प्राकृतिक रूप से बन जाती हैं।
4. यह सड़क पर बनी सफेद धारियों वाली जगह होती है, जिससे पैदल यात्री सुरक्षित सड़क पार कर सकते हैं।
5. सड़क पर पैदल चलने के लिए फुटपाथ बना होता है।

(लिखकर बताओ)

(क) 1. सड़क हमें एक स्थान से दूसरे स्थान सुरक्षित पहुँचाने के काम आती है।
2. ट्रैफिक लाइट में 3 बत्तियाँ होती हैं— लाल, पीली और हरी।
3. सड़क पार करते समय हमें दोनों ओर देखकर पार करना चाहिए। जेब्रा क्रॉसिंग या फुटब्रिज का उपयोग करना चाहिए और ट्रैफिक लाइट के संकेतों का पालन करना चाहिए।
4. यातायात के नियमों का पालन करना आवश्यक हैं क्योंकि यातायात के नियमों का पालन करने से दुर्घटनाएँ कम होती है और यात्रा सुरक्षित होती है।
5. लोग सड़क पर कचरा, केले के छिलके, प्लास्टिक और अन्य कचरा फेंक देते हैं, जिससे सड़क गंदी हो जाती है और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है।

(ख) 1. जेब्रा-क्रॉसिंग पर **सफेद** रंग की पट्टियाँ बनी होती हैं।
2. लाल बत्ती **रुकने** का संकेत करती है।
3. हरी बत्ती **चलने** का संकेत देती है।
4. **पीली बत्ती** सावधान होने का संकेत करती है।
5. कचरा **कूड़ेदान** में ही डालना चाहिए।

(ग) 1. सड़क पर हमेशा दायीं ओर चलना चाहिए। (✗)
2. यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए। (✓)

3. सड़क पर लगे बोर्ड हमें सूचना देते हैं। (✓)
4. गाँव में सड़क का रूप सुन्दर होता है। (×)
5. पैदल चलने के लिए सड़क पर विभाजक रेखा होती है। (×)

(घ)

(अ)	(ब)
डिवाइडर	सड़क को दो भागों में बाँटता है।
हरी बत्ती	चलने का संकेत देती है।
यातायात नियम	पालन करने चाहिए।
फुटपाथ	पैदल चलना चाहिए।
चौराहा	चार रास्ते मिलते हैं।

(ङ) 1. (द) "ब" व "स" दोनों
2. (अ) ट्रैफिक लाइट से
3. (स) हरी बत्ती होने पर
4. (द) इन सभी का

(भाषा की समझ)

(क)

पर्यायवाची	शब्द
सड़क	मार्ग, राह, पथ
पेड़	वृक्ष, तरु, पादप
पत्थर	शिला, प्रस्तर, पाषाण

(ख) छोटी – बड़ी नियम – कानून
टेढ़ा – मेढ़ा

(ग)

विलोम	शब्द
खुशी	दु:ख
स्वच्छ	गंदा
बायाँ	दायाँ
हानि	लाभ
सफेद	काला
भरा	खाली

(अ) 1. **सड़क—** सड़क पर चलते समय सावधानी बरतनी चाहिए।
2. **प्रसन्नता—** परीक्षा में अच्छे अंक पाकर वह प्रसन्नता से झूम उठा।
3. **कूड़ा-करकट—** कूड़ा-करकट कूड़ेदान में डालना चाहिए।
4. **चौराहा—** चौराहे पर ट्रैफिक लाइट लगी होती है।
5. **जेब्राक्रॉसिंग—** सड़क पार करते समय जेब्राक्रॉसिंग का उपयोग करें।

(कल्पना की उड़ान)

(क) 1. सड़क के नियमों का पालन करना जरूरी इसलिए है क्योंकि इससे सड़क दुघर्टनाएँ कम होती हैं और लोग सुरक्षित रहते हैं।
2. शहर की सड़कें चौडी, पक्की और व्यवस्थित होती हैं जबकि गाँव की सड़कें संकरी और कच्ची हो सकती हैं।
3. यदि सड़क न होती तो परिवहन मुश्किल हो जाता, यातायात अव्यवस्थित रहता और सफर लम्बा व कठिन हो जाता।
4. सड़क के दोनों ओर वृक्ष लगाने से अनेक लाभ हैं। यह छाया और ताजी हवा प्रदान करते हैं। प्रदूषण कम करते हैं और पर्यावरण को सुन्दर बनाते हैं।

5. **पहला चित्र—** (बच्चा जेब्राक्रॉसिंग पर चल रहा है। (✓)
दूसरा चित्र— (बच्चा सड़क पर खेल रहा है और कार आ रही है।) (×)
तीसरा चित्र—लड़का सड़क पर केले के छिलके फेंक रहा है। (×)
चौथा चित्र— (बच्चा फुटपाथ पर चल रहा है।) (✓)

6.

(अ)	(ब)
1. लाल	रुकना
2. पीली	चलने को तैयार
3. हरी	आगे बढ़ने का संकेत

7. **पहला संकेत—**विद्यालय क्षेत्र को दर्शाता है, जिससे वाहन चालकों को सर्तक रहने की चेतावनी दी जाती है।
दूसरा संकेत— बाएँ मुड़ने का निर्देश देता है।
तीसरा संकेत— दाएँ मुड़ने का निर्देश देता है।
चौथा संकेत— हॉर्न बजाना मना है।
8. छात्र स्वयं करें।

❑❑❑

हिन्दी - 5

पाठ -1
उठो धरा के अमर सपूतों

पाठ की समझ

बोलकर बताओ

1. नया निर्माण करने से कवि का यह अभिप्राय है कि हम नई ऊर्जा उमंग के साथ देश और प्रकृति का नव-निर्माण करें।
2. कवि ने प्रात:काल का वर्णन नए प्रकाश, नई उमंग और नए जीवन के आरंभ के रूप में किया है।
3. कविता में कवि देश के अमर सपूतों को संबोधित कर रहा है।
4. धरती माँ की काया सुनहरी हो रही है।
5. मंगलमयी ध्वनियों से जग-उद्यान को गुंजित करने की बात कही है।

लिखकर बताओ

(क) निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(1) देश पर मर-मिटने वाले स्वतन्त्रता सेनानियों को अमर सपूत कहा गया है।

(2) कवि ने जन-जन के जीवन में नए प्राण, नई स्फूर्ति भरने की बात कही है।

(3) कविता में फूलों को नए जीवन का प्रतीक बताया गया है और उनमें नव चेतना, नव उमंग और नव जीवन का संचार करने की बात कही गयी है।

(4) धरती माँ की कलियों और फूलों को नए जीवन की सुन्दरता और आशा का प्रतीत बताया गया है।

(5) कविता में कलियों और फूलों को नए जीवन की सुन्दरता और आशा का प्रतीक बताया गया है।

(ख) पंक्तियाँ पूरी कीजिए—

(1) उठो धरा के अमर सपूतों पुन: नया निर्माण करो।

(2) नूतन मंगलमयी ध्वनियों से गुंजित जग-उद्यान करो।

(3) युग-युग के मुरझे सुमनों में, नई-नई मुस्कान भरो।

(4) नई उमंगें, नई तरंगें, नई आस है, साँस नई।

(ग) सुमेलित कीजिए—

(अ)	(ब)
फल-फूल	मुसकाया
कली-काली	खिल रही
मंगलमयी	ध्वनियाँ
सुनहरी काया	धरती माँ
अमर	सपूत

(घ) सही-गलत—

(1) फूलों में नए प्राण और नई स्फूर्ति भरनी है। (✓)

(2) अंबर के सपूतों को नव निर्माण करना है। (✗)

(3) सुमन युगों-युगों से मुरझाए हैं। (✓)

(4) इधर प्रत्येक कली खिल रही है। (✓)

(5) धरती की काया सुनहरी हो रही है। (✓)

(ड़) पंक्तियों का भावार्थ—

कविता की इन पंक्तियों में कहा गया है कि शुभ और नई ध्वनियों से हुए वातावरण में जागो, ध्यान करो और धरती के अमर सपूतों की तरह उठकर फिर से देश का नया निर्माण करो।

सोचकर बताओ

1. कविता में नया शब्द चार बार आया है और नव निर्माण, नयी सुबह के लिए आया है।
2. नव निर्माण में परिश्रम करके देश से प्रेम करके और समाज को सुन्दर बनाकर सहयोगी बन सकते हैं।

3. मैं अपने साथी को मेहनत करने की प्रेरणा दूँगा,
4. प्रस्तुत कविता में से हमें देश भक्ति, नव निर्माण उत्साह और समाज के लिए कुछ करने की शिक्षा मिलती है।
5. छात्र कविता का सारांश कक्षा में सुनाएँगे।

भाषा की समझ

(क) पर्यायवाची शब्द—

(1) धरा — भू, धरती, पृथ्वी
(2) पुत्र — सुत, बेटा, तनय
(3) फूल — पुष्प, कुसुम, सुमन
(4) संसार — जगत, दुनिया, विश्व

(ख) जोड़े वाले शब्द—

नई-नई, जन-जन, युग-युग, कली-कली, फूल-फूल

(ग) शब्द समूह के लिए एक शब्द—

(1) सुबह का समय — प्रातः
(2) हमेशा जीवित रहने वाला — अमर
(3) अच्छे गुणों वाला पुत्र — सुपुत्र
(4) सोने जैसे रंग वाला — सुनहरा

(घ) स्त्रीलिंग-पुल्लिंग—

कवि	– कवियित्री	शिष्य	– शिष्या
नया	– नई	लेखिका	– लेखक
माँ	– पिता	पहला	– पहली

(ड़) एकवचन से बहुवचन—

किरण	– किरणें	कली	– कलियाँ
साँस	– साँसें	तरंग	– तरंगें
उमंग	– उमंगें	ध्वनि	– ध्वनियाँ

कल्पना की उड़ान

(क) सुझाव—

(1) स्मार्ट क्लास की सुविधा हो।
(2) पुस्तकालय में नई किताबें जोड़ी जाए।
(3) खेल-कूद और सांस्कृतिक कार्यक्रम बढ़ाए जाएं।
(4) साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए।
(5) छात्रों की मानसिक सेहत के लिए योग व काउंसलिंग हो।
(6) छात्रों की राय लेने की व्यवस्था हो।

(ख) छात्र अपनी समझ के अनुसार स्वयं उत्तर दें।
(ग) छात्र कविता को कक्षा में स्वयं सुनायेंगे।
(घ) छात्र स्वयं करें।

पाठ -2
समझ आई बात

पाठ की समझ

बोलकर बताओ

1. शुभम के पिताजी मिठाई का काम करते थे।
2. पिताजी ने शुभम से दाल पिसवाने के लिए कहा।
3. शुभम को काम करने में शर्म आ रही थी क्योंकि उसे लगा लोग उसका मजाक उड़ायेंगे।
4. व्योम को झाड़ू लगाते हुए देखकर शुभम का मुँह आश्चर्य से खुला का खुला रह गया।
5. व्योम के पिताजी सरकारी विभाग में अधिकारी है। तथा माँ प्रधानाध्यायिका हैं।

लिखकर बताओ

(क) प्रश्न-उत्तर—

(1) शुभम पिताजी से कह रहा था इतना भारी डिब्बा में कैसे उठा पाऊँगा।
(2) शुभम को पिताजी ने कहा— पहली बार स्कूल न जाने के लिए रोता देखकर अगर तू स्कूल नहीं जाता तो आज यहाँ कैसे पहुँचा यह कहकर समझाया।
(3) दाल पिसने में आधा घंटे का समय था इसलिए शुभम व्योम के घर गया था।
(4) शुभम ने देखा कि व्योम झाड़ू लगा रहा था।
(5) व्योम ने कहा कि अपने काम को करने में शर्म नहीं आनी चाहिए, यह स्वावलंबन की पहचान है।

(ख) रिक्त स्थान—

(1) चक्की के पास पहुँचकर उसने राहत की साँस ली।
(2) शुभम का मुँह आश्चर्य से खुला का खुला रह गया।
(3) अपना काम करने में शर्म कैसी?
(4) वह आधा घंटा व्योम के घर बैठा।

(ग) सही-गलत—

(1) चक्की वाले ने शुभम को एक घंटे बाद आने के लिए कहा (✗)

(2) व्योम के पिताजी सरकारी विभाग में एक अधिकारी थे। (✓)

(3) शुभम की माँ स्कुल में प्रधानाचार्या थी। (✓)

(4) व्योम घर में झाड़ू लगा रहा था।(✓)

(5) शुभम के पिता ने उसे झाड़ू लगाने को कहा। (✗)

(घ) किसने कहा, किससे कहा?

	किसने कहा	किससे कहा
(1)	अच्छी बात है, मैं आधे घंटे में आता हूँ। शुभम ने	चक्की वाले से
(2)	एक मिनट यह कूड़ा फेंक दूँ। व्योम ने	शुभम से
(3)	जब पहली बार तू स्कूल गया था, तो तू कितना रोया था। पिताजी ने	शुभम से
(4)	इतना भारी डिब्बा मैं कैसे उठा पाऊँगा शुभम ने	पिताजी से

(ड़) गद्यांश आधारित प्रश्न-उत्तर—

(1) शुभम सही अर्थ जान चुका था—

उत्तर- स्वावलंबी होने का

(2) शुभम व्योम के घर से पहुँचा —

उत्तर- चक्की वाले के पास

(3) शुभम व्योम के घर रुका

उत्तर- आधा घंटा

(4) शुभम ने चक्की वाले को दिया

उत्तर- दाल का डिब्बा

भाषा की समझ

(1) मुहावरों का अर्थ व वाक्य प्रयोग—

	अर्थ	वाक्य प्रयोग
(क)	बहुत आश्चर्य होना	व्योम को झाड़ू लगाते देख शुभम का मुँह खुला का खुला रह गया
(ख)	चैन मिलना	चक्की पहुँचकर शुभम ने चैन की साँच ली
(ग)	बहुत शर्म महसूस करना	जब सबने उसकी बात सुनी तो वह शर्म से जमीन में गड़ गया।

(2) रिक्त स्थानों की पूर्ति के उचित क्रिया शब्द—

(क) शुभम चक्की पर दाल पिसवाने गया।

(ख) व्योम घर में झाड़ू लगा रहा था।

(ग) दाल का डिब्बा साइकिल के पीछे रखा।

(घ) तुझे यह काम करने में शर्म नहीं आती।

(3) गद्यांश में विरामचिह्न का प्रयोग—

"नहीं पिताजी मैं नहीं जाऊँगा!" शुभम ने अपने पिता से कहा। "चला जा बेटा, तू नहीं जाएगा तो फिर कौन जायगा? पिताजी ने कहा। पिताजी शुभम से बार-बार कह रहे थे कि वह दाल पिसवाकर ले आए लेकिन शुभम था कि जाने को तैयार ही नहीं हो रहा था।

(4) शब्द-अर्थ—

(1) बेटा-पुत्र **(2)** पिता-पितृ

(3) मित्र-दोस्त **(4)** भारी-वजनदार

(5) मदद-सहायता **(6)** नष्ट-बरबाद

(5) शब्दों का वर्ण विच्छेद—

आश्चर्य- आ + श् + च् + अ + र् + य् + अ

स्वावलंबी - स् + व् + आ + व् + अ + ल + अ + म् + ब + ई

बिल्कुल - ब् + इ + ल् + क् + उ + ल + अ।

विपरीत - व् + इ + प् + अ + र् + ई + त् + अ।

मदद - म् + अ + द + अ + द + अ

नष्ट - न् + अ + ष् + ट् + अ

कल्पना की उड़ान

(1) हम अपने घर में झाड़ू लगाने, मेज साफ करने, पौधों को पानी देने, सब्जी काटने इत्यादि कामों में मदद करते हैं।

(2) चित्र द्वारा प्रश्न/उत्तर—

(क) व्योम को झाड़ू लगाते देख शुभम के मुँह पर आश्चर्य के भाव हैं।

(ख) झाड़ू लगाते समय व्योम के चेहरे पर संतोष और प्रसन्नता के भाव है।

(ग) व्योम का घर साफ-सुथरा और सुसज्जित दिखाई दे रहा है।

(3) दालों की पहचान

1. अरहरदाल 2. मसूर दाल 3. चना दाल 4. उड़द दाल।

पाठ -3

मनमानी का वरदान

पाठ की समझ

बोलकर बताओ

1. सब बच्चे पार्क में इकट्ठे थे।
2. बच्चों को माता-पिता, शिक्षक, और माली से शिकायत थी।
3. बच्चों को इच्छा देवी ने वरदान दिया।
4. बच्चों को उनके आसपास गंदगी फैली हुई, पढ़ाई बिगड़ी हुई दिखाई दी तब बच्चों को अपनी भूल का एहसास हुआ।
5. हमें अपने से बड़ों की बात मानना चाहिए तथा अनुशासन में रहना चाहिए।

लिखकर बताओ

(क) प्रश्न-उत्तर—

(1) बच्चे बड़ों की आज्ञा से तंग आ चुके थे।

(2) रिया की माता जी उससे जूते-चप्पल उचित स्थान पर रखने, कमरा साफ, व किताबें संभाल कर रखने के लिए कहती थीं।

(3) क्योंकि बिना अनुशासन के जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है।

(4) वरदान मिलने के बाद बच्चों ने पढ़ाई, सफाई और अनुशासन छोड़ दिया जिससे उनका जीवन बिगड़ गया।

(5) इच्छा देवी ने बच्चों को समझाया कि माता-पिता और गुरू की बाते बच्चे के भले के लिए होती हैं।

(ख) रिक्त स्थान की पूर्ति—

(1) हमारे शिक्षक हमें पढ़ने के लिए कहते हैं।

(2) पार्क में कुछ बच्चे इकट्ठे हुए थे।

(3) आज से हम बड़ों की आज्ञा से मुक्त हो जाएँ।

(4) सब बच्चे पार्क से खेलते हुए कूड़ा इधर-उधर फेंकने लगते हैं।

(5) मनमानी का वरदान पाकर बहुत भूल की।

(ग) सही-गलत—

(1) बच्चों द्वारा मनमानी का वरदान पाना उचित था। (✗)

(2) इच्छा देवी ने वरदान वापस नहीं लिया। (✗)

(3) बच्चों के लिए वरदान गलत साबित हुआ। (✓)

(4) माता-पिता, गुरू तथा अपने बड़ों की बात मानने के लिए बच्चे तैयार हो गए। (✓)

(5) इच्छा देवी बच्चों के साथ उनके घर तक गई। (✗)

(घ) किसने किससे कहा—

	किसने कहा		किससे कहा
(1)	माता-पिता हमारे खेलने पर रोक लगाते हैं।	आर्यन ने	बच्चों से
(2)	बच्चों! लगता है आप लोग बहुत परेशान है।	इच्छा देवी ने	सभी बच्चों से
(3)	मैं तो कक्षा में सबसे पीछे हो गया हूँ	आर्यन ने	बच्चों से
(4)	इतना भारी डिब्बा मैं कैसे उठा पाऊँगा	शुभम ने	पिताजी से

(ड़) नाट्यांश प्रश्न-उत्तर—

(1) इच्छा पूरी करने वाली देवी का नाम इच्छा देवी था।

(2) तथास्तु इच्छा देवी ने कहा।

(3) बच्चों ने वरदान माँगा था।

(4) इच्छा देवी ने वरदान देने से पहले शर्त रखी थी।

सोचकर बताओ

1. हाँ हम अपने बड़ों की आज्ञा का पालन करते हैं क्योंकि वे अपने अनुभव से हमारा ज्यादा ध्यान रखते हैं।
2. हमारे माता-पिता हमें समय पर सभी कार्य करने की शिक्षा देते हैं।
3. हम घर तथा कक्षा में अनुशासन का पालन, घर का काम, बड़ों की आज्ञा का पालन करते हैं।
4. हमकों अपने से बड़ों की आज्ञा का पालन करना बहुत अच्छा लगता है। जो कि हमारे जीवन को अनुशासित, जिम्मेदार व भविष्य को बेहतर बनाता है।

भाषा की समझ

(1) वाक्य संशोधन चिन्ह—

(क) बच्चे अपना कमरा, पार्क, कक्षा सभी कुछ गंदा कर देते थे।

(ख) बच्चों की परेशानी को किसने दूर किया?

(ग) इच्छा देवी ने बच्चों को वरदान दिया।

(घ) बच्चे कागज, कूड़ा गंदगी, छिलके-सभी कुछ फैलाते थे।

(2) 'क्ष' संयुक्त व्यंजन—

रक्षक, भिक्षुक, रक्षा, परीक्षा।

(3) विलोम-शब्द —

(1) स्वस्थ - अस्वस्थ

(2) गंदगी - सफाई

(3) वरदान - अभिशाप

(4) मुक्त - कैद।

(4) वाक्य प्रकार —

(क) बच्चे क्यों परेशान थे? **प्रश्नवाचक**

(ख) बच्चे अपने आस-पास सफाई नहीं रखते थे। **नकारात्मक**

(ग) अरे! तुम तो रो रहे हो! **विस्मयसूचक**

(घ) भगवान तुम्हें स्वस्थ रखें। **इच्छा वाधक**

कल्पना की उड़ान

6:30 उठना, 7:00 तैयार होना, 8:00 स्कूल जाना, 1:00 घर लौटना, 2:00 ग्रहकार्य करना, 4:00 खेलना, 8:00 भोजन करना, 9:00 सोना।

2. अच्छी आदतों से संबंधित चित्र:

समय पर उठना, भोजन से पहले हाथ धोना, रोज नहाना, बड़ों का आदर करना आदि।

(3) गद्यांश प्रश्न-उत्तर—

(1) हमें समय का सही उपयोग करना चाहिए।

(2) पढ़ाई और खेल दोनों में सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

(3) हमारा व्यवहार परिवार और समाज के प्रति अच्छा होना चाहिए।

(4) हमें सभी कार्य अनुशासन में रहकर करने चाहिए जिससे कि हम सबके प्रिय बन सके।

पाठ -4

अभ्यास का कमाल

पाठ की समझ

बोलकर बताओ

1. अमित संस्कृत में कमजोर था और कक्षा के बच्चे उसे फिसड्डी कहते थे इसलिए वह उदास था।
2. संस्कृत विषय में अमित कमजोर था।
3. अमित को संस्कृत के पाठ याद नहीं होते थे इसलिए उसकी मंथली रिपोर्ट खराब रहती थी।
4. पिताजी ने उसे समझाया कि कभी भी आशा नहीं छोड़नी चाहिए और दूसरों की बातों से परेशान नहीं होना चाहिए।

5. वे उसके साथ संस्कृत पढ़ते व उसे प्रोत्साहित करते रहते थे।

लिखकर बताओ

(क) प्रश्न उत्तर—

(1) कक्षा के बच्चे उसे फिसड्डी कहते यह बात अमित को बहुत बुरी लगती थी।

(2) अमित ने मन में निश्चय किया कि वह संस्कृत को अच्छी तरह से समझेगा और रोज अभ्यास करेगा।

(3) अमित संस्कृत विषय में सबसे तेज हो गया था इसलिए अन्य छात्र उसको देखकर दाँतो तले उँगली दबाने लगे।

(4) अमित ने अपने पिताजी से कहा कि उसे संस्कृत के पाठ याद नहीं होते हैं और वह स्कूल नहीं जाएगा।

(5) वे उसके साथ संस्कृत पढ़ते व उसे प्रोत्साहित करते रहते थे।

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति—

(1) अमित ने पूरे विद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया।

(2) मुख्य अतिथि ने अमित को शील्ड प्रदान की।

(3) ठीक दस बजे मुख्य अतिथि का आगमन हुआ।

(4) पिताजी की बातों से अमित को थोड़ी हिम्मत मिली।

(5) अमित संस्कृत विषय में कमजोर था।

(ग) सही-गलत—

(1) अमित को कक्षा में बच्चें फिसड्डी कहकर चिढ़ाते थे। (✓)

(2) अमित ने अपनी कक्षा में हंगामा कर दिया। (✗)

(3) पिताजी की बात सुनकर अमित ने पढ़ाई का निश्चय किया (✓)

(4) अमित ने विद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। (✗)

(5) अमित की सफलता पर उसके माता-पिता बहुत खुश थे। (✓)

(घ) मिलान कीजिए—

(1) सर्वोच्च – स्थान

(2) जी-तोड़ – मेहनत

(3) राजा – बेटा

(4) परीक्षा – परिणाम

(5) अतिथि – शील्ड

(ड़) गद्यांश प्रश्न-उत्तर —

(1) मुख्य अतिथि ने अमित को शील्ड प्रदान की।

(2) अमित के जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि सर्वोच्च स्थान प्राप्त करना थी।

(3) अमित की सफलता पर माता-पिता बहुत खुश हो रहे थे।

(4) परीक्षा परिणामों की घोषणा प्रधानाचार्य ने की थी।

सोचकर बताओ

1. निरंतर अभ्यास से अमित की संस्कृत में रूचि बढ़ी और उसका आत्मविश्वस भी बढ़ा। वह संस्कृत विषय में निपुण हो गया और अंतत: विद्यालय में सर्वोच्य स्थान प्राप्त किया।
2. जब भी मैं उदास होता हूँ, तो अपने माता-पिता से बात साक्षा करता हूँ और फिर समाधान खोजता हूँ।
3. हमें कक्षा में किसी को फिसड्डी कहकर नही बुलाना चाहिए इससे उस व्यक्ति का आत्मविश्वास कम होता है। और वह व्यक्ति निराश हो सकता है।
4. मैं अपने मित्र को समय दूँगा और उसकी कठिनाई को समझकर समझाऊँगा और उसके साथ मिलकर अभ्यास करूँगा ताकि उसका मनोबल बना रहे।
5. मैं रोज नियमित अभ्यास करूँगा कठिन बातों को समझने की कोशिश करूँगा शिक्षक और मित्रों की मदद लूँगा और समय का प्रबंधन करूँगा।

भाषा की समझ

(क) विपरीतार्थक शब्द—

उदास – खुश	दिन – रात
खराब – अच्छा	कमजोर – मजबूत
मित्र – शत्रु	निश्चित – अनिश्चित

(ख) विशेषण तथा विशेष्य—

	शब्द	विशेषण	विशेष्य
(1)	वार्षिक परीक्षा	वार्षिक	परीक्षा
(2)	मुख्य अतिथि	मुख्य	अतिथि
(3)	फिसड्डी बालक	फिसड्डी	बालक
(4)	प्रतिभाशाली छात्र	प्रतिभाशाली	छात्र
(5)	सर्वोच्च स्थान	सर्वोच्च	स्थान

(ग) पर्यायवाची शब्द—

(1) बेटा – सुत, तनय, पुत्र।
(2) पिता – जनक, पितृ, पापा।
(3) विद्यालय – शिक्षालय, पाठशाला, शिक्षक स्थान।
(4) शिक्षक – आचार्य, अध्यापक, गुरू।

(घ) मुहावरों का अर्थ और उनके वाक्य प्रयोग—

(1) फूले नहीं समाना – बहुत प्रसन्न होना।
अमित की सफलता को देखकर उसके माता-पिता फूले नहीं समा रहे थे।

(2) दाँतों तले उँगली दबाना – अत्यधिक आश्चर्य होना ।
जब अमित ने संस्कृत में उत्तर दिए, तो सभी दाँतों तले उंगली दबा बैठे।

(3) जी-तोड़ मेहनत करना- बहुत अधिक परिश्रम करना।
अमित ने जी-तोड़ मेहनत की और अच्छे अंक प्राप्त किये।

कल्पना की उड़ान

(क) संस्कृत के प्रसिद्ध लेखक/कवि और रचनाएँ—

(1) कालिदास – अभिज्ञान, शाकुन्तलम्, मेघदूत
(2) वाल्मीकि – रामायण
(3) वेदव्यास – महाभारत, भागवत पुराण
(4) भास – स्वप्नवासवदत्ता
(5) भवभूति – उत्तररामचरित, मालती माधव
(6) माघ – शिशुपालवध
(7) भारवि – किरातार्जुनीयम्
(8) बाणभटट् – कादम्बरी, हर्षचरितम्
(9) जयदेव – गीतगोविन्म्
(10) शूद्रम – मृच्छकटिकम्

(ख)

एक:	त्रि	द्धि	चतुर्	पञ्य	सप्त	षट्	अष्ट
द्धि	चतुर्	एक:	त्रि	षट्	अष्ट	पञ्य	सप्त
चतुर्	द्धि	त्रि	एक:	सप्त	षट्	अष्ट	पञ्य
एक:	द्धि	त्रि	चतुर्	पञ्य	षट्	सप्त	अष्ट

पाठ -5
कर्मवीर

पाठ की समझ

बोलकर बताओ

1. कर्मवीर बाधाओं को देखकर बिना रुके, अपनी लगन से काम करते हैं।
2. कर्मवीर अपने समय को व्यर्थ नही गँवाते।
3. कर्मवीर आत्मनिर्भर होते हैं, इसलिए दूसरों का मुँह नही ताकते हैं।
4. कर्मवीर अपने अच्छे कार्यों से समाज के लिए आदर्श बन जाते हैं।

लिखकर बताओ

(क) प्रश्न उत्तर—

(1) काम में विविध बाधाएँ आने का आश्य है— काम करते समय अलग-अलग प्रकार की परेशानियाँ आना।
(2) कर्मवीर आज का काम आज करते हैं, क्योंकि वे समय का मूल्य जानते हैं और काम को टालते नही हैं।

(3) भीड़ में चंचल न बनने का अर्थ है– ध्यान भटकाए बिना अपने लक्ष्य पर टिके रहना।

(4) कर्मवीर अपने कार्य स्वयं करके अपनी मद्द करते हैं।

(5) कर्मवीर अपने मन की बात मानते हैं और दूसरों की मद्द भी करते हैं।

(ख) काव्य पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

(1) भीड़ में चंचल बनें जो वीर दिखलाते नहीं।

(2) देखकर बाधा विविध बहु विघ्न घबराते नहीं।

(3) वे नमूना आप बन जाते हैं औरों के लिए।

(ग) सही-गलत–

(1) विघ्न बाधाओं को देखकर कर्मवीर पछताते हैं। (✗)

(2) कर्मवीर आज का काम आज ही करते हैं। (✓)

(3) कर्मवीर काम करने के लिए किसी दूसरे की मद्द नही करते। (✓)

(4) यत्न करने में कर्मवीर जी चुराते हैं। (✗)

(5) कर्मवीर भीड़ में चंचल बनते हैं। (✓)

(घ) मिलान कीजिए–

(अ)	(ब)
बाधा	विविध
बुरे	दिन
जी	चुराते
दु:ख	भोग
बहु	विघ्न

(ङ) पंक्तियों का भावार्थ–

देखकर .....दिखलाते नहीं।

भावार्थ–कमवीर अनेक प्रकार की रूकावटे देखकर भी अपने रास्ते से नहीं भटकते, वे डटे रहते हैं। वे भाग्य के भरोसे नहीं रहते, न ही दु:खों से घबरा कर अपने मार्ग से हटते हैं। चाहे काम कितना भी कठिन क्यों न हो लेकिन सच्चे वीर उससे थकते नहीं हैं। वे वीर अपनी वीरता का दिखावा नहीं करते बल्कि चुपचाप मेहनत करते हैं।

सोचकर बताओ

1. काम करते समय बाधा आने पर हम धैर्य रखते हैं और समाधान निकालकर आगे बढ़ते हैं।
2. कर्मवीरों की यह बात सबसे अच्छी लगती है कि वे बिना थके लगातार मेहनत करते हैं और कभी हार नहीं मानते हैं।
3. सफल होने के लिए मैं कठिन परिश्रम करूँगा। समय का सही उपयोग करूँगा और कभी हार नही मानूँगा।
4. मैं समय का उपयोग पढ़ाई करने, नई चीजें सीखने और अपने लक्ष्य को पाने में अधिक करता हूँ।
5. इस कविता से हमें यह सीख मितली है कि सच्चे कर्मवीर कभी भी मुश्किलों से नहीं घबराते, वे लगातार मेहनत करते है; समय का सदुपयोग करते हैं और दूसरों के लिए प्रेरणा बनते हैं।

भाषा की समझ

(क) पर्यायवाची शब्द–

जगत – संसार, विश्व, सृष्टि
समय – काल, वेला, अवधि
दिन– दिवस, वार, वासर
वीर – योद्ध, शूरवीर, बहादुर

(ख) शब्द-समूह के लिए एक शब्द–

(1) काम से जी चुराने वाला – कामचोर
(2) बहुत परिश्रम करने वाला – परिश्रमी
(3) विद्या ग्रहण करने वाला – विद्यार्थी
(4) जो कभी न मरे – अमर

(ग) विलोम शब्द–

वीर – कायर	भाग्य – दुर्भाग्य
दु:ख – सुख	उजाला – अँधेरा
दिन – रात	बनाना – बिगाड़ना

(घ) वाक्य प्रयोग–

(1) कर्मवीर आज का काम आज ही करते हैं।

(2) समय – कर्मवीर अपने समय का सदुपयोग करते हैं।

(3) मुँह – अपना कार्य करने के लिए कर्मवीर किसी का मुँह नहीं देखते।

(4) वीर – कर्मवीर एक वीर की तरह कार्य को पूर्ण करता है।

कल्पना की उड़ान

(1) छात्र कहानी पढ़कर स्वयं जानकारी प्राप्त करें।

(2) सैनिकों को कई कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उन्हें कठोर मौसम, बर्फ, गर्मी, और बारिश में भी सीमा पर तैनात रहना पड़ता है। अपने परिवार से दूर रहकर देश की रक्षा करनी होती है। दुश्मनों से लड़ते समय उन्हें अपने प्राणों की परवाह नहीं होती।

पाठ -6
साइकिल की सवारी

पाठ की समझ

बोलकर बताओ

1. लेखक का मानना था कि जो काम करना है, उसे समय पर सीख लेना चाहिए। नहीं तो बाद में शर्मिंदगी उठानी पड़ती है।
2. साइकिल चलाना सीखने के लिए लेखक ने सबसे पहले उस्ताद ढूँढ़ा, फिर फीस तय की, सुबह उठे, भगवान का नाम लेकर निकल पड़े, और कई बार गिरने के बावजूद हिम्मत नहीं हारी।
3. साइकिल सिखाने वाले उस्ताद काले रंग के, नाटे कद के, भद्दी शक्ल वाले, मोटी गर्दन वाले, गले में काला धागा पहने छोटी-छोटी आँखें। मैली लुंगी, पाँव में कसूरी जूता डाले हुए थे।
4. पहले ही दिन लेखक ने घबराहट में पायजामा और अचकर उलटे पहन लिए थे, जिस पर लोग हँसने लगे। वे शर्म के कारण घर लौट आए।
5. लेखक ने लाजवाब होकर अपनी आँखें बंद कर ली थी, क्योंकि उनकी पत्नी ने उनकी झूठी बात पकड़ ली और सच्चाई सामने ला दी।

लिखकर बताओ

(क) प्रश्न उत्तर—

(1) तिवारी जी ने लेखक को एक उस्ताद के बारे में बताया और उनके लिए फीस भी कम करवाई।

(2) दूसरे दिन लेखक साइकिल को देख रहे थे। जैसे ही लेखक ने साइकिल को चलाना चाहा, वह साइकिल उनके पैर पर गिर गई और उन्हें चोट लग गई। जिसके कारण लेखक घर वापस आ गए।

(3) साइकिल चलाते समय लेखकर ताँगे से टकरा गए, जिसमें उनकी पत्नी और बच्चे बैठे थे।

(4) लेखक ने दुर्घटना का इल्जाम तिवारी जी पर डालना चाहा।

(5) लेखक की पत्नी ने उन्हें बताया कि ताँगे में वे खुद बैठी थी और लेखक की सारी हरकत देख चुकी थी।

(ख) रिक्त स्थान—

(1) अरे भाई! मामला क्या है? घरवाली से झगड़ा तो नहीं हो गया।

(2) शरीफ विद्यार्थी के समान श्रद्धाभाव से हाथ बाँधकर प्रणाम किया।

(3) साहब साइकिल थमाकर लस्सी पीने लगे।

(4) यह तो साइकिल गई, बनवानी पड़ेगी।

(5) यह चकमा उसको देना, जो कुछ जानता न हो।

(ग) सही-गलत—

(1) जल्दी और घबराहट में लेखक ने पाजामा और अचकन दोनों उलटे पहन लिए। (✓)

(2) घर से निकलते ही लेखक का रास्ता नेवले ने काट दिया। (✗)

(3) लेखक को साइकिल पकड़कार उस्ताद दूध पीने लगे। (✗)

(4) आखिरकार एक महीने में लेखक साइकिल चलाना सीख गए। (✗)

(5) लेखक को जब होश आया तो उनके शरीर पर अनेक पट्टियाँ बँधी थी। (✓)

(घ) किसने किससे कहा—

	किसने कहा	किससे कहा
(1)	लेखक की पत्नी ने	लेखक से कहा
(2)	लेखक ने	पत्नी से कहा
(3)	लेखक ने	तिवारी जी से
(4)	तिवारी ने	लेखक से कहा

(ङ) गद्यांश पर आधारित प्रश्न—

(1) यार - दोस्तों को

(2) साइकिल

(3) अपने बेटे को साइकिल चलाता देखकर

(4) 1932 में

सोचकर बताओ

1. यह एक आसान, सस्ती और पर्यावरण के अनुकूल सवारी है। इससे स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।
2. मुझे साइकिल चलाना सिखाने में भाई, पापा, और दोस्त ने मद्द की।
3. इस पाठ में लेखक का आत्मविश्वास और बार-बार गिरने के बावजूद हिम्मत न हारना यह बात अच्छी लगी।
4. गलती होने पर मैं अपनी गलती स्वीकार करता हूँ और भविष्य में दोहराने की कोशिश नहीं करता।
5. इस पाठ से हमें यह शिक्षा मिलती है कि कोई भी काम सीखने के लिए लगन, धैर्य और निरंतर प्रयास जरूरी है।

भाषा की समझ

(क) विलोम शब्द—

मूर्ख - विद्वान	दिन - रात
श्रद्धा - अश्रद्धा	काला - गोरा
ऊपर - नीचे	इधर - उधर
गिरना - उठना	सामने - पीछे

(ख) मुहावरे का अर्थ व वाक्य प्रयोग—

(1) मुँह के बल गिरना— अर्थ- हार जाना।
वाक्य प्रयोग— सीता परीक्षा में कड़ी मेहनत न करके मुँह के बल गिर गई।

(2) नौबत न आने देना— अर्थ-किसी भी संकट या मुसीबत को होने से रोकना।
वाक्य प्रयोक— हमें ऐसी गलती नहीं करनी चाहिए कि जिसके कारण ऐसी नौबत न आए जिससे हमें कल पछताना पड़े।

(3) हवा में उड़ना— अर्थ-घमंड करना या बहुत ज्यादा अभिमान में रहना।
वाक्य प्रयोक— परीक्षा में अच्चे अंक क्या आए वह तो अब हवा में उड़ने लगा है।

(4) गला भर आना— अर्थ-रोना या रोने के करीब होना
वाक्य प्रयोग— उसकी बातें सुनकर मेरा गला भर आया।

(5) सिर मुँड़ाते ही ओले पड़ना— अर्थ-शुरू में ही विघ्न पड़ना कठिनाई आना।
वाक्य प्रयोग— मैंने नया काम शुरू किया और नुकसान हो गया। मेरे तो सिर मुड़ाते ही ओले पड़ गए।

(ग) वाक्य बनाना—

(1) साइकिल— लेखक ने ठान लिया कि साइकिल चलाना सीखेगा।

(2) मदद— लेखक की मद्द तिवारी जी ने की।

(3) नौसिखिया— लेखक ने ताँगे वाले से कहा कि अभी नया चलाना सीखा है, नौसिखिया हैं हम।

(4) दिन— पहले दिन लेखक पाजामा और अचकन उलटे पहनकर चले गए।

कल्पना की उड़ान

(1) साइकिल का अविष्कार सन 1817 में मर्जनी के एक व्यक्ति "कॉन वॉन ड्रैस" ने किया था।

(2) आगे घेरा पीछे घेरा, जंजीर पड़ी है पाँव में। उत्तर— साइकिल

(3) यातायात के नियम के विषय में छात्र कक्षा में चर्चा करेंगे।

(4) दिए गए चित्र में 10 अंतर ढूँढ़िए:

नोट:

(1) घोड़े का रंग
(2) हंटर
(3) लड़की
(4) औरत और लड़की के कपड़ों का रंग
(5) पहिए के बीच की छड़
(6) गिरे हुए व्यक्ति के कपड़ों का रंग
(7) साइकिल का पहिया
(8) पेड़
(9) घोड़े के गले की पट्टी
(10) (घोड़े की आँख)?

पाठ -7
पर्यावरण प्रदूषण

बोलकर बताओ

1. जब वातावरण में दूषित पदार्थ उपस्थित हो जाते हैं, तो वे समस्त जीव-जंतुओं और पर्यावरण को नुकसान पहुँचाते हैं। अर्थात् प्राकृतिक संतुलन में दोष पैदा होना ही प्रदूषण हैं।
2. प्रदूषण चार प्रकार का होता है-जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, भूमि प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण।
3. जल प्रदूषण तब होता है जब विभिन्न हानिकारक पदार्थ किसी जलस्त्रोत, जैसे नदी, तालाब आदि में मिल जाते हैं और उसे दूषित कर देते हैं। जिसे प्रयोग करने से विभिन्न बीमारियाँ (हैजा, पीलिया आदि) उत्पन्न हो जाती हैं।
4. आज यातायात के साधनों में पेट्रोल-डीजल का प्रयोग किया जाता है, जिसका धुआँ वातावरण को दूषित करता है। इसके अलावा उद्योगों की चिमनियों से निकलने वाला धुँआ और विस्फोटक पदार्थों का धुँआ भी वायुमंडल को प्रदूषित करता है।
5. वृक्ष मिट्टी को बाँधकर भूमि की उर्वरता को बढ़ाते हैं। बाढ़ आने पर या तेज हवाओं के चलने पर वृक्ष भूमि की ऊपरी परत को नष्ट होने से बचाते हैं।

लिखकर बताओ

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(1) आधुनिक साधनों को प्राप्त करने की इच्छा में हम मनुष्य अच्छा-बुरा नहीं सोचते और पर्यावरण को दूषित कर देते हैं।

(2) मनुष्य हरे-भरे पेड़ों को काट रहा है। नए उद्योग लगा रहा है। उद्योगों से निकलने वाला धुँआ वायु को प्रदूषित करता है, जिसके कारण शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। पेड़ों के कटने से मौसम का चक्र बिगड़ गया है।

(3) प्लास्टिक न गल पाने के कारण किसी न किसी रूप में अस्तित्व में बना रहता है प्लास्टिक का कचरा भूमि की उर्वरता को घटाता है।

(4) ध्वनि प्रदूषण हमारे काम करने की क्षमता और गुणवत्ता को प्रभावित करता है। इससे हमारे कानों की सुनने की शक्ति कम होती है। इसके कारण उच्च रक्तचाप, मानसिक तनाव जैसी बीमारियाँ होती है।

(5) पर्यावरण प्रदूषण को निम्न प्रकार रोका जा सकता है—

1. जनसंख्या वृद्धि पर नियत्रंण।
2. पेड़-पौधों को कटने से रोकना व वृक्ष लगाना।
3. प्लास्टिक की वस्तुओं का उपयोग बंद करना।
4. वाहनों का कम-से-कम उपयोग करना।
5. मशीन के स्थान पर हाथ से बनी वस्तुओं का उपयोग करना आदि के द्वारा पर्यावरण प्रदूषण को रोका जा सकता है।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

1. जल जीवन का आधार है।
2. उद्योगों से निकलने वाला धुआँ वायु को प्रदूषित करता है।

3. पेड़ के कटने से मौसम का चक्र बिगड़ गया है।
4. हम सभी को पर्यावरण के प्रति जागरूक होना होगा।
5. प्लास्टिक कचरे के रूप में कभी भी गलत नहीं है।

(ग) सही कथन पर सही (8) तथा गलत (3) कथन पर गलत का चिह्न लगाइए—

1. जल धरती के समस्त प्राणियों के जीवन का आधार है। (3)
2. मानव सभ्यता के विकास ने जल प्रदूषण को कम कर दिया है। (8)
3. प्लास्टिक कचरे के रूप में कभी गलता नहीं है। (3)
4. ध्वनि प्रदूषण से हैजा-पीलिया जैसी बीमारियाँ होती है। (8)
5. पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने का एकमात्र उपाय वृक्षों को काटना है। (8)

(घ) किसने कहा, किससे कहा ?

	किसने कहा	किससे कहा?
1. यह तो बहुत चिंता का विषय है।	रीता ने	अध्यापिका से
2. जल प्रदूषण से क्या होता है?	सौरभ ने	अध्यापिका से
3. शहरीकरण और औद्योगीकरण ने नदी-तालाब को दूषित कर दिया है।	संदीप ने	अध्यापिका से
4. प्रदूषण से खाँसी का क्या लेना-देना है।	वैभव ने	अध्यापिका से

(ङ) निम्नलिखित नाट्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

1. (अ) नदी-तालाबों को
2. (ब) रासायनिक
3. (स) समुद्र में
4. (द) अशुद्ध जल से

सोचकर बताओ

1. **प्रदूषण के चार प्रकार निम्न प्रकार हैं—**
(अ) वायु प्रदूषण—जब फैक्ट्रियों, गाड़ियों और धूल-कणों से हवा गंदी हो जाती है, तो उसे वायु प्रदूषण कहते हैं।
(ब) जल प्रदूषण—नदियों, तालाबों व समुद्र में गंदगी और रसायन मिल जाने से जल प्रदूषित हो जाता है।
(स) ध्वनि प्रदूषण—तेज आवाज वाले वाहन, लाउडस्पीकर व पटाखों से होने वाले शोर को ध्वनि प्रदूषण कहते हैं।
(द) भूमि प्रदूषण—प्लास्टिक का कचरा भूमि की उर्वरता को भी घटाता है। खेती में अधिक रासायनिक खाद कारखानों, शहरों से निकली गंदगी और कचरा भूमि को प्रदूषित करते हैं।
2. हमें ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाकर वातावरण को शुद्ध बनाना चाहिए।
कूड़ा-कचरा डस्टबिन में डालें और प्लास्टिक का कम उपयोग करें।
स्वच्छता और कम प्रदूषण से ही प्रकृति हरी-भरी व स्वस्थ रह सकती है।
3. (अ) फल, फूल, लकड़ी और दवाईयाँ भी वृक्षों से मिलती है।
(ब) वृक्ष धरती को ठंडा रखते हैं और वर्षा लाने में मदद करते हैं।
(स) वृक्ष हमें शुद्ध हवा (ऑक्सीजन) देते हैं।
(द) जानवरों और पक्षियों को घर व भोजन वृक्षों से मिलता है।
4. मनुष्य और पेड़-पौधे एक-दूसरे पर निर्भर रहते हैं। पेड़ हमें ऑक्सीजन, फल, लकड़ी और छाया देते हैं। मनुष्य पेड़-पौधों को पानी, खाद और देखभाल देकर उनकी रक्षा करते हैं।

भाषा की बात

1. नीचे दिए गए शब्दों के वचन बदलिए—

नदी	नदियाँ
पौधा	पौधे
नाली	नालियाँ

दवाई	दवाईयाँ
चिमनी	चिमनियाँ
रेलगाड़ी	रेलगाड़ियाँ
कारखाना	कारखानें
बीमारी	बीमारियाँ

2. परि + आवरण से 'पर्यावरण' शब्द बना है। आप भी इसी प्रकार से शब्द बनाइए—
वात + आवरण = वातावरण
अति + अधिक = अत्यधिक
उप + स्थित = उपस्थित
विद्या + आलय = विद्यालय

चित्र

कल्पना की उड़ान

1. चित्र के अनुसार उत्तर—
चित्र में दो बच्चे सफाई करते दिख रहे हैं। एक बच्चा झाड़ू से जमीन साफ कर रहा हैं और दूसरी बच्ची कूड़ा डस्टबिन में डाल रही है।
वे अपने आस-पास के पर्यावरण को स्वच्छ और सुंदर बना रहे हैं।

2. (1) 5 जून
(2) 16 अक्टूबर
(3) 22 मार्च
(4) 11 जुलाई
(5) 22 अप्रैल
(6) 21 जून।

पाठ -8
एक और अभिमन्यु

पाठ की समझ

बोलकर बताओ

1. कोणार्क का सूर्य मंदिर पूर्वी गंग के राजा नृसिंह देव प्रथम ने बनवाया था।
2. सूर्य मंदिर की ऊँचाई लगभग 235 फीट थी।
3. शिबोई एक शिल्पकार था।
4. धर्मपाद विशु का पुत्र था।
5. मंदिर के शिखर पर कलश धर्मपाद ने स्थापित किया।

लिखकर बताओ

(क) प्रश्न-उत्तर—

(1) कोणार्क के सूर्य मंदिर के निर्माण का प्रारंभ सन् 1245 से प्रारंभ हुआ और सन् 1256 ई. तक पूर्ण हुआ।
(2) सूर्य के रथ में 12 जोड़ी महाचक्र लगे हैं। प्रत्येक चक्र की ऊँचाई 3 मीटर है।
(3) इतने ऊँचे मंदिर के शिखर पर कोई भी शिल्पी कलश चढ़ाने का साहस नहीं जुटा पा रहा था और राजा ने भी मंदिर के पूरा नहीं होने पर सभी शिल्पियों को दंड देने की घोषणा कर दी थी यही सभी शिल्पियों की उदासी का कारण था।
(4) दिन के विभिन्न प्रहरों में देखने पर सूर्य प्रतिमा में अलग-अलग अंतर दिखाई दे रहे थे।
प्रात:काल— सूर्य की प्रतिमा शांत, सौम्य और उज्ज्वल दिखाई पड़ती हैं।
दोपहर— सूर्य की किरणों के सीधे पड़ने से प्रतिमा के चेहरे पर कठोरता का भाव दिखता है।
सायंकाल— में सूर्य की किरणों के प्रभाव से थकावट का भाव देखा जा सकता है।
(5) रथ में लगे सात घोड़े सूर्य की किरणों के सात रंगो के प्रतीक हैं।

(ख) रिक्त स्थान —

(1) शुभ मुहूर्त के दिन मन्दिर का शिलान्यास कर दिया गया।
(2) धर्मपाद शिल्पी विशु का पुत्र था
(3) युनेस्को ने सन 1984 में कोणार्क सूर्य-मंदिर को विश्व धरोहर के रूप में मान्यता दी।
(4) नृसिंह देव गंग वंश के राजा थे।
(5) महाचक्रों में बहुत ही बारीक और सुंदर नक्काशी की गई है।

(ग) सही-गलत—

(1) सूर्य मंदिर का प्रधान शिल्पी विशु था। (✗)
(2) कोणार्क मंदिर की कल्पना राजा

नृसिंहदेव ने की थी। (✓)

(3) मंदिर निर्माण में कुल 24 वर्ष लगे थे। (✗)

(4) राजा ने सभी शिल्पियों को दंड दिया था। (✗)

(5) कोणार्क का सूर्य मंदिर भारत के ओडिशा राज्य में स्थित है। (✓)

(घ) मिलान करो—

(आ)	(ब)
धर्मपाद	विशु
शिबोई	प्रधान
शिखर	कलश
यूनेस्को	विश्व धरोहर
शुभ मुहूर्त	शिलान्यास

(ड़) गद्यांश पर आधारित प्रश्न—

(1) कोणार्क का सूर्य मंदिर स्थित है –

उत्तर. ओडिशा में।

(2) कला और कौशल का एक अद्‌भुत नमूना है –

उत्तर. कोणार्क का सूर्य मन्दिर।

(3) पुरी शहर से सूर्य मंदिर की दूरी है –

उत्तर. पैंत्तीस किलोमीटर।

(4) वर्तमान में मंदिर से सागर तट खिसक गया है –

उत्तर. दो किलोमीटर।

सोचकर बताओ

1. अपनी कल्पना को साकार करने के लिए राजा ने कोणार्क में भव्य सूर्य मंदिन बनवाया, जिससे सूर्य की पहली किरण सीधे गर्भगृह में पड़े।
2. किसी इमारत या निर्माण की मजबूती उसकी नींव पर टिकी होती है।
3. सूर्य मंदिर की सबसे अनूठी विशेषता है कि कोणार्क मंदिर की वास्तुकला अत्यंत भव्य एवं अद्वितीय है।
4. सूर्य रथ में जुड़े पहिए काल (समय) के प्रतीक, घोड़े ऊर्जा और तीलियाँ महीनों के प्रतीक माने गए हैं। यह पूरी तरह से ठीक है, क्योंकि यह सूर्य की गति और समय की निंरतरता को दर्शाती है।
5. धर्मपाद एक आज्ञाकारी और धर्मनिष्ठ पुत्र था।

भाषा की समझ

(1) एकवचन से बहुवचन बनाइए—

लहर – लहरें	किरण – किरणें
बात – बातें	कला – कलाएं
मूर्ति – मूर्तियाँ	धरोहर – धरोहरें
लता – लताएँ	प्रतिमा – प्रतिमाएँ
सीढी – सीढ़ियाँ	

(2) विशेषण विशेष्य छाँटिए—

	विशेषण	विशेष्य
बारह महीने	बारह	महीने
ऊँचा मंदिर	ऊँचा	मन्दिर
प्रसद्धि शिल्पी	प्रसिद्ध	शिल्पी
प्रतापी राजा	प्रतापी	राजा
सुनहरी रंगत	सुनहरी	रंगत

(3) संज्ञा शब्दों को रेखांकित कीजिए—

मन्दिर, सागर तट, द्वारा, सीढियों, सागर, लहरें, सूर्योदय, सूर्य, किरण, सूर्यदेव, प्रतिमा, चरणों

(4) मुहावरे का अर्थ व वाक्य प्रयोग—

(1) हड़बड़ा जाना– अर्थ घबरा जाना।
वाक्य प्रयोग– परीक्षा में समय कम देखकर वह हड़बड़ा गया।

(2) अमर होना– अर्थ सदा के लिए प्रसिद्ध होना।
वाक्य प्रयोग– धर्मपाद का बलिदान उसे अमर कर गया।

(3) पदचिन्हों पर चलना– अर्थ किसी के मार्ग का अनुसरण करना।
वाक्य प्रयोग– वह अपने पिता के पदचिन्हों पर चल रहा है।

(4) निहाल हो जाना– अर्थ अत्यंत प्रसन्न होना।
वाक्य प्रयोग– राजा मन्दिर को देखकर निहाल हो गया।

(5) शब्दों का वाक्य प्रयोग—

(1) मन्दिर– कोणार्क का सूर्य मंदिर बहुत भव्य है।

(2) सागर– मन्दिर पहले सागर के बहुत पास था।

(3) नक्काशी– मन्दिर की दीवारों पर सुंदर नक्काशी की गई है।

(4) कल्पना– राजा नृसिंह देव की कल्पना अद्‌भुत थी।

कल्पना की उड़ान

(1) विश्व धरोहर की सूची–

(1) कोणार्क सूर्य मंदिर
(2) ताजमहल
(3) कुतुब मीनार
(4) अजंता ऐलोरा की गुफाएँ
(5) महाबलीपुरम के स्मारक
(6) सांची का स्तूप
(7) काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान

(2) मित्र को पत्र–

प्रिय मित्र,
सौरभ
नमस्ते! मित्र यहाँ सब कुशल हैं। आशा करता हूँ कि वहाँ पर भी सभी कुशल होंगे। मित्र मैं तुम्हें मेरे घर के पास स्थित एक सुंदर मंदिर के बारे में बताना चाहता हूँ। यह मंदिर बहुत प्राचीन है और वहाँ की मूर्तियाँ और वातावरण बहुत ही शांतिपूर्ण है। जब तुम मेरे पास आओगे तब मैं तुम्हें या मंदिर दिखाकर लाऊँगा। तुम्हें यह मंदिर देखकर बहुत अच्छा लगेगा। आगे का वर्णन मैं तुमसे मिलकर करता हूँ। अंकल, आंटी को मेरा प्रणाम कहना।
तुम्हारा मित्र
राम

(2) अभिमन्यु के बारे में अध्यापक, माता-पिता से जानकारी प्राप्त करें।

(4) धर्मपाद और अभिमन्यु की समानताएँ–

★ दोनों ने कम उम्र में वीरता दिखाई।
★ दोनों ने साहसपूर्वक कार्य किया।
★ दोनों ने बलिदान दिया।
★ दोनों का नाम अमर हो गया।
(इसके अतिरिक्त समानताओं के विषय में कक्षा में चर्चा करें)

(5) समय, मौसम, देखभाल की कमी और प्राकृतिक आपदाओं के कारण प्राचीन निर्माण जीर्ण हो जाते हैं।

(6) चित्रों में दिए गए स्थलों के नाम

1. धर्मचक्र प्रवर्तन स्थल (सारनाथ)
2. कांचीपुरम्
3. विजय स्तंभ (चित्तौड़गढ़)
4. सांची स्तूप
5. बृहदेश्वर मंदिर
6. एलोरा की गुफाएँ
7. हवा महल

पाठ -9
बालक की चाह

पाठ की समझ

बोलकर बताओ

1. बालक अपनी माँ को संबोधित कर अपनी बात कह रहा है।
2. बालक यमुना के किनारे कदम्ब का पेड़ चाहता है।
3. बालक श्रीकृष्ण का वेश धारण कर पेड़ की डाली पर बैठना चाहता है।
4. पेड़ से नीचे उतरने पर माँ बालक से मिठाई, नए खिलौने, माखन-मिश्री, दूध-मलाई देने का प्रलोभन देती है।
5. बालक बाँसुरी बजाना चाहता है।

लिखकर बताओ

(क) प्रश्न-उत्तर–

(1) बाँसुरी बजाकर बालक अपनी माँ को बुलाना चाहता है।
(2) माँ तब व्याकुल हो जाती है जब वह बालक को पेड़ पर नहीं देख पाती और समझती है कि वह कहीं गिर न जाए।
(3) माँ को खुश करने के लिए बालक बाँसुरी बजाकर माँ को बुलाना चाहता है।
(4) जब वह ऊँचे पेड़ पर चढ़ा होता है और नीचे नहीं उतरता, तब माँ क्रोधित होकर बेटे को डाँटती है।
(5) आँचल फैलाकर माँ ईश्वर से विनती करती है कि उसका बेटा सुरिक्षत पेड़ से नीचे उतर आए।

(ख) पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

(1) तुम घबराकर आँख खोलती, पर खुश हो जाती।
(2) जब अपने मुन्ना राजा को, गोदी में ही पातीं।
(3) इसी तरह कुछ खेला करते हम-तुम धीरे-धीरे।
(4) यह कदम्ब का पेड़ अगर माँ होता यमुना तीरे।

(ग) सही-गलत—

(1) बालक गंगा किनारे कदम्ब के पेड़ पर चढना चाहता है। (✗)
(2) पेड़ पर ऊँचे चढ़ने से बालक की माँ खुश होती है। (✗)
(3) नीचे उतरने के लिए माँ खिलौने, मिठाइयाँ देने के लिए कहती है। (✓)
(4) माँ आँख खोलकर भगवान से विनय करती है। (✗)
(5) कदंब के पेड़ पर बैठकर बालक डमरू बजाना चाहता है। (✗)

(घ) मिलान करो—

(आ)	(ब)
आँचल	फैलाकर
यमुना	तीरे
मुन्ना	राजा
कदंब	पेड़
हृदय	विकल

(ड़) पंक्ति का भावार्थ—

भावार्थ— माँ जब चारों ओर देखती है और मुझे कहीं नहीं पाती तो बहुत चकित और व्याकुल हो जाती है। वह कदंब के पेड़ के नीचे आती है। जब पत्तों की सरसराहट सुनकर ऊपर देखती है, तो मुझे ऊँची डाली पर देखकर डर जाती है कि कहीं कुछ हो न जाए।

सोचकर बताओ

1. छात्र स्वयं उत्तर दें।
2. छात्र स्वयं उत्तर दें।
3. छात्र स्वयं उत्तर दें।
4. छात्र स्वयं उत्तर दें।
5. छात्र स्वयं उत्तर दें।

भाषा की समझ

(1) अनुस्वार अथवा अनुनासिक लगाइए—

वंशी	बाँसुरी	हँसना
माँ	ऊँचा	आँखें

(2) विलोम शब्द—

धीरे - जल्दी	बैठी - उठी
नीची - ऊँची	बाहर - अंदर
हँसना - रोना	खुश - दु:खी

(3) पर्यायवाची शब्द—

कृष्णवेणी यमुना— कालिंदी, सुरसरि
पादप पेड़— वृक्ष, तरू
माँ— अम्बा, जननी, माता
भाई— भ्राता, सहोदर अनुज

(4) एकवचन से बहुवचन बनाइए—

पत्ता - पत्ते	बाँसुरी - बाँसुरियाँ
डाल - डालें	नदी - नदियाँ
माला - मालाएँ	पुत्री - पुत्रियाँ

कल्पना की उड़ान

(1) छात्र कविता को लय के साथ कक्षा में सुनायेंगे।
(2) पत्तों की आवाज— मर् - मर् - मर् - मर्
नदी की आवाज— कल- कल, छल- छल
बादलों की आवाज— गड़-गड़, गर्जन
आँधी चलने की आवाज— हूँ-हूँ, स्वर्रर्र
(3) छात्र श्रीकृष्ण की बाल-लीलाओं के बारे में जानकारी स्वयं प्राप्त करेंगे।
(4) **चित्रों में अंतर—**
(1) सूट का प्रिंट
(2) चुन्नी
(3) पत्थर
(4) पेंट का रंग
(5) शर्ट का रंग
(6) फल
(7) घास
(8) बालक का पैर

पाठ -10
आहार-विहार

पाठ की समझ

बोलकर बताओ

1. पत्र भेजने वाले का नाम अनुराग है और पत्र

प्राप्त करने वाले का नाम आदित्य है।

2. यह पत्र वातावरण में होने वाले परिवर्तन नियमित दिनचर्या और पोषक भोजन से हमारा शरीर और मन स्वस्थ रखने की जानकारी, रोगों से बचाव और जीवन में सक्रिय रहने की जानकारी देता है।
3. प्रस्तुत पाठ साहित्य की "पत्र लेखन" विधा के अन्तर्गत आता है।
4. संतुलित आहार-विहार का अर्थ है समय पर पोषक भोजन करना और रोज व्यायाम करना जिससे शरीर और मन स्वस्थ रहता है।
5. इस पाठ से हमें यह सीख मिलती है कि नियमित दिनचर्या अपनानी चाहिए, पोषक भोजन लेना चाहिए और योग-व्यायाम करना चाहिए।

लिखकर बताओ

(क) प्रश्न-उत्तर—

(1) नियमित दिनचर्या तथा पौष्टिक भोजन से हमारा शरीर और मन स्वस्थ रहता है। इससे हम रोगों से बच सकते हैं और जीवन में सक्रिय रह सकते हैं।

(2) आहार का अर्थ है— शरीर के लिए आवश्यक भोजन, जो शरीर को पोषण और ऊर्जा देता है।

(3) विहार का अर्थ है— शरीर को स्वस्थ रखने के लिए की जाने वाली गतिविधियाँ, जैसे-व्यायाम, योग, टहलना आदि

(4) बुखार, खाँसी एवं जुकाम जैसी बीमारियाँ अधिकतर वर्षा ऋतु और सर्दियों में होती हैं।

(5) योग-व्यायाम से शरीर मजबूत होता है, मन शांत रहता है और बीमारियों से बचाव होता है।

(ख) रिक्त स्थान—

(1) समय पर ही भोजन करना चाहिए।

(2) पौष्टिक और संतुलित भोजन हमें ऊर्जा प्रदान करता है।

(3) अधिक खा लेने से वायु-विकार होता है।

(4) भोजन में मौसमी फल शामिल करना चाहिए।

(5) प्रातः काल उठकर मैदान, पार्क या बगीचें में टहलना चाहिए।

(ग) सही-गलत—

(1) नींद पूरी लेने के लिए हमें सुबह देर तक सोना चाहिए। (✗)

(2) बाजार की तली-भुनी चीजें स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होती हैं। (✗)

(3) योग-व्यायाम से शरीरिक एंव मानसिक स्वस्थ्य ठीक रहता है।(✓)

(4) अनियमित दिनचर्या स्वस्थ जीवन का आवश्यक अंग है। (✗)

(5) भोजन में हरी सब्जियाँ और मौसमी फल भी सम्मिलित करने चाहिए। (✓)

(घ) मिलान करो—

(अ)	(ब)
आहार	विहार
मौसमी	फल
योग	व्यायाम
अनियमित	दिनचर्या
संतुलित	भोजन

(ड़) गद्यांश पर आधारित प्रश्न—

(1) बीमारी एक कारण है—

उत्तर. अनियमित दिनचर्या

(2) रात में देर तक जागना और सुबह देर तक सोते रहना कैसी आदत है?

उत्तर. बुरी

(3) मन और शरीर को तरोताजा करती है।

उत्तर. स्वच्छ वायु

(4) आदमी दिनभर प्रसन्नचित रहता है—

उत्तर. प्रातः स्वच्छ वायु में टहलने से

सोचकर बताओ

1. हमें स्वस्थ रहने के लिए संतुलित आहार लेना चाहिए। नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए और समय पर सो कर समय पर उठना चाहिए।
2. मैं अपने आस-पास सफाई इसलिए रखता हूँ क्योंकि इससे हम बीमारियों से बचते हैं। स्वच्छ वातावरण में मन प्रसन्न रहता है और स्वास्थ्य भी अच्छा बना रहता है।

3. प्रात: काल उठना अच्छा होता है क्योंकि सुबह की ताजी हवा स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होती है और दिनभर ऊर्जा बनी रहती है।
4. रक्त संचालन और स्वास्थ्य के लिए स्वस्थ भोजन, रोज व्यायाम, पर्याप्त पानी पीना, तनाव कम करना, अच्छी नींद लेना और धूम्रपान-शराब से बचना चाहिए।
5. संतुलित भोजन में फल-सब्जियाँ, अनाज, प्रोटीन (दाल, माँस, दूध) और थोड़ा तेल,-घी शामिल करना चाहिए।

भाषा की समझ

(1) **विलोम शब्द—**

अनियमित - नियमित   अंत - प्रारंभ
बहुत - कम   उचित - अनुचित
आवश्यक - आनवश्यक   स्वस्थ - अस्वथ्य

(2) **शुद्ध वर्तनी पर गोला बनाइए—**

बिमारी   प्रभावीत   अनुपात   सतुंलित

दिनचर्या   भौजन   मोसमी   शामील

(3) **एकवचन से बहुवचन बनाइए—**

(1) उसने— उसने समय पर भोजन किया।
(2) मुझे— मुझे पार्क में टहलना चाहिए।
(3) वह— वह रोज योग करता है।,
(4) वे— वे सब पार्क जाते हैं।

कल्पना की उड़ान

(1) ★ पेड़ पौधों को ऊर्जा सूर्य की रोशनी से मिलती है।
★ मोटरगाड़ी को ऊर्जा ईंधन (पेट्रोल/डीजल/बिजली) से मिलती है।
★ कल— कारखानों को ऊर्जा बिजली, डीजल या अन्य ऊर्जा स्त्रोतों से मिलती है।

(2) छात्र स्वयं करें।
(3) छात्र अपने दैनिक क्रियाकलापों की तालिका स्वयं बनाए।
(4) **चित्रों देखकर सही कार्यों पर टिक लगाइए—**

✓

✓   ✓

पाठ -11
कितने घोड़े

पाठ की समझ

बोलकर बताओ

1. प्रसेनजित कौशल देश के राजा थे।
2. राजा ने एक दिन वन विहार पर जाने का विचार किया।
3. राजा ने श्रमिक को पहाड़ी के पास जाकर यह जानने भेजा कि वहाँ कैसी आवाजें आ रही हैं।
4. पहाड़ी से लौटने पर श्रमिक ने राजा को बताया कि वहाँ दस घोड़े हैं और तीन घोडियाँ हैं। पाँच काले रंग के हैं और पाँच भूरे।
5. अंत में श्रमिक को समझ आया कि हर इंसान की योग्यता अलग होती है और सभी कार्यों का अपना-अपना महत्व होता है।

लिखकर बताओ

(क) प्रश्न-उत्तर—

(1) राजा प्रसेनजित वनविहार के लिए मंत्रियों के साथ गए।
(2) राजा को सोया हुआ जानकर एक श्रमिक ने दूसरे श्रमिक से कहा कि— देखों कैसा न्याय है, हम धूप में पसीना बहा रहे हैं और मंत्री आराम कर रहें हैं, हम भी इंसान हैं।
(3) मंत्री छाँव में बैठकर आराम कर रहे थे और श्रमिक धूप में काम कर रहे थे। इसलिए श्रमिक को लगा कि राजा और मंत्रीगण मेहनत नहीं करते हैं।
(4) राजा ने श्रमिक को चार बार पहाड़ी के उस पार भेजा।

(5) राजा के प्रश्नों के उत्तर देने के लिए मंत्री पहाड़ी के पार गया और एक ही बार में सारी जानकारी लेकर लौट आया।

(ख) रिक्त स्थान—

(1) अपने माथे का पसीना पोंछते हुए दूसरे श्रमिक ने कहा।

(2) राजा ने मंत्री को घोड़े खरीदने के लिए भेज दिया।

(3) शिविर से लगी एक छोटी पहाड़ी थी।

(4) राजा प्रसेनजित प्रजावत्सल और धर्मात्मा थे।

(5) श्रमिक राजा की आज्ञा पाकर तुरंत पहाड़ी पर चढ़कर दूसरी ओर गया।

(ग) सही-गलत—

(1) राजा के साथ दस-बारह मंत्री भी वन-विहार के लिए गए। (✓)

(2) पहाड़ी के पार राजा को गायों के रँभाने कि आवाजें सुनाई दी। (✗)

(3) मंत्री ने दो बार जाकर ही पूरी जानकारी कर ली। (✗)

(4) राजा की न्यायपरायणता के चर्चे दूर-दूर तक फैले थे। (✓)

(5) राजा ने श्रमिक को समझाने का निश्चय किया। (✓)

(घ) कहानी को सही क्रम में लिखिए—

(1) कौशल देश के राजा प्रसेनजित थे।

(2) राजा ने पहाड़ी के पास कुछ आवाजें सुनी।

(3) चौथी बार वह फिर हाँफता हुआ पहाड़ी पर गया।

(4) अब राजा ने इशारे से एक मंत्री को बुलाया।

(5) राजा ने मंत्री को घोड़े खरीदने के लिए कह दिया।

(6) श्रमिक ने सिर झुका लिया।

(ड़) गद्यांश पर आधारित प्रश्न—

(1) राजा के सभी प्रश्नों का सटीक उत्तर दिया।

उत्तर. मंत्री ने।

(2) मंत्री ने सारी जानकारी प्राप्त कर ली।

उत्तर. एक बार में।

(3) लोग किसके कारण मंत्री व श्रमिक बनते हैं?

उत्तर. बुद्धि।

(4) किसने अपना सिर झुका लिया?

उत्तर. श्रमिक ने।

सोचकर बताओ

1. मेरे घर में माँ स्वादिष्ट भोजन बनाती हैं।
2. मैं अपनी माँ के कुछ-कुछ कामों में हाथ बाँट सकता हूँ, लेकिन सभी काम नहीं कर सकता।
3. पिताजी बाहर के काम करते हैं, माताजी घर के काम करती हैं।
4. कहानी सुनाना, स्वेटर बुनना, खाना बनाना।
5. यदि में श्रमिक की जगह होता, तो मैं कोशिश करता कि सब ध्यान से देखकर एक बार में सारी जानकारी लाऊँ।

भाषा की समझ

(1) लिंग बदलिए—

राजा - रानी	घोड़ी - घोड़ा
पहाड़ी - पहाड़	नौकर - नौकरानी
लड़का - लड़की	सेठ - सेठानी

(2) सर्वनाम शब्दों को रेखांकित कीजिए—

(1) उसने शर्म से सिर झुका लिया।

(2) राजा ने मंत्री को बुलाया और उससे कहा।

(3) उन्होंने सुन्दर स्थान देखा।

(4) मुझे वन में डर लगने लगा।

(3) विराम चिन्हों का प्रयोग

राजा ने श्रमिक की ओर देखकर कहा, "मेरे प्रश्नों का उत्तर देने के लिए तुमने चार बार पहाड़ी को पार किया। कितना परिश्रम करना पड़ा! ठीक है।" और देखो मंत्री ने एक ही बार जाकर सारी जानकारी प्राप्त कर ली।

(4) मुहावरे का अर्थ व वाक्य प्रयोग—

(1) उल्टे पाँव भागना— अर्थ डरकर या जल्दी में भाग जाना।
वाक्य प्रयोग— चोर पुलिस को

देखकर उल्टे पाँव भाग गया।

(2) सबक सिखाना— किसी को अच्छी सीखा देना।
वाक्य प्रयोग— उसने बदमाश को सबक सिखा दिया।

(3) आकाश पाताल एक करना— अर्थ हर तरफ ढूँढ़ना।
वाक्य प्रयोग— मैने तुम्हारी किताब के लिए आकाश पाताल एक कर दिया।

कल्पना की उड़ान

(1) छात्र तेनालीराम और बीरबल की कहानी पढ़ेंगे।

(2) छात्र स्वयं करें।

पाठ -12
महान् वैज्ञानिक-चन्द्रशेखर वेंकटरमन

पाठ की समझ

बोलकर बताओ

1. चन्द्रेशेखर वेंकटरमन का जन्म त्रिचनापल्ली (दक्षिण भारत) में हुआ था।
2. रमन ने 12 वर्ष की आयु में मैट्रिक परीक्षा पास की।
3. उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने मद्रास के प्रेसीडेंसी कॉलेज में दाखिला लिया।
4. अंग्रेज सरकार ने रमन को "सर की उपाधि" से सम्मानित किया।
5. रमन का निधन 21 नवम्बर 1970 को बंगलौर (कर्नाटक) में हुआ था।

लिखकर बताओ

(क) प्रश्न-उत्तर—

(1) रमन का जन्म 7 नवम्बर 1888 को त्रिचनापल्ली में हुआ था।

(2) रमन ने एम.ए. "भौतिकी" में अठारह वर्ष की आयु में उत्तीर्ण किया।

(3) रमन पंद्रह वर्ष की उम्र में प्रेसीडेंसी कॉलेज मद्रास में उच्च शिक्षा के लिए प्रविष्ट हुआ।

(4) सबसे पहले रमन कोलकाता में उप-महालेखपाल के पद पर नियुक्त हुए।

(5) सी.वी. रमन को रमन प्रभाव की खोज के लिए नोबेल पुरस्कार मिला।

(ख) रिक्त स्थान—

(1) मात्र 12 वर्ष की उम्र में ही मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की।

(2) सन् 1907 ई. में रमन उप-महालेखपाल नियुक्त हुए।

(3) सन् 1921 में विज्ञान सम्मेलन में भाग लेने इंग्लैण्ड गए।

(4) रवीन्द्र नाथ ठाकुर के बाद रमन दूसरे भारतीय थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार मिला।

(5) सन् 1933 में "भारतीय विज्ञान बंगलौर" के निर्देशक नियुक्त किए गए।

(ग) सही-गलत—

(1) चन्द्रशेखर वेंकट रमन का मन बचपन में पढ़ाई-लिखाई में नहीं लगता था। (✗)

(2) रमन के पिताजी एक प्रसिद्ध जमींदार थे। (✗)

(3) रमन ने 15 वर्ष की अवस्था में उच्च शिक्षा के लिए प्रेसीडेंसी कॉलेज में प्रवेश लिया। (✓)

(4) 'रमन प्रभाव' पर दुनिया में अनेक प्रयोग हुए। (✓)

(5) रमन ने अपनी सर की उपाधि लौटा दी थी। (✗)

(घ) काहनी को सही क्रम में लिखिए—

(क)	(ख)
7 नवम्बर 1888	जन्म लिया।
सन् 1904	स्नातक किया।
सन् 1907	उप-महालेखपाल नियुक्त हुए।
सन् 1921	ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय गए
सन् 1930	नोबेल पुरस्कार

(ङ) गद्यांश पर आधारित प्रश्न—

(1) रमन ने अपने प्रयोगों की सफलता की घोषणा की—

उत्तर. 1928 में

(2) कितने महीने परिश्रम के बाद सफलता मिली—

उत्तर. चार महीने

(3) रमन की खोज को किस नाम से जाना जाता है?

उत्तर. रमन प्रभाव

(4) रमन के अलावा किस भारतीय को नोबेल पुरस्कार मिला?

उत्तर. रवीन्द्र नाथ ठाकुर को

सोचकर बताओ

1. भारत रत्न पुरस्कार भारत सरकार द्वारा उन महान व्यक्तियों को दिया गया जाता है, जिन्होने देश के लिए अत्यन्त महात्वपूर्ण कार्य किए हों।
2. लगन, परिश्रम और प्रतिभा से कोई भी व्यक्ति महान उपलब्धियाँ प्राप्त कर सकता है।
3. वेंकटरमन को विज्ञान के अलावा संगीत और आद्य-यंत्रों में भी रूचि थी।
4. छात्र स्वयं उत्तर दें।
5. मेहनत, लगन, आत्मविश्वास और धैर्य।

भाषा की समझ

(1) विदेशी शब्द— प्रयोगशाला, सम्मेलन, नोबेल, प्रयोग

(2) विशेषण विशेष्य छाँटिए—

शब्द	विशेषण	विशेष्य
नीला पानी	नीला	पानी
गहरा समुद्र	गहरा	समुद्र
विचारशील बालक	विचारशील	बालक
नए आविष्कार	नए	आविष्कार
महान वैज्ञानिक	महान	वैज्ञानिक

(3) पुल्लिंग स्त्रीलिंग के शब्दों को छाँटकर लिखिए—

स्त्रीलिंग	पुल्लिंग
किरण	पुरस्कार
खोज	प्रकाश
डिग्री	नीला
चर्चा	पानी

(4) समास विग्रह करके समास का नाम लिखिए—

शब्द	समास विग्रह	समास का नाम
माता-पिता	माता और पिता	द्वन्द समास
भारत रत्न	भारत का रत्न	तत्पुरुष समास
विज्ञान रत्न	विज्ञान का रत्न	तत्पुरुष समास

(5) **वाक्य प्रयोग—**

(1) अनूठा— रमन की खोज अनूठी है।

(2) लगाव— उन्हें विज्ञान से बहुत लगाव था।

(3) अविष्कार— उनका अविष्कार रमन प्रभाव कहलाया।

(2) सागर— उन्होंने सागर के पानी के रंग पर ध्यान दिया।

कल्पना की उड़ान

(1) नीचे दिए गए चित्रों को पहचानिए। इन सभी को नोबेल पुरस्कार मिल चुका है। चित्र के नीचे उनका नाम लिखिए बताइए कि उनकों किस क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ।

1. नाम—रवीन्द्रनाथ ठाकुर
   क्षेत्र—साहित्य
2. नाम—मदर टेरेसा
   क्षेत्र—शान्ति
3. नाम—अमर्त्य सेन
   क्षेत्र—अर्थशास्त्र
4. नाम—सी. वी. रमन
   क्षेत्र—भौतिकी

(2) नोबेल पुरस्कार अल्फ्रेड नोबेल नामक स्वीडिश वैज्ञानिक के नाम पर दिया जाता है।

(3) एक किरण प्रिज्म में प्रवेश करती है और दो या अधिक रंगों की किरणें बाहर निकलती हैं— यह प्रकाश का विकिरण है।

पाठ -13
छोटा लड़का

पाठ की समझ

बोलकर बताओ

1. बहुत पहले मानव जंगलों में रहता था।

2. हमारे पूर्वज कंद, मूल फल खाकर जीवन बिताते थे।
3. एक खिलाड़ी लड़के ने पेड़ की टहनी लेकर पानी में फेंकी और देखा कि वह तैर रही है।
4. हाँ टहनी को तैरते देखकर सभी लड़के खुश हो गए और खेल में शामिल हो गए।
5. जब टहनी तैरती रही और डूबी नहीं, तो सबको अचंभा हुआ।

लिखकर बताओ

(क) प्रश्न-उत्तर—

(1) नदी पार करने पर लोग सोचते थे कि बिना नाम के नदी कैसे पार करें, इसलिए लोग नदी पार करने से डरते थे।
(2) पानी में लकड़ी डालते ही लकड़ी पानी में तैरने लगी, डूबी नहीं।
(3) लकड़ी के बाद बच्चों ने बड़े पेड़ की शाखाएँ और तने पानी में तैराए।
(4) नदी में शान से तना तैरने लगा।
(5) मनुष्यों ने सागर को जीत लिया है।

(ख) पंक्तियाँ पूर्ण करो—

(1) अगर नहीं वह छोटा लड़का टहनी को तैराता।
(2) उसके बाद गया तैराया, बड़े तने का कट्ठा।
(3) लड़के सब हो गए इकट्ठे, करने को खिलवाड़।
(4) लगे फेंकने लंबी शाखें, पीपल हो या ताड़।

(ग) सही-गलत—

(1) छोटी-छोटी नावें पानी पर अठखेलियाँ करती हैं। (✓)
(2) एक लड़के ने नदी में पत्थर का टुकड़ा फेंका। (✗)
(3) समुद्र में हवाई जहाज तैरते हैं। (✗)
(4) मनुष्य के पूर्वज कंदमूल-फल खाकर भूख-मिटाते थे। (✓)
(5) नावें बनने के बाद मानव पानी से डरने लगा।(✗)

(घ) सुमेलन कहानी—

(क)	(ख)
रहा तैरता	बड़ी शान से
बड़े पेड़	का तना काटने
बनने लगी	तभी से नावें
छोटा लड़का	टहनी को तैराता
छोटी-छोटी	नावें देखो

(ड़) पंक्तियों का भावार्थ—

कवि कहता है कि आज मनुष्य ने समंदर पर भी विजय पा ली है। उसके जहाज बड़ी ताकत से पानी को चीरते हुए चलते हैं। लेकिन अगर वह छोटा लड़का टहनी को पानी में तैराने का प्रयोग न करता, तो शायद नावें और जहाज न बन पाते।

सोचकर बताओ

1. पुराने समय में जब नावें नहीं थीं, तब लोग नदियाँ तैरकर, पेड़ की टहनियों या तनों पर चढ़कर या फिर पत्थरों के सहारे पार करते होंगें
2. सागर को जीतने का अभिप्राय है— मनुष्य ने नाव और जहाज बनाकर समुद्र में आना जाना शुरू कर दिया और उस पर नियंत्रण पा लिया।
3. **पानी पर तैरने वाली चार वस्तुओं के नाम—**

(1) नाव (2) टहनी
(3) जहाज (4) लकड़ी का तना

4. हमारे पूर्वज नई खोज के लिए इसलिए प्रेरित होते थे क्योंकि उन्हें जीवन को आसान बनाने और समस्याओं का हल निकालने की जरूरत होती थी।

भाषा की समझ

(1)

कहानी-रानी	नीर-वीर
टहनी-रहनी	कराती-जाती
सफते-रखते	सारा-हमारा

(2) दो अर्थ वाले शब्दों के वाक्य प्रयोग—

(1) तीर—

अर्थ-1— धनुष से छोड़ा जाने वाला हथियार।
वाक्य— राम ने रावण पर तीर चलाया।
अर्थ-2— नदी या तालाब का किनारा
वाक्य— बच्चे, नदी के तीर पर खेल रहे थे।

(2) **फल—**
अर्थ-1— पेड़ पर लगने वाला मीठा खाद्य पदार्थ।
वाक्य— आम एक स्वादिष्ट फल है।
अर्थ-2— किसी काम का परिणाम।
वाक्य— मेहनत का फल हमेशा मीठा होता है।

(3) **पत्र—**
अर्थ-1— चिट्ठी या संदेश
वाक्य— उसने अपने दोस्त को एक पत्र लिखा।
अर्थ-2— पत्ते
वाक्य— पेड़ के पत्ते हवा में उड़ रहे थे।

(3) **पर्यायवाची शब्द—**
शाखा— टहनी, डाल, शाख
वृक्ष— पेड़, तरू, पादप
जल— पानी, नीर, वारि
मानव— मनुष्य, आदमी, नर

(4) **वि उपसर्ग वाले शब्द—**
विकास, विचार, विशेष, विरोध

(5) **क्रिया शब्दों को रेखांकित कीजिए—**
(1) एक खिलाड़ी लड़के ने नदी में टहनी तैराई।
(2) लकड़ी का मोटा तना पानी में तैरने लगा।
(3) सभी बच्चे नदी किनारे खेलने लगे।
(4) बालक नदी पार कर रहा है।

कल्पना की उड़ान

(1) छात्र कक्षा में कविता का सस्वर वाचन करेंगे।
(2) छात्र स्वयं करें।
(3) छात्र एक नाव बनाइए। (मोडल)
(4) छात्र नाव का एक चित्र बनाइए।

पाठ -14
चूहे खा गए तराजू

पाठ की समझ

बोलकर बताओ

1. व्यापार में लगातार घाटा होने के कारण व्यापारी ऋण में डूब गया।
2. व्यापारी व्यापार करने और धन कमाने के लिए दूसरे नगर गया।
3. व्यापारी ने अपने खानदानी लोहे के तराजू को मित्र के पास रख दिया।
4. व्यापारी के मित्र के मन में बेईमानी का भाव आया।
5. व्यापारी ने राम लाल को अपने एक पड़ोसी के घर सुरक्षित रख दिया।

लिखकर बताओ

(क) प्रश्न-उत्तर—
(1) व्यापार में घाटे के कारण व्यापारी भारी ऋण में डूब गया और उसे अपनी सारी संपत्ति बेचनी पड़ी।
(2) दूसरे नगर में व्यापार करके व्यापारी ने खूब धन कमाया और ऋण चुकाया।
(3) वह तराजू खानदानी था, इसलिए उसने उसे बेचना उचित नहीं समझा।
(4) व्यापारी ने चतुराई से अपने मित्र के पुत्र को छिपा दिया और झूठ बोलकर न्यायाधीश के सामने मामला रखा।
(5) न्यायाधीश ने व्यापारी के मित्र को तराजू लौटाने का आदेश दिया और व्यापारी के मित्र को उसका बेटा वापस मिल गया।

(ख) रिक्त स्थान
(1) लड़के को एक पक्षी उठाकर कैसे लेकर जा सकता है।
(2) जैसे को तैसा करना ही उचित है।
(3) यह हमारा पीढ़ियों से चला आ रहा तराजू है।
(4) व्यापारी ने अपनी संपत्ति बेचकर सारा ऋण चुकाया।
(5) दुर्भाग्य कभी किसी को सूचना देकर नही आता।

(ग) सही-गलत—
(1) व्यापारी जुए की लत के कारण ऋण में डूब गया। (✗)
(2) ऋण मुक्त होने हेतु व्यापारी को अपनी संपत्ति बेचनी पड़ी। (✓)
(3) तराजू देखकर मित्र के मन में बेईमानी आ गई। (✓)

(4) शठ व्यक्ति के साथ शठता करना अनुचित नहीं होता। (✓)

(5) तराजू प्राप्त करने के लिए व्यापारी ने मित्र को ही बंधक बना लिया।(✗)

(घ) किसने किससे कहा—

	किसने कहा	किससे कहा
(1)	व्यापारी ने	मित्र से कहा
(2)	मित्र ने	व्यापारी से कहा
(3)	न्यायाधीश ने	व्यापारी से कहा

(ङ) गद्यांश पर आधारित प्रश्न—

(1) धनाढ्य व्यापारी रहता था—

उत्तर. नगर में

(2) व्यापारी ऋण में डूब गया—

उत्तर. घाटे पर घाटा होने के कारण

(3) व्यापारी के पास संपत्ति के नाम पर था—

उत्तर. लोहे का तराजू

(4) व्यापारी ने अपनी सारी संपत्ति बेच दी—

उत्तर. ऋण मुक्त होने के लिए

सोचकर बताओ

1. दूसरों को धोखा देना पाप है क्योंकि इससे दूसरों का विश्वास टूटता है और समाज में बुराई फैलाती है।
2. संकट के समय हमें मित्रों की सहायता करनी चाहिए क्योंकि यही सच्चे मानवीय गुण हैं।
3. कभी-कभी अन्याय के जवाब में चतुराई से काम लेना जरूरी होता है, लेकिन हमें न्यायप्रिय और ईमानदार रहना चाहिए।
4. पाठ में निहित संदेश यह है कि बेईमानी का अंत बुरा होता है और चतुराई से न्याय पाया जा सकता है।
5. ईमानदारी से विश्वास बनता है और समाज में सम्मान प्राप्त होता है।

भाषा की समझ

(1) समानार्थक शब्द—

धनाढ्य-अमीर	कामना-इच्छा
उपरांत-बाद	सरोवर-तालाब
अनर्थ-नुकसान	न्यायाधीश-जज

(2) विलोम शब्द—

दुर्भाग्य-सौभाग्य	स्वागत-विदाई
विश्वास-अविश्वास	मित्र-शत्रु
मुस्कराना-रोना	
उपस्थित-अनुपस्थित	

(3) विशेषण बनाइए—

कृपा-कृपालु	सुरक्षा-सुरक्षित
भाग्य-भाग्यशाली	खानदान-खानदानी
न्याय-न्यायपूर्ण	समय-समयबद्ध

(4) भाववाचक संज्ञा के शब्द बनाइए—

घनिष्ट-घनिष्ठता	उपस्थित-उपस्थिति
बेईमान-बेईमानी	मित्र-मित्रता
धनाढ्य-धनसम्पन्नता	वीर-वीरता

(5) **मुहावरों के अर्थ लिखिए—**

(1) अपने पाँवों पर खड़े होना
अर्थ— आत्मनिर्भर बनना।

(2) लाल-पीला होना
अर्थ— बहुत गुस्सा होना।

(3) मालामाल हो जाना
अर्थ— बहुत अमीर हो जाना।

कल्पना की उड़ान

(1) शब्द पहेली से दस सार्थक शब्द लिखिए।

(1)	एकाएक	(2)	मन
(3)	धन	(4)	घबराहट
(5)	कचहरी	(6)	अभियोग
(7)	व्यापारी	(8)	धनाढ्य
(9)	कामना	(10)	राम

(2) छात्र स्वयं करें।

पाठ -15

अमर शहीद (शिवराम राजगुरु)

पाठ की समझ

बोलकर बताओ

1. शिवराम राजगुरु में अटूट राष्ट्रनिष्ठा और असीम साहस था। उन्होने यह संकल्प लिया था कि "सर कटा सकते हैं, लेकिन सर झुका सकते नहीं"
2. सांडर्स के ऊपर राजगुरु और भगतसिंह दोनों क्रांतिकारियों ने गोलियाँ चलाई
3. लाला लाजपत राय की मृत्यू का दोषी लाहौर के उप पुलिस अधिक्षक जे.पी सांडर्स को माना गया।
4. राजगुरु ने कानपुर आगरा और लाहौर जैसे नगरों में बलिदानी युवकों को छाँट-छाँटकर क्रांतिदल में शामिल किया।

5. भगतसिंह, राजगुरु और सुखदेव पर मुकदमा लगभग दो वर्षों तक चला और परिणाम स्वरूप उन्हें 23 मार्च 1931 को फाँसी दी गई।

लिखकर बताओ

(क) प्रश्न-उत्तर—

(1) राजगुरु के जीवन वृतान्त से देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने, अत्याचारों का सामना साहसपूर्वक करने और कभी हार न मानने की प्रेरणा मिलती है।

(2) 15 दिसम्बर सन् 1928 में साइमन कमीशन भारत आया।

(3) चन्द्रशेखर आजाद, राजगुरू, भगतसिंह, सुखदेव और जयगोपाल ने जे.पी. सांडर्स को उड़ाने की योजना बनाई।

(4) साइमन कमीशन के विरोध में निकाले जा रहे जुलूस का नेतृत्व लाला लाजपतराय कर रहे थे।

(5) 23 मार्च 1931 को गौरी सरकार ने स्वयं ही राजगुरू का अंतिम संस्कार कर उनकी भस्म सतलुज नदी में प्रवाहित कर दी।

(ख) रिक्त स्थान

(1) छात्र जीवन से ही वे भगतसिंह के साथी बन गए थे।

(2) भगतसिंह ने गोलियों की वर्षा कर उसे वहीं ढ़ेर कर दिया।

(3) भगतसिंह, सुखदेव और बटुकेश्वर दत्त को भी असेंबली बमकांड में पकड़ लिया था।

(4) उनकी भस्म चुपचाप समीपवर्ती सतलुज नदी में प्रवाहित कर दी।

(5) उनके क्रियाकलायों से मातृभूमि के सच्चे सेवक युगों-युगों तक प्रेरणा लेते रहेंगे।

(ग) सही-गलत—

(1) सरदार भगतसिंह दुर्गादेवी के साथ लाहौर से निकल भागे। (✓)

(2) दुर्भाग्य से राजगुरू को इलाहाबाद से गिरफ्तार कर लिया। (✗)

(3) 23 मर्च 1931 को तीनों वीरों को फाँसी पर लटका दिया गया। (✓)

(4) साइमन कमीशन का भारत में जगह-जगह स्वागत किया गया। (✗)

(5) लाला लाजपत राय ने सांडर्स की गोली मारकर हत्या कर दी। (✗)

(घ) मिलान करो—

(अ)	(ब)
टस से मस न होना	न झुकने वाला
अर्दली	सहायक सेबक
अचूक	न चूकने वाला
आक्रोश	क्रोध
नेतृत्व	अगुआई

(ड़) गद्यांश पर आधारित प्रश्न—

(1) तीनों महावीरों का अंतिम संस्कार किया—

उत्तर. गोरी सरकार ने

(2) भगतसिंह, राजगुरू और सुखदेव को फाँसी की सजा सुनाई गई—

उत्तर. 23 मार्च 1931 को

(3) तीनों क्रान्तिकारियों की भस्म प्रवाहित की गई—

उत्तर. सतलुज में

(4) मुकदमे की सुनवाई चली—

उत्तर. दो वर्ष

सोचकर बताओ

1. कठोर यातनाएँ भी देशभक्तों के इरादे न बदल सकी, क्योंकि उनके भीतर राष्ट्रभक्ति और संकल्प था। कि वे जानते थे कि उनका बलिदान देश की स्वतंत्रता के लिए आवश्यक है।
2. हमें ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए, भ्रष्टाचार से बचना चाहिए और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करनी चाहिए।
3. देश की सेवा करना, उसका सम्मान करना, देशहित में कार्य करना और मताधिकारी का सही उपयोग करना।

4. राजगुरू की साहसिकता, नेतृत्व क्षमता और देश के लिए मर मिटने का जज्बा इन विशेषताओं न मुझे प्रभावित किया है।
5. यह पाठ हमें देशभक्ति, साहस, निडरता और अपने लक्ष्य के प्रति अडिग रहने की सीख देता है।

भाषा की समझ

(1) शब्द-युग्म—

जीवन— बलिदान, राष्ट्रनिष्ठा, अत्याचार-प्रतिकार

(2) पर्यायवाची शब्द—

आकाश— नभ, गगन, अंबर

पृथ्वी— भू, धरा, धरती

दिन— दिवस, वार, वासर

वीर— बहादुर, साहसी, शूरवीर

(3) विशेषण विशेष्य छाँटिए—

शब्द	विशेषण	विशेष्य
शीर्षस्थल नेता	शीर्षस्थ	नेता
वीर व्यक्ति	वीर	व्यक्ति
क्रूर सांडर्स	क्रूर	सांडर्स
अचूक निशाना	अचूक	निशाना

(4) सर्वनाम शब्दों को रेखांकित कीजिए—

(1) उस पर गोली चला दी।
(2) उसे वहीं ढ़ेर कर दिया।
(3) उन पर निर्ममता से प्रहार किये गए।
(4) अपने साथियों में वे केवल राजगुरू नाम से ही जाने जाते थे।

(5) **वाक्य प्रयोग—**

(1) आजादी— हमें अपनी आजादी की रक्षा करनी चाहिए।
(2) क्रांतिकारी— भगतसिंह एक महान क्रांतिकारी थे।
(3) प्रसिद्ध— राजगुरु एक प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी थे।
(4) घटना— यह घटना इतिहास में अमर हो गई।
(5) स्वतंत्रता— स्वतंत्रता हमारे पूर्वजों की देन है।

कल्पना की उड़ान

(1) छात्र स्वतंत्रता सेनानियों की जानकारी स्वयं प्राप्त करें।
(2) छात्र चार्ट पेपर पर प्रसिद्ध नारे स्वयं लिखें।
(3) छात्र स्वयं कविताएँ पढ़े और उनका सस्वर वाचन करें।
(4) **प्रसिद्ध व्यक्तियों के नाम—**

भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु, चन्द्रशेखर आजाद, बटुकेश्वर दत्त, महात्मा गाँधी, मदनमोहन मालवीय, आदि।

पाठ -16
मनभावन ऋतुएँ

पाठ की समक्ष

बोलकर बताओ

1. भारत में छः ऋतुएँ आती हैं जो अपने अलग-अलग रूप और सौंदर्य से धरती का श्रृंगार करती है। इसलिए भारत को कवि ने सबसे निराला देश बताया है।
2. गर्मी में नदियाँ-नाले सूख जाते हैं, धरती तपने लगती हैं और चारों ओर सूखा फैल जाता है।
3. भौंरो के मतवाले होने का कारण यह है कि वे फूलों की खुशबू और रस में खो जाते हैं और उसी में मस्त हो जाते हैं।
4. शरद ऋतु में सरिता, सरोवर और स्वच्छ हो जाते हैं। कमल के फूल खिलते हैं और वातावरण सुंदर दिखता है।
5. पत्तों के झड़ने को पतझड़ कहा जाता है।

लिखकर बताओ

1. गर्मी के मौसम में सूरज से ज्वाला सी बरसती है।
2. वर्षा ऋतु में शीतल पुरबाई चलती है।
3. शरद ऋतु में ठंडी और सुखद हवा चलती है।
4. हेमंत ऋतु में ठंडी और बर्फीली हवा चलती है।
5. शिशिर ऋतु पशु पक्षी ठिठुरते हैं और पेड़ों के पत्ते झड़ जाते हैं।

बोलकर बताओ

(ख) पंक्तियाँ पूर्ण करो—

1. तप-तप सारी धरती तपती।
2. रोम-रोम से बहे पसीना।
3. लो वर्षा आई मन-भावन, मेघ गगन में छाए।
4. घटा घुमड़ती देख गगन में मोर हुए मतवाले।
5. धरती पर छिटकी है कैसी, श्वेत सुकोमल शरद जुन्हाई।

(ग) सही गलत

1. वसंत ऋतु में गरम वस्त्र और गरम भोजन अच्छे लगते हैं। (×)
2. ग्रीष्म ऋतु में सूरज का ताप कम हो जाता है। (×)
3. शिशिर ऋतु में दिन छोटे रातें लम्बी होती है। (✓)
4. भारत में 1 वर्ष में 10 ऋतुएँ आती हैं। (×)
5. सावन भादो में बरसात बहुत होती है। (✓)

(घ) सही मिलान कीजिए

(अ)	(ब)
रिमझिम-रिमझिम	सावन बरसे।
गिरि शिखरों पर	है हिम छाई।
गरम वस्त्र भोजन	अब भाते।
सब कुछ बन्दी है	जोड़े के पहरे में।
झड़ते हैं पत्ते	उजड़ी-सी तरू पाँतें।

(ड़) काव्यांश का भावार्थ

इन पंक्तियों में हेमंत ऋतु का वर्णन है। शरद ऋतु के जाने के बाद अब हेमंत ऋतु आई है। दिशाएँ बर्फ के कारण ठंडी हो गई हैं और ठंडी बर्फीली हवा चल रही है, जिससे मनुष्य काँपने लगे हैं। पहाड़ों की चोटियों पर बर्फ जम गई है और सूरज की गर्मी कम हो गई है। लोग अब गरम कपड़े पहनना और गरम भोजन खाना पसंद करते हैं। वे आग के पास बैठकर बातें करते हैं।

सोचकर बताओ

1. छात्र स्वयं करें।
2. हमें गर्मी के मौसम में परेशानी होती है क्योंकि बहुत तेज धूप और गर्मी लगती हैं, जिससे थकान हो जाती है।
3. गर्मी में ठंडी चीजें जैसे- आइसक्रीम, शरबत, दही और तरबूज खाना अच्छा लगता है।
4. पेड़ों से पत्ते प्रायः शरद ऋतु में झड़ते हैं।
5. हमको बरसात में नहाना अच्छा लगता है क्योंकि बारिश में भीगने से मजा आता है और मौसम ठंडा हो जाता है।

भाषा की समझ

1. **समानार्थी शब्द—**

सूरज — रवि, भानु
चाँद — शशि, रजनीकर
वन — जंगल, अरण्य
कमल — जलज, पंकज
मेघ — बादल, जलधर
जुन्हाई — गरमी, ताप

2. **तुकान्त शब्द—**

हरियाली	हेमंत	कुहरे में
रातें	जुन्हाई	छाया

3. **शब्दों के विशेषण और विशेष्य लिखिए—**

शब्द	विशेषण	विशेष्य
सूखे उपवन	सूखे	उपवन
तपती धरती	तपती	धरती
घुमड़ती घटा	घुमड़ती	घटा
मनभावन वर्षा	मनभावन	वर्षा
बर्फीली हवा	बर्फीली	हवा

कल्पना की उड़ान

1. **दिए गए चित्रों को पहचानकर उनके नीचे मौसम का नाम लिखिए—**

1. वर्षा ऋतु 2. वसंत ऋतु
3. हेमन्त ऋतु 4. शरद ऋतु
5. ग्रीष्म ऋतु 6. शीत ऋतु

2. छात्र कोडों को पढ़ें और समझें।

पाठ -17

ईश्वर का अपना घर

पाठ की समक्ष

बोलकर बताओ

1. पौराणिक कथाओं के अनुसार परशुराम ने समुद्र में अपना परशु फेंका, जिससे समुद्र पीछे हट गया और उससे जो भूमि निकली वह केरल कहलायी।

2. "चेर स्थल", कीचड़ और "अलग प्रदेश" शब्दों के योग से "चेरलम्" बना, जो बाद में "केरल" कहलाया। इसका अर्थ है– समुद्र से निकली भूमि।
3. केरल भारत के दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। इसके उत्तर और उत्तर-पूर्व में कर्नाटक, दक्षिण पूर्व में तमिलनाडु और पश्चिम में अरब सागर है।
4. प्राकृतिक दृष्टि से केरल को तीन भागों में बाँटा गया है–
   (1) पर्वतीय भाग
   (2) उपजाऊ मैदान
   (3) तटीय भाग
5. केरल को इसके अद्‌भुत प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक समृद्धता के कारण "ईश्वर का अपना घर" कहा जाता है।

लिखकर बताओ

(क) प्रश्न उत्तर

1. केरल अरब सागर के किनारे स्थित है।
2. केरल का विश्व प्रसिद्ध नृत्य कथकली है।
3. केरल के प्रमुख फल नारियल, पपीता, आम, केला और अनानास है।
4. केरल में मुख्यत: मलयालम भाषा बोली जाती है।
5. केरल के निवासियों का मुख्य भोजन चावल, इडली, डोसा, रसम, साँभर है।

(ख) रिक्त स्थान–

1. नौका प्रतियोगिता में एक नौका में 100 तक नाविक होते हैं।
2. केरल का राज्योत्सव ओणम है।
3. ओणम अगस्त-सितम्बर के महीने में मनाया जाता है।
4. केरल में पूरे वर्ष हरियाली ही हरियाली दिखाई देती है।
5. केरल की राजधानी तिरूवनंतपुरम् है।

(ग) सही गलत–

1. केरल प्रदेश जम्मू-कश्मीर का एक भू-भाग है। (×)
2. यहाँ की स्त्रियाँ अन्य प्रदेशों की अपेक्षा अधिक साक्षर और स्वतंत्र हैं। (✓)
3. यहाँ कुछ समाजों में मातृसत्तात्मक परिवार पाए जाते हैं। (✓)
4. यहाँ देश की 50 प्रतिशत कालीमिर्च का उत्पादन होता है। (✓)
5. केरल में अमरूद के बाग बहुतायत में मिलते हैं। (×)

(घ) मिलान करो–

(अ)	(ब)
नौका	दौड़
भाषा	मलयालम
राजा	महाबली
राजधानी	तिरूवनंतपुरम
कृत्रिम	रेशे

(ड़) गद्यांश पर आधारित प्रश्न–

1. केरल को प्राकृतिक दृष्टि से बाँटा गया है–

उत्तर– तीन भागों में

2. नारियल के घने बगीचों और धान के खेतों से भरा है।

उत्तर– तीसरा भाग

3. केरल में पूर्व के पर्वतीय भाग की भूमि है।

उत्तर– उबड़-खाबड़

4. केरल की प्रमुख फसल है।

उत्तर– चावल (धान)।

सोचकर बताओ

1. केरल के प्रसिद्ध नृत्य कथकली के माध्यम से कथा, काव्य, भाव, संगीत और अभिनय का प्रदर्शन का होता है।
2. केरल के घरों की अधिकांश छतें अधिकतर नारियल के पत्तों या टाइल्स की बनी होती हैं।
3. केरल को नारियलों और गरम मसालों का देश इसलिए कहा जाता है क्योंकि इनका यहाँ अधिक उत्पादन होता है।
4. केरल में ओणम विशु, विश्वाली जैसे त्योहार मनाए जाते हैं।
5. यदि मैं केरल घूमने जाऊँगा, तो मैं वहाँ नौका दौड़ समुद्र तट, कथकली नृत्य, पहाड़, मंदिर, मसाले के बागान देखूँगा।

भाषा की समझ

1. विशेषण और विशेष्य छाँटिए—

शब्द	विशेषण	विशेष्य
(क) गगन चुम्बी वृक्ष	गगन चुम्बी	वृक्ष
(ख) गहरी नदियाँ	गहरी	नदियाँ
(ग) पर्वतीय भाग	पर्वतीय	भाग
(घ) प्रसिद्ध नृत्य	प्रसिद्ध	नृत्य

2. निम्नलिखित शब्दों का सन्धि विच्छेद—

पौराणिक — पुराण + इक
प्राकृतिक — प्रकृति + इक
सामाजिक — समाज + इक
कथानुसार — कथा + अनुसार
दर्शनीय — दर्शन + ईय

3. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द—

(क) जो लोक में प्रसिद्ध हो— प्रसिद्ध
(ख) जो पुराण से सम्बन्धित हो— पौराणिक
(ग) वह भूमि जहाँ अनेक फसलें उगती हों— उपजाऊ भूमि
(घ) मन को अच्छा लगने वाला— सुखद
(ङ) धर्म के रास्ते पर चलने वाला— धार्मिक

4. वाक्य बनाइए—

(क) **केरल** — केरल भारत का एक सुन्दर राज्य है।
(ख) **परशुराम** — परशुराम ने समुद्र में परशु फेंककर केरल भूमि बनाई।
(ग) **कथकली** — कथकली में हाव-भावों द्वारा कहानी प्रस्तुत की जाती है।
(घ) **ओणम** — केरल का प्रमुख त्योहार ओणम है।

कल्पना की उड़ान

1. अपने प्रदेश की विशेषताओं की तालिका—

प्रदेश का नाम	उत्तर-प्रश्न
भोजन	दाल-चावल, पूरी-सब्जी, कचौड़ी, लड्डू
त्योहार	दीपावली, होली, ईद, दशहरा
वेशभूषा	पुरुष— धोती, कुर्ता महिलाएँ— साड़ी, सलवार कमीज
प्रमुख फसलें	गेहूँ, धान, गन्ना, आलू
जनसंख्या घनत्व	बहुत अधिक
साक्षरता	लगभग 70-75%
पौराणिक महत्व	अयोध्या, काशी, मथुरा जैसे तीर्थ स्थल
दर्शनीय स्थल	ताजमहल, काशी, अयोध्या वृन्दावन
मौसम	गर्मी, सर्दी, वर्षा
प्रमुख क्रियाकलाप	कृषि, व्यापार, हस्तशिल्प

❑❑